कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, गुरुवार 31 जुलाई, 2025 , वर्ष : 34 अंक : 126, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन शिवशक्ति के तहत दो आतंकवादियों को ढेर किया

पुंछ (ईएमएस)। पुंछ में भारतीय सेना ने ऑपरेशन शिवशक्ति के तहत घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। यह घटना नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मालदीवलन इलाके में हुई। सेना ने आतंकवादियों के पास से तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। इसके पहले सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत 3 पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों में पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी शामिल था। अन्य दो की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई, जिसमें जिबरान 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट हमले में शामिल था। इन आतंकवादियों के पास से अमेरिकी एम4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड बरामद किए गए थे।

कश्मीर में लगातार भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा रोकी

श्रीनगर,(ईएमएस)। कश्मीर में भारी बारिश से बुधवार को अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि पहलगाम और बालटाल बेस कैंप से यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। पोस्ट में लिखा है कि पहलगाम और बालटाल से अमरनाथ यात्रा एक दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में कश्मीर के संभागीय आयुक्त ने बताया कि बुधवार सुबह से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी दोनों आधार शिविरों से यात्रा शुरू नहीं हो पाई। अब तक 3.93 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा एक अन्य पोस्ट में यह भी जानकारी दी गई कि गुरुवार को जम्मू के भगवती नगर यात्रा शिविर से भी कोई यात्री जत्था रवाना नहीं किया जाएगा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने डिविजनल कमिश्नर के हवाले से बताया गया है कि यात्रा मार्गों पर खराब मौसम के कारण आधार शिविरों से श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित हुई है। इसलिए यह फैसला लिया गया है कि गुरुवार को जम्मू से किसी भी जत्थे को आगे नहीं भेजा जाएगा। श्रद्धालुओं को स्थिति की जानकारी समय-समय पर दी जाती रहेगी।
अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। 180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है।

सीजेआई कोई पोस्ट ऑफिस नहीं, वह राष्ट्र के प्रति भी है जिम्मेदारी

जज वर्मा की याचिका पर सुनवाई के दौरान सिब्बल की दलील पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच के सामने सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने यशवंत वर्मा का पक्ष रखते हुए दलीलें दीं। सिब्बल ने कहा कि महाभियोग संसद की विशेष प्रक्रिया है और सीजेआई द्वारा इसकी सिफारिश करना असंवैधानिक है। सुनवाई पूरी होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।
सुनवाई के दौरान सिब्बल ने तर्क दिया कि इन-हाउस जांच केवल एक तथ्य-परख तंत्र है, जिसका कोई बाध्यकारी प्रभाव नहीं है। यह साक्ष्य अधिनियम के नियमों का पालन नहीं करता और न ही इसे न्यायाधीश को हटाने की कार्यवाही शुरू करने का आधार बनाया जा सकता है। सिब्बल ने साफ कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा इन-हाउस प्रक्रिया को प्रशासनिक उपाय के रूप में स्वीकार करते हैं और सीजेआई की प्रशासनिक शक्ति जैसे न्यायिक कार्य आवंटन रोकने को चुनौती नहीं दे रहे हैं उनकी आपत्ति इस प्रक्रिया के आधार पर महाभियोग शुरू करने पर है। इस पर जस्टिस दत्ता ने सवाल उठाया कि सुप्रीम कोर्ट के तीन फैसलों ने इन-हाउस प्रक्रिया को मान्यता दी है, तो इसे क्यों शामिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने पूछा कि सीजेआई की सिफारिश केवल एक सुझाव है, तो इसमें क्या गलत है? सिब्बल ने जवाब दिया कि जब सिफारिश हटाने की हो तो यह संसद के विशेषाधिकार में हस्तक्षेप करती है।

झारखंड के 360 हाई स्कूलों को प्लस टू में बदलेगी सरकार

रांची । झारखंड सरकार राज्य में इंटरमीडिएट शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाने जा रही है. इसके तहत राज्य के 360 हाई स्कूलों को प्लस टू (इंटरमीडिएट) स्कूल में अपग्रेड करने की योजना बनाई गई है. इस उद्देश्य से झारखंड सरकार ने केंद्र सरकार से 3600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मांगी है. इस संबंध में झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को औपचारिक प्रस्ताव सौंपा है. प्रस्ताव के मुताबिक, हर जिले में 15 हाई स्कूलों को प्लस टू में बदला जाएगा. हर वर्ष झारखंड में लगभग पांच लाख छात्र मैट्रिक पास करते हैं, ऐसे में इंटरमीडिएट शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए प्लस टू स्कूलों की आवश्यकता महसूस की जा रही है. राज्य में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कुल 4440 करोड़ रुपये की सहायता केंद्र सरकार से मांगी गई है. शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि यह पहल राज्य के स्कूली शिक्षा ढांचे को व्यापक और समावेशी बनाने की दिशा में एक बड़ा और ठोस कदम होगा. इससे राज्य के हजारों छात्रों को उच्च माध्यमिक शिक्षा तक आसान पहुंच मिल सकेगी.

सेना की गाड़ी पर चट्टान गिरी, 3 घायल

गलवान(ईएमएस)। गलवान के चारबाग इलाके में बुधवार को सेना की गाड़ी पर विशाल चट्टान गिर गई। हादसे में गाड़ी पर सवार 2 अफसर और एक जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं। तीनों को एयरलिफ्ट करके अस्पताल पहुंचाया गया है। भारतीय सेना ने बताया कि हादसा सुबह लगभग 11:30 बजे हुआ। हादसे में गाड़ी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। सूत्रों ने बताया कि सेना का काफिला लद्दाख के दुरबुक से चोंगटास ट्रेनिंग सेंटर जा रहा था। इस दौरान यह हादसा हुआ। घायल सेना के जवान 60 आर्मर्ड रेजिमेंट के हैं।

एक अगस्त से सात अगस्त तक चलेगा झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र

पक्ष व विपक्ष होंगे आमने-सामने

रांची(ईएमएस)। झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 1 अगस्त से शुरू हो रहा है, जो 7 अगस्त तक चलेगा।इस सत्र में सरकार और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी रणनीति के साथ तैयार हैं। सत्र की अवधि छोटा होने के कारण समय प्रबंधन एक बड़ी चुनौती होगी।

कई विधेयक होंगे पेश

मॉनसून सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाने की संभावना है, जिसमें आदिवासी भूमि के गैरकानूनी हस्तांतरण को रोकने के लिए आदिवासी संरक्षण विधेयक, खनन गतिविधियों के कारण पर्यावरणीय क्षति को कम करने और स्थानीय समुदायों के लिए पुनर्वास नीतियों को मजबूत करने के लिए झारखंड खनन और पर्यावरण संरक्षण विधेयक, ग्राम पंचायतों को और सशक्त बनाने के लिए झारखंड पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2025 के साथ बढ़ते साइबर अपराधों को नियंत्रित करने के लिए झारखंड साइबर अपराध निवारण विधेयक पेश किए जा सकते हैं.

झारखंड विश्वविद्यालय विधेयक हो सकता है पेश

मॉनसून सत्र के दौरान झारखंड विश्वविद्यालय विधेयक भी पेश हो सकता है. इस विधेयक के पारित होने के बाद,

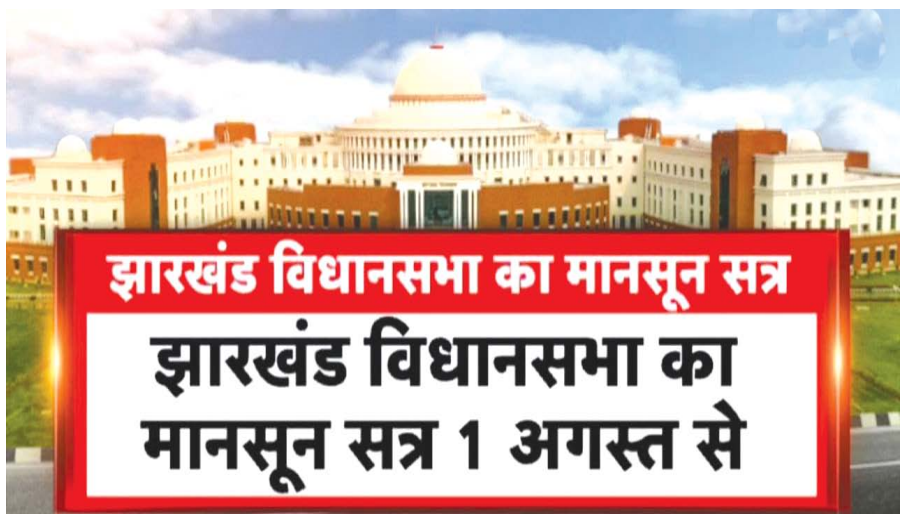

विश्वविद्यालयों में कुलपतियों और अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा गठित आयोग के माध्यम से की जाएगी, जिससे राज्यपाल का सीधा हस्तक्षेप समाप्त हो जाएगा.

पेश होगा अनुपूरक बजट

इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा, जो राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा. इस बजट में सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाया जाएगा और राज्य के विकास के लिए आवश्यक संसाधनों का आवंटन किया जाएगा.

क्या होगी विपक्ष की रणनीति

विपक्षी दल ने सरकार पर जानबूझकर कम अवधि का सत्र बुलाने का आरोप लगाया है. वे सदन में सरकार से जवाब मांगेंगे और कई मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिनमें स्थानीय नीति और नियोजन नीति,भ्रष्टाचार,विधि व्यवस्था की लचर स्थिति, स्वास्थ्य व्यवस्था सहित आर्थिक मुद्दे और राज्य के विकास की गति सहित अन्य मुद्दे शामिल हैं.

सत्ता पक्ष की तैयारी

सत्ता पक्ष भी अपनी उपलब्धियों को गिनाने और विपक्ष के आरोपों का जवाब देने की तैयारी में है. सरकार ने कई विधेयकों को पारित कराने की योजना बनाई है और सत्ता पक्ष के नेता विपक्ष के हमलों का जवाब देने और अपनी सरकार की नीतियों को न्यायसंगत ठहराने की कोशिश करेंगे.

सत्र का शेड्यूल

1 अगस्तः राज्यपाल की सहमति प्राप्त विधेयक सदन के पटल पर रखे जाएंगे और दिवंगत विभूतियों को याद किया जाएगा.
4 अगस्तः वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा.
5 अगस्तः प्रश्नकाल, अनुपूरक बजट पर चर्चा.
6 अगस्तः प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक.
7 अगस्तः प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक, गैर सरकारी संकल्प.

तीसरे दिन टूटी 108 एंबुलेंस हड़ताल कर्मचारियों की मानी गई मांगें

रांची(ईएमएस)। झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा के तहत चल रही कर्मचारियों की हड़ताल बुधवार को तीसरे दिन समाप्त हो गई. राज्य सचिवालय में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई. बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया. बैठक में भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री राजीव रंजन सिंह, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नीरज तिवारी तथा सम्मान फाउंडेशन की टीम मौजूद थी. वार्ता के दौरान कर्मचारियों की प्रमुख मांगों पर सहमति बनी और कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए कर्मचारियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम वेतन प्रदान किया जाएगा
कर्मचारियों को भविष्य निधि (PF) और कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ESIC) का लाभ मिलेगा
निलंबित किए गए कर्मचारियों को पुनः कार्य पर लिया जाएगा
राज्य में 269 नई एंबुलेंस सेवाओं की शुरुआत की जाएगी
इस सफल वार्ता के बाद झारखंड के सभी जिलों में हड़ताल समाप्त हो गई और एंबुलेंस सेवाएं पुनः बहाल कर दी गईं. मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है. गौरतलब है कि इससे पूर्व झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ के बैनर तले लगभग 2500 कर्मचारियों ने सम्मान फाउंडेशन के साथ विवाद के चलते कामकाज ठप कर दिया था इससे राज्यभर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई थीं. अब सरकार द्वारा कर्मचारियों की मांगें मान लिए जाने के बाद एंबुलेंस सेवाओं के सुचारू संचालन की उम्मीद है.

01 सितंबर से मुजफ्फरपुर जंक्शन-समस्तीपुर जंक्शन रेलखंड सोनपुर मंडल से समस्तीपुर मंडल में स्थानांतरित

हाजीपुर। परिचालनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, केन्द्र सरकार ने पूर्व मध्य रेल के मुजफ्फरपुर जंक्शन-समस्तीपुर जंक्शन रेलखंड को सोनपुर मंडल से समस्तीपुर मंडल में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है जो 01 सितंबर से प्रभावी होगा। इस संबंध में गजट अधिसूचना जारी की जा चुकी है। इसके फलस्वरूप मुजफ्फरपुर, नारायणपुर अनंत, सिलौत, सिहो, ढ़ोली, दुबहा, विष्णुपुर बथुआ हाल्ट, खुदीराम बोस पूसा एवं कर्पूरी ग्राम स्टेशन सोनपुर मंडल से समस्तीपुर मंडल में स्थानांतरित हो जाएंगे। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि मुजफ्फरपुर-हाजीपुर रेलखंड पर सोनपुर और समस्तीपुर मंडलों के बीच नई क्षेत्राधिकार सीमा मुजफ्फरपुर-रामदयालु नगर स्टेशनों के बीच किलोमीटर 50.000 पर होगी। सोनपुर और समस्तीपुर मंडलों के बीच मुजफ्फरपुर-कपरपुरा स्टेशनों पर किलोमीटर 92.800 पर, मुजफ्फरपुर-जुब्बा सहनी स्टेशनों पर किलोमीटर 0.744 पर और समस्तीपुर-कर्पूरी ग्राम स्टेशनों पर किलोमीटर 36.820 पर मौजूदा क्षेत्राधिकार सीमाएं समाप्त समझी जाएंगी क्योंकि ये सीमाएं समस्तीपुर मंडल के क्षेत्राधिकार में ही आएंगी।

रांची : राष्ट्रपति के दौरे को लेकर नो फ्लाइंग जोन घोषित

31 जुलाई की सुबह 6 बजे से 1 अगस्त रात 10 बजे तक

रांची । राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित रांची दौरे को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने विशेष तैयारी की है. इसी क्रम में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लेकर हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक और राजभवन तक के 200 मीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है. यह आदेश ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून जैसी उड़ने वाली सभी गतिविधियों पर लागू होगा. यानी इस क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति या संस्था इनका इस्तेमाल नहीं कर सकेगी. अनुमंडल दंडाधिकारी (सदर), रांची ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है. यह व्यवस्था 31 जुलाई की सुबह 6 बजे से शुरू होकर 1 अगस्त की रात 10 बजे तक लागू रहेगी.

दो दिवसीय झारखंड दौरे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

रांचीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई को दो दिवसीय झारखंड दौरे पर आ रही हैं. पहले दिन 31 जुलाई को एम्स, देवघर के दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी. उसी दिन रांची लौटकर राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी. अगले दिन 1 अगस्त को धनबाद के आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी. उनके झारखंड दौरे को लेकर पूरा प्रशासनिक महकमा रेस है. तीनों शहरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं.

देवघर एम्स का पहला दीक्षांत समारोह आज

देवघर एम्स का पहला दीक्षांत समारोह गुरुवार को होगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शिरकत करेंगी। वह 48 छात्र-छात्राओं को एमबीबीएस की डिग्री प्रदान करेंगी।समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी सहित कई वरीय अधिकारी भाग लेंगे।
दोपहर 12.20 बजे देवघर एयरपोर्ट पहुंचेंगी. वहां से सड़क मार्ग के जरिए दोपहर करीब 1 बजे एम्स, देवघर पहुंचेंगी. दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक का समय लंच के लिए रिजर्व रहेगा. अपराह्न 3 बजे फैकल्टी और 2019 बैच के एमबीबीएस छात्रों के साथ ग्रुप फोटो सेशन होगा. अपराह्न 3.10 बजे एम्स, देवघर में दीक्षांत समारोह का आयोजन शुरु होगा. अपराह्न 3.30 बजे राष्ट्रपति 4 गोल्ड मेडलिस्ट और 5 मेरिटोरियस छात्रों को सम्मानित

करेंगी.
अपराह्न 3.35 बजे राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का संबोधन होगा. उसके बाद अपराह्न 3.40 बजे झारखंड के गवर्नर का संबोधन होगा. अपराह्न 3,45 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छात्रों को संबोधित करेंगी. शाम 4.30 बजे राष्ट्रपति देवघर एयरपोर्ट पहुंचेंगी. वहां से शाम 5.25 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगी. वहां से शाम 5.55 बजे रांची स्थित राजभवन पहुंचेंगी और रात्रि विश्राम करेंगी. अपराह्न 6.30 से 7 बजे का समय रिजर्व रखा गया है.

1 अगस्त को आईआईटी-आईएसएम धनबाद के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी

राष्ट्रपति सुबह 9.30 बजे राजभवन से रांची एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगी. सुबह 10 बजे रांची एयरपोर्ट से पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेंगी. पूर्वाह्न 11.40 बजे दुर्गापुर एयरपोर्ट से उड़ान भरकर धनबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगी. दोपहर 12 बजे वो धनबाद के आईआईटी-आईएसएम कैंपस पहुंचेंगी. वहां गोल्ड मेडलिस्ट 33 छात्रों, मेंबर्स और सिनेटर्स के साथ फोटो सेशन होगा. इसके बाद अटल कम्यूनिटी इनोवेशन सेंटर के अधीन ट्राइबल महिलाओं द्वारा कम्यूनिटी इनोवेशन से जुड़े एक्जीबिशन का अवलोकन करेंगी. 12.20 बजे से 1.20 बजे तक आईआईटी आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह का आयोजन होगा. 12.40 बजे संस्थान के 10 वर्ष के स्वर्णिम दौर पर आधारित पोस्टल स्टांप राष्ट्रपति जारी करेंगी. अपराह्न 12.45 बजे प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ पी.के.मिश्रा को डीएससी(ऑनोरिस कॉसा) डिग्री से सम्मानित करेंगी. उसके बाद 12.50 बजे 20 गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों को सम्मानित करेंगी. अपराह्न 1 बजे राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का संबोधन होगा. अपराह्न 1.05 बजे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का संबोधन होगा. अपराह्न 1.15 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विद्यार्थियों को संबोधित करेंगी. इसके बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हो जाएगा. अपराह्न 3.10 बजे धनबाद एयरपोर्ट पहुंचकर अपराह्न 3.20 बजे पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर एयरपोर्ट के लिए राष्ट्रपति उड़ान भरेंगी और वहीं से दिल्ली के पालम एयरपोर्ट के लिए रवाना हो जाएंगी. राष्ट्रपति अपने दो दिवसीय दौरे के क्रम में करीब 25 घंटा झारखंड में रहेंगी. बता दें कि इससे पूर्व 11 जून को एम्स, देवघर में पहला दीक्षांत समारोह होना था. तब कुछ अपरिहार्य कारणों से राष्ट्रपति का दौरा टल गया था.

राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात प्रशासनिक कर्मियों की हुई जांच

धनबाद(ईएमएस)।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संभावित धनबाद दौरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में बुधवार को धनबाद सदर अस्पताल में उन प्रशासनिक कर्मियों की मेडिकल जांच शुरू हुई, जिन्हें राष्ट्रपति की सुरक्षा ड्यूटी में लगाया जाना है।सदर अस्पताल के डॉ टी.पी. पांडे ने जानकारी दी कि जिला प्रशासन की ओर से कुल 56 कर्मियों की सूची भेजी गई है। इनमें से अब तक 40 कर्मियों की जांच पूरी हो चुकी है, और सभी को स्वास्थ्य के लिहाज से फिट पाया गया है। उन्होंने बताया कि बाकी कर्मियों की जांच भी जल्द पूरी की जाएगी।फिजिकल चेकअप के दौरान प्रशासनिक कर्मियों का ब्लड प्रेशर, शुगर, हार्ट रेट और अन्य जरूरी पैरामीटर की जांच की जा रही है। ये सभी राष्ट्रपति के काफिले और कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा होंगे।डॉ टी.पी. पांडे ने कहा, "यह जांच इसलिए की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सुरक्षा ड्यूटी में लगाए जाने वाले सभी कर्मी पूरी तरह से शारीरिक रूप से सक्षम और तंदुरुस्त हों।

विश्व मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

मानव तस्करी करने वाले मानव तस्कर के विरुद्ध होगी कठोरतम कार्रवाई : उपायुक्त

जिला प्रशासन के द्वारा फ्लैग मार्च निकालकर आमजनों से किया गया अपील

जिले से एक भी मानव तस्करी ना हो, संबंधित पदाधिकारी को इसे सुनिश्चित करने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

दुमकाःउपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण इकाई के द्वारा विश्व मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस के अवसर पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत रूप से किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसी भी परिस्थिति में जिले से एक भी मानव तस्करी ना हो, संबंधित पदाधिकारी इसे सुनिश्चित करेंगे। मानव तस्करी की प्राप्त सूचना पर जिला प्रशासन किसी भी प्रकार की कोई कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी। मानव तस्कर के विरुद्ध त्वरित विधि सम्मत कार्रवाई की जायेगी। साथ ही उन्होंने बाल संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत स्वयं सेवी संस्थाओं को जोखिम वाले क्षेत्र में जोखिमपूर्ण परिवारों की मैपिंग कर जिले को सूची उपलब्ध कराने का निदेश दिया और संबंधित पदाधिकारियों को अग्रेत्तर कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया। उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा कि मानव तस्करी के विरुद्ध जिले में व्यापक रूप से प्रचार प्रसार हो। साथ ही उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को मानव तस्करी के विरुद्ध शपथ दिलाई। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र की अगुवाई में चाइल्ड हेल्पलाइन एवं स्वयं सेवी संस्थान ग्राम ज्योति, ग्राम साथी, प्रवाह के साथ टीन बाजार चौक से जिला समाहरणालय तक मानव तस्करी के विरुद्ध जन जागरूकता हेतु रैली निकाली गयी एवं पोस्टर पम्पलेट के माध्यम आमजनों को जागरूक किया गया। उक्त कार्यशाला में सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग सुचिता किरण भगत, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र, बाल कल्याण समिति की किरण तिवारी, सुबीर कुमार भट्टाचार्य, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी, विशेष किशोर पुलिस पदाधिकारी सह पुलिस उपाधीक्षक (मु०) इकुड डुंगडुंग, श्रम अधीक्षक शैलेन्द्र साह, चाइल्ड हेल्पलाइन के सभी सदस्यगण, सभी थानों के बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी, निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल, अधीक्षक बालगृह, नीति आयोग से अमलेश कुमार एवं स्वयं सेवी संस्थान से ग्राम ज्योति, ग्राम साथी, प्रवाह, लोक कल्याण सेवा केंद्र, जन साहस, जनमत शोध संस्थान, आयोआद्री तथा बाल संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रूप कार्यरत संस्थाएं मौजूद थे।

सिदो कान्हू मुर्मू विवि की कुलपति की तबीयत बिगड़ी

पीजेएमसीएच में भर्ती, चिंता की कोई बात नहीं

दुमकाः सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ कुनूल कंदीर की तबीयत अचानक बिगड़ गई. एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग स्थित अपने कार्यालय की सीढ़ी चढ़ते समय उन्हें चक्कर आया और वह अनियंत्रित होकर गिर पड़ी. कुलपति के बाएं हाथ और सर में चोट लगी है. आनन फानन में उसे इलाज के लिए दुमका के फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है.इस बाबत पीजेएमसीएच के अधीक्षक डॉ ए के चौधरी ने बताया कि कुलपति की स्थिति खतरे से बाहर है. चक्कर किस वजह से आई, इसकी जांच की जा रही है. वहीं विश्वद्यालय के रजिस्टर का कहना है कि सीढ़ी चढ़ते वक्त पैर फंस जाने के कारण अनियंत्रित होकर गिर पड़ी. बायां हाथ में ज्यादा चोट लगी है. चिंता की कोई बात नहीं है.

आपात स्थिति से त्वरित रूप से निपटने हेतु फायर सेफ्टी के तीन विशेष अग्निशमन वाहन मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त

बासुकीनाथ/ दुमकाः श्रावणी मेला 2025 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन द्वारा फायर सेफ्टी की सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। संभावित किसी भी आपात स्थिति से त्वरित रूप से निपटने हेतु फायर सेफ्टी के चार (04) विशेष अग्निशमन वाहन मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

अग्निशमन वाहन निम्नलिखित स्थानों पर तैनात हैं

1. जरमुंडी थाना के आस-पास, ब्लॉक के पीछे अग्निशमन वाहन में प्रधान अग्निक चालक गिरेन्द्र राम मो0- 8877067444,अग्निक चालक राजनाथ सिंह मो0- 7700810056 प्रतिनियुक्त हैं।
2.दर्शनिया टीकर क्षेत्र में खड़ी अग्निशमन वाहन में प्रधान अग्निक चालक अरविन्द कुमार मो0-7979718508,अग्निक चालक जयप्रकाश खाखा मो0- 8294029926 प्रतिनियुक्त हैं
3.क्यू कॉम्प्लेक्स परिसर में 2 अग्नि शमन वाहन है।

जिसके संचालन के लिए इनकी प्रतिनियुक्ति की गयी है 1 अग्निशमन वाहन के प्रधान अग्निक चालक राजकुमार पाण्डेय मो0-9470179577, 7903745464, अग्निक चालक सुरेंद्र लोहरा मो0-7761939094,
अग्निक चालक बिनोद मुण्डा मो०- 8340299032 एवं अग्निक चालक कुलदीप केरकेट्टा मो0- 7257887859

प्रशासन द्वारा सभी फायर सेफ्टी वाहनों को आवश्यक उपकरणों एवं प्रशिक्षित कर्मियों के साथ तैयार रखा गया है। मेला क्षेत्र में आगजनी जैसी किसी भी विपरीत परिस्थिति से त्वरित और प्रभावी रूप से निपटने हेतु यह व्यवस्था की गई है।साथ ही सभी टेंट सिटी एवं आवासन केंद्रों में अग्निशमन यंत्र रखा गया है। अग्निशमन विभाग के द्वारा मेला प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को कर्मियों को अग्नि शमन यन्त्र के इस्तेमाल का प्रशिक्षण भी दिया गया है। नियमित रूप से यंत्रों की जांच भी की जाती है।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बताया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है और फायर सेफ्टी टीम को सतर्क एवं मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है।

आर जी एस गुरुकुलम में भोजन कक्ष का उद्घाटन

दुमकाः सतन आश्रम धधकिया अवस्थित राम गोपाल शर्मा गुरुकुलम में कोलकाता के यूको बैंक के पूर्व ब्रांच मेनेजर पार्थ सारथी मंडल द्वरा भोजन कक्ष का उद्घाटन किया गया ।विदित हो कि गुरुकुलम के बच्चे रोज मध्यान्ह भोजन करते हैं और इस बारिश के मौसम के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था । जिसे देखकर आश्रम घूमने आये पार्थ सारथी मंडल ने तुरंत अपने और से विद्यालय को यह भोजन कक्ष समर्पित किया । जिस से सभी बच्चे काफी खुश हुए तथा उन्हें का दिल से आभार प्रकट किया ।उक्त मौके पर गुरुकुलम के संस्थापक स्वामी आत्मानंद पुरी ने पुष्प गुच्छ देकर तथा गुरुकुलम के प्रधानाचार्य मिलन कुमार मंडल ने पार्थ सारथी मंडल को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर मंडल ने कहा मुझे बहुत खुशी हो रही है कि अब बच्चों को कोई परेशानी नहीं होगी।उक्त मौके पर गुरुकुलम के सभी आचार्य एवं आचार्या गण तथा छात्र – छात्राएं मौजूद थे।

सेन्ट्रल डाक्टरों की टीम ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण

दुमकाःबुधवार को सेन्ट्रल डाक्टरों की टीम द्वारा गोपीकांदर प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर लखीबाद का औचक निरीक्षण किया गया। टीम में डॉ प्रशांत कुमार और डॉ मुकुल शर्मा शामिल थे। टीम के द्वारा मदर केयर, चिल्ड केयर, आर आई डिलीवरी, ओपीडी, नोन कोममुनिकाबल डेसास, नेशनल प्रोग्राम, तेडमेडिसिन सहित कुल 14 तरह के लैब टेस्ट एवं दवा की उपलब्धता तथा अस्पताल के सौंदर्यीकरण के साथ अन्य कई सूचकांको का निरीक्षण किया गया।मौके पर स्वस्थ्य कर्मियों को महत्वपूर्ण सुझाव व दिशा-निर्देश दिया गया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीकांदर के प्रभारी चिकित्सक विश्वनाथ मांडी, बीडीएम प्रदीप कुमार साह, बीपीएम दिलिप मिंज, बीएएम विनोद कुमार पांडे, टीबी(यक्ष्मा) वरीय चिकित्सक आशीष पंजलिया, एएएम लखीबांद सीएचओ सुनिता मिंज, एएनएम पासकुलिना टुडू, लेब टेक्नीशियन जोनाथन मुर्मू, एमपीडब्ल्यू प्रेमचंद हांसदा सहित स्वस्थ्य सहिया एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थें।

जिले के 26 विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति और प्रधानमंत्री पोषण शक्ति व मध्याह्न भोजन योजना का सोशल ऑडिट

दुमकाःजिला शिक्षा अधीक्षक दुमका के पत्रांक-1268 - 25 जुलाई के अनुसार जिले के कुल- छब्बीस विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति और प्रधानमंत्री पोषण शक्ति व मध्याह्न भोजन योजना का सोशल ऑडिट कराया जा रहा है।जिसके तहत बुधवार को रानीश्वर के पांच और काठीकुंड के दो विद्यालय में सोशल ऑडिट किया गया। सूत्रों के मुताबिक मौके पर योजना से जुड़े हर पहलू पर बारिकी से जांच की गई। रानीश्वर प्रखण्ड में रामवि बांसकूली, नप्रावि बांसकूली (बागती टोला), उमवि बोड़ाबाथान, उमवि भुस्कीपाहाड़ी और प्रावि बुधुडीह के अंकेक्षण किया गया। रानीश्वर प्रतिनिधि के अनुसार शिक्षक और ऑडिट में आये साधन सेवीओं के समन्वय से सुचारू रुप सेछ अंकेक्षण के डाटा लिया गया है। अब आगे रिपोर्ट के अनुसार प्रखण्ड समिति के जूरी द्वारा लिये गये निर्णय जिला समिति को भेजा जाएगा। प्रत्येक विद्यालय के लिए दो-दो साधन सेवी पहुंचे थे। साधन सेवी दल में त्रिलोकीनाथ पांडे, दीपेश राउत, मुन्ना माझी, अनुपम माझी, सुहागन कुमारी, अनुप कु सिंह, मोहन कु राय, वृंदावन मोदी, चंद्रशेखर यादव और दिवाकर कुमार शामिल थे।

सावन महोत्सव पर भारत विकास परिषद की ओर से सम्मान समारोह आयोजित कर किया गया जेपीएससी उत्तीर्ण प्रतिभागियों को सम्मानित

दुमकाःसावन महोत्सव के अवसर पर भारत विकास परिषद की ओर से दुधानी में सम्मान समारोह का आयोजन कर जेपीएससी उत्तीर्ण प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता द्वारा की गई।कार्यक्रम में परिषद के संरक्षक डॉ अन्हद लाल, सचिव जितेंद्र कुमार साह, पर्यवरण प्रमुख सतीश कुमार, क्षेत्रीय पदाधिकारी श्रीमती भारती शर्मा, सेवा प्रभाग के प्रमुख डॉ. मुकेश कुमार, महिला प्रभाग संगीता सिंहा एवं संगीता अग्रवाल, ज्योति हिम्मतसिंहका, सरिता अग्रवाल, रंजीता देवी, अर्चना केसरी एवं अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य गण अपस्थित थे।कार्यक्रम में जेपीएससी के सफल प्रतिभागियों के अभिभावक गण भी मौजूद थे। मॉडल कॉलेज विजयपुर दुमका की प्राचार्य डॉ. मेरी मारग्रेट टुडू, एसपी महिला कॉलेज की अध्यापिका डॉ. उमा भारती, एसपी कॉलेज दुमका की अध्यापिका डॉ. रूपम कुमारी ने जेपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।
सम्मान समारोह में जेपीएससी उत्तीर्ण सुश्री उमल बाहा मुर्मू, सुश्री निहारिका रानी के पिता श्री आशीष टुडू, सुजीत हेंब्रम, तुषार शेखर के (पिता) को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन परिषद के संरक्षक एवं ए.एन. कॉलेज, दुमका के प्राध्यापक, सि.का. मुर्मू विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य डॉ. अन्हद लाल कर रहे थे। उन्होंने भारत विकास परिषद एक परिचय विषय भी विस्तार पूर्वक रखा।इस अवसर पर भारती शर्मा ने कहा कि आप सभी कामयाब रहें। परिषद के सचिव जितेंद्र कुमार साह नें कहा कि आपसबों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।अध्यक्षीय संबोधन में प्रदीप कुमार ने कहा कि आप सभी हमारे जिला का नाम और रोशन करें। मौके पर डॉ. मुकेश कुमार समेत अन्य वक्ताओं ने भी समारोह को संबोधित किया ।इसके पश्चात सावन महोत्सव का कार्यक्रम महिला प्रभाग के द्वारा संपन्न हुआ। सावन महोत्सव में मुख्य रूप से गौरी रेसिडेंसी की महिलाएं उपस्थित रहीं।

अज्ञात वाहन के चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

दुमकाःगोपीकांदर थाना क्षेत्र के कुश्चिरा पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार की देर रात अज्ञात वाहन के चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बाइक सवार युवक की पहचान अमरापाड़ा थाना क्षेत्र के रंगा टोला के राहुल राय के रूप में हुई है, जो कुश्चिरा गांव के घटवार टोला स्थित अपने मामा घर में रह रहा था।घटना की सूचना मिलने पर गोपीकांदर थाने की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक राहुल राय अपने मामा घर कुश्चिरा से रात में गुम्मामोड़ की तरफ आ रहा था, इसी बीच पेट्रोल पंप के पास किसी अज्ञात वाहन द्वारा बाइक को ठोकर मार दिया गया, जिसमें मौके पर ही राहुल राय की मौत हो गई और अज्ञात वाहन मौका देख फरार हो गया। परिजनों ने मुआवजा की मांग को लेकर शव को सड़क में रखकर शाम 4 बजे से अमरापाड़ा थाना क्षेत्र के पेनम आलूबेड़ा सड़क को जाम कर दिया है। जाम स्थल पर अमरापाड़ा सीओ औसाफ अहमद खां और पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी मदन कुमार शर्मा के द्वारा परिजनों समझाया गया, लेकिन परिजन मुआवजा, मृतक के भाइयों को नौकरी और मां को पेंशन की मांग पर अड़े हुए हैं। खबर लिखे जाने तक जाम को नहीं हटाया गया था। जिस कारण कोयला परिचालन बाधित हैं। मामले में गोपीकांदर थाना प्रभारी सुमित भगत ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है तथा पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई हैं।

श्रद्धालुओं को सुरक्षित, जागरूक और संतुष्ट रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है मेला क्षेत्र में लगे एलईडी स्क्रीन

दुमकाःश्रावणी मेला 2025 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु सूचना जनसंपर्क विभाग द्वारा मेला क्षेत्र एवं रूट लाइन में 30 एलईडी वॉल और लगभग 150 एलईडी टीवी लगाए गए हैं। इन स्क्रीन एवं टीवी के माध्यम से न केवल मनोरंजन और जागरूकता का कार्य किया जा रहा है, बल्कि बिछड़े श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने में भी अहम भूमिका निभाई जा रही है।मेला क्षेत्र में यदि कोई श्रद्धालु अपने परिजनों से बिछड़ जाता है, तो वह सूचना सहायता केंद्र से संपर्क करता है। वहां तैनात कर्मी उसके विवरण और फोटो को रिकॉर्ड कर मेला क्षेत्र में लगे सभी स्क्रीन पर एक साथ प्रसारित करते हैं। यह सूचना पूरे मेला क्षेत्र में व्यापक रूप से प्रसारित होती है, जिससे कुछ ही समय में वह श्रद्धालु अपने परिजनों से पुनः मिल जाता है।इसके अतिरिक्त, कतार में खड़े श्रद्धालुओं की थकान को दूर करने और उन्हें भक्तिमय माहौल में बनाए रखने हेतु एलईडी वॉल एवं टीवी के माध्यम से भक्ति संगीत का भी प्रसारण किया जा रहा है। यही नहीं, आपातकालीन स्थितियों से निपटने हेतु जागरूकता संबंधी वीडियो और आवश्यक दिशा-निर्देश भी इन स्क्रीन के माध्यम से श्रद्धालुओं को दिखाए जा रहे हैं।यह तकनीकी पहल न केवल मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं को सशक्त बना रही है, बल्कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, जागरूक और संतुष्ट रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

समक्ष : लेख्य प्रमाण, धनबाद।

घोषणा-पत्र

मैं, अवध कुमार मिश्रा, पुत्र स्वर्गीय रामदेव मिश्रा एवं मेरी पत्नी सुनीता मिश्रा घर का पता क्वार्टर नम्बर आई एम 429/30 रंगामाटी, सिंदरी अपनी पुत्री कंचन कुमारी, किरण कुमारी, दिव्या मिश्रा एवं पुत्र अशोक कुमार मिश्रा, अनिल कुमार मिश्रा एवं अमन कुमार मिश्रा के द्वारा उचित सम्मान न मिलने के कारण उनसे अपना सम्बन्ध विच्छेद करता हूं व अपनी सभी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य में वे स्वयं तथा इनके पति या पत्नी की जिम्मेदारी होगी। दिनांकः-29/07/2025
अवध कुमार मिश्रा सिंदरी, धनबाद पिन कोड- 828122

Sl.No.-07
Dt.- 29.07.25 घोषणाकर्त्ता

विश्व मित्रता दिवस पर लायंस क्लब की ओर से सिदो कान्हू उच्च विद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

दुमकाःविश्व मित्रता दिवस पर लायंस क्लब दुमका की ओर से सिदो कान्हू उच्च विद्यालय दुमका में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आपसी मित्रता, सहयोग, स्नेह, विश्वास और मानवता की भावना को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम का आरंभ सिदो कान्हू सीनियर सेकेंडरी के प्राचार्य देवप्रिय मुखर्जी द्वारा लायंस क्लब से आए सभी अतिथियों के स्वागत से किया गया।
इस कार्यक्रम में 11वीं विज्ञान वाणिज्य एवं कला तीनों संकायों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें मित्रता के महत्व पर विशेष चर्चा की गई। लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन सतीश कुमार ने अपने संबोधन में मित्रता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सच्ची मित्रता जीवन को नई दिशा और ऊर्जा देती है। लायंस क्लब दुमका (स०प०) के सचिव लायन प्रदीप्त मुखर्जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दौर में बच्चे मोबाइल और टीवी के कारण घरों में सिमटते जा रहे हैं और अपने मित्रों से दूर होते जा रहे हैं, जिस कारण बच्चे तनावग्रस्त हो रहे हैं। क्योंकि आज के दौर में अपनी बातों को साझा करने के लिए उनके पास अपना कोई मित्र नहीं है। साथ ही उन्होंने मित्रता के नैतिक, सामाजिक एवं वैश्विक महत्व को सरल शब्दों में समझाया। कार्यक्रम के दौरान लायन नीरज कोठरीवाल, लायन डॉक्टर श्वेता स्वराज एवं इस कार्यक्रम के संयोजक लायन डॉक्टर अखिलेश कुमार सिंह ने भी मित्रता के महत्व पर अपना वक्तव्य रखा और बच्चों को मित्र बनाने के लिए जागरूक किया। इस कार्यक्रम के दौरान सभी छात्र-छात्राओं को टी-शर्ट एवं अल्पाहार दिया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय प्रबंधक सह लायंस क्लब की सदस्य लायन रोदोशी मुखर्जी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की निर्देशिका सह लायंस क्लब की सदस्य लायन सुनीता मुखर्जी, लायन राकेश सिंघानिया, लायन डॉक्टर मनोज कुमार घोष, लायन राजकिशोर सिंह, लायन सुनील शाहा, लायन डॉक्टर समीम अंसारी, लायन डॉ अमूल्य कुमार पाल एवं विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद
दूरभाष: 9471191602 (M) Email: drda.dhanbad@gmail.com

मनरेगा अंतर्गत संविदा आधारित नियुक्ति हेतु आम सूचना

मनरेगा अधिनियम, 2005 अन्तर्गत तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता/कनीय अभियंता के समकक्ष), लेखा सहायक एंव कम्प्यूटर सहायक के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु इस कार्यालय द्वारा निर्गत विज्ञापन ज्ञापांक 1492 दिनांक 27.09.2023 तथा विज्ञापन सूचना ज्ञापांक 1491 दिनांक 27.09.2023 के विरूद्ध rportaldrda.egovdhn.in के माध्यम से प्राप्त ऑनलाईन आवेदन की नियमानुसार स्क्रूटनी करते हुए प्रारंभिक सूची, पूर्ण विवरणी कॉलमवार आपत्ति के साथ (अभ्युक्ति कॉलम में) दावा/आपत्ति दर्ज करने हेतु इस कार्यालय के ज्ञापांक 63 दिनांक 16.01.2024 द्वारा धनबाद जिला के बेवसाईट www.dhanbad.nic.in पर तथा जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, धनबाद के सूचना पट्ट पर प्रकाशित किया गया।

आवेदकों से प्राप्त दावा/आपत्ति पर गठित नियुक्ति समिति के निर्णयानुसार उपरोक्त पदों हेतु प्रारंभिक औपबंधिक मेधा सूची एवं अयोग्य/अस्वीकृत आवेदनों की सूची कारण सहित धनबाद जिला के बेवसाईट www.dhanbad.nic.in पर अपलोड किया गया है।

संबंधित आवेदकों को सूचित किया जाता है कि उक्त के संबंध में अगर किसी अभ्यर्थी को कोई दावा/आपत्ति हो तो पूर्ण विवरणी के साथ दिनांक 11.08.2025 के अपराह्न 05.00 बजे तक (केवल कार्यालय दिवस) जिला ग्रामीण विकास भाखा, धनबाद में आवेदन के माध्यम से संशोधन/निराकरण हेतु दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते है। निर्धारित समय सीमा के उपरान्त किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगा।

दावा/आपत्ति निराकरण के पश्चात अंतरिम मेधा सूची तैयार करने की कार्रवाई की जाएगी तथा उक्त अंतरिम मेधा सूची से दक्षता परीक्षा आयोजन हेतु नियमानुसार अभ्यर्थियों का चयन करते हुए सूची का प्रकाशन किया जाएगा एवं दक्षता परीक्षा की सूचना धनबाद जिला के बेवसाईट www.dhanbad.nic.in एवं मुख्य समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किया जाएगा।

अनु0– अभ्यर्थियो की सूची (पी0डी0एफ0में)।

उपायुक्त,
–सह–जिला कार्यक्रम समन्वयक,
धनबाद।

PR.NO.358542 Rural Development(25-26):D

समय रहते करायें हेपेटाइटिस की जांच : अभियान निदेशक

रांची : विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान के प्रेक्षागृह में संपन्न।28 अगस्त तक चलेगा हेल्दी लीवर कैम्पेन हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस बीमारी को खत्म करने के उद्देश्य से विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान के प्रेक्षागृह में मंगलवार किया गया। इस अवसर पर हेल्दी लीवर कार्यक्रम का भी शुभारंभ हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड के अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने कहा कि किसी भी बीमारी को लेकर वैश्विक आयोजन क्यों हो रहा है, इस बात को समझने की आवश्यकता है। हेपेटाइटिस बी और सी जानलेवा है और समय रहते इसका इलाज जरूरी है उन्होंने कहा कि शरीर में किसी भी तरह की परेशानी होने पर योग्य चिकित्सकों से ही सलाह लेनी चाहिए। आजकल इन्टरनेट की दुनिया में लोग बीमारी का इलाज गूगल में ढूढंने लगते हैं, यह आदत मरीज को परेशानी में डाल देता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक अपने अनुभवों और बीमारी के लक्षण को ध्यान में रखते हुए मरीज का इलाज करते हैं। इसलिए हमेशा योग्य चिकित्सक से ही स्वास्थ्य परामर्श लेना चाहिए। हमारे सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में योग्य और विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा किसी भी स्वास्थ्य परेशानी में गूगल का नहीं बल्कि निःशुल्क डायल 104 पर संपर्क करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आमजनों को 104 पर हमारे काउंसलर परामर्श देते हैं जरूरत पड़ने पर चिकित्सक से भी बात कराते हैं। 104 पर स्वास्थ्य संबंधित शिकायतें और सुझाव भी प्राप्त किये जाते हैं। रिम्स मेडिसीन विभाग प्रो. डॉ दिवाकर ने कहा कि 2030 तक हेपेटाइटिस उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस बी और सी के कारण होने वाले वायरल हेपेटाइटिस सार्वजनिक स्वास्थ्य पर अतिरिक्त बोझ डालता है। हेपेटाइटिस के कारण लीवर सिरोसिस और कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस बी और सी रक्त, असुरक्षित यौन संपर्क और माँ से बच्चे में गर्भावस्था या प्रसव के दौरान फैल सकता है। प्रभावित टीके हेपेटाइटिस बी को रोक सकते हैं और हेपेटाइटिस सी के लिए अत्यधिक प्रभावी उपचार उपलब्ध है। रिम्स माइक्रोबॉयलॉजी विभाग के एचओडी डॉ मनोज कुमार ने कहा कि रिम्स में इस वर्ष हेपेटाइटिस बी के 28353 संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें से 27907 मरीजों का रिपोर्ट निगेटिव आया है। 486 मरीज पॉजिटिव पाये गये हैं। जिनका इलाज किया जा रहा है। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम के कन्सल्टेन्ट डॉ प्रवीण कर्ण कहा कि हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई सभी लीवर में सूझन पैदा करने वाले विभिन्न प्रकार के संक्रामक वायरस हैं जो, अलग-अलग तरीकों से फैलता है। हेपेटाइटिस ए दूषित भोजन, पानी या संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है। हेपेटाइटिस बी संक्रमित व्यक्ति के रक्त, सुई या यौन संपर्क से फैलता है। हेपेटाइटिस सी संक्रमित रक्त के माध्यम से फैलता है। हेपेटाइटिस डी बी के साथ ही होता है और हेपेटाइटिस बी वायरस से संक्रमित लोगों में ही होता है और हेपेटाइटिस ई दूषित पानी और भोजन से फैलता है। कार्यक्रम में नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रमोद, डॉ कमलेश, डॉ अश्विनी, डॉ बिरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ अनिल कुमार सिंह, ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन राज्य कार्यक्रम समन्वयक अकय मिंज ने किया। आईईसी के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ लाल माझी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। हेपेटाइटिस बीमारी को मात देकर स्वस्थ जीवनशैली जी रहे लोगों को कार्यक्रम में अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश ने मोमेन्टो, प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। रांची की पूजा कुमारी, रेश्मी कुमारी, रविन्द्र मिस्त्री और सिमडेगा के अमन सोय हेपेटाइटिस जैसी बीमारी से ठीक होकर अब पीयर सपोर्टर के रूप में काम करेंगे और हेपेटाइटिस के मरीजों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करेंगे।

28 अगस्त तक चलेगा हेल्दी लीवर कैम्पेन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम के तहत 29 जुलाई से हेल्दी लीवर कैम्पेन की ष्शुरूआत की गई। यह अभियान 28 अगस्त तक चलेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड के अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने निर्देश दिया है कि इस कैम्पेन के तहत हाई रिस्क गुरप के मरीजों की हेपेटाइटिस बी और सी की जांच एवं उपचार सुनिश्चि करें। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज तथा जिला अस्पतालों में आ रही गर्भवती महिलाओं की हेपेटाइटिस बी और सी जांच की जायेगी। स्वास्थ्य संस्थानों में काम करने वाले डॉक्टर, लैब टैक्नीशियन, स्टॉफ नर्स, मेडिकल हैंडलर, फर्माशिष्ट, वाड बॉय आदि को हेपेटाइटिस बी का टीका दिया जायेगा। जिलों के ब्लड बैंक तथा एफआरयू केन्द्र पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान संभावित मरीजों को हेपेटाइटिस बी और सी की रैपिड किट से जांच की जायेगी तथा उपचार हेतु जिला के ट्रीटमेंट सेंटर में रेफर किया जायेगा। कैम्पेन के क्रियान्वयन के लिए जिला आरसीएच पदाधिकारी जिले में कार्यरत जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, जिला एड्स कंट्रोल पदाधिकारी, जिला एनसीडी पदाधिकारी, ब्लड बैंक प्रभारी तथा जेलों में प्रतिनियुक्त चिकित्सा पदाधिकारी से समन्वय कर हेपेटाइटिस बी और सी की स्क्रीनिंग करायेंगे।

झारखंड के नवनिर्माण के संघर्ष को तेज करेगी आजसू : प्रवीण प्रभाकर

रांचीः आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में युवा आजसू का मिलन समारोह संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने सभी नए सदस्यों को माला और पट्टा पहनाकर आजसू की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर युवा आजसू के प्रदेश संयोजक चेतन प्रकाश उपस्थित रहे। संचालन देवाशीष चट्टोराज ने किया।इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों आदिवासी युवाओं ने युवा आजसू की सदस्यता ग्रहण की।श्री प्रभाकर ने युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि जब भी युवा मचलता है, तो इतिहास बदलता है। आजसू पार्टी ने झारखंड के नवनिर्माण का संघर्ष शुरू किया है, उसमें युवाओं की भागीदारी इसे जनआंदोलन का रूप दे रही है। झारखंड के नवनिर्माण के संघर्ष को तेज किया जाएगा।

युवा आजसू में हुए शामिल

मिलन समारोह में सुमित कुमार एवं बसंत तिर्की के नेतृत्व में बबलू मुंडा, निखिल मुंडा, सुरेश मुंडा, अनुराग, अभिषेक कुमार, बजरंग गंजू, सनी नायक, छोटू दामू, राज सिंह गंजू, सीजक लकड़ा, सचिन सिंह सहित दर्जनों युवाओं ने आजसू की विचारधारा में आस्था जताते हुए संगठन की सदस्यता ली।

प्रवीण प्रभाकर का हुआ अभिनंदन

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर का भी अभिनंदन किया। श्री प्रभाकर का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया।श्री प्रभाकर ने कहा कि झारखंड के युवा सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पुनर्निर्माण में निर्णायक भूमिका के लिए तैयार रहें।

संक्षिप्त ख़बरें

सावन के मौके पर भोले नाथ जी का हुआ भव्य श्रृंगार

रांचीः प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष नमक फैक्ट्री गली इंद्रपुरी स्थित राधे कृष्ण मंदिर में स्थापित भोले शंकर जी का भव्य श्रृंगार समाजसेवी सुभाष सिन्हा के अध्यक्षता में किया गया।इस महोत्सव मे छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए।मंदिर के पुजारी पंडित अविनाश पाठक ने विधि विधान से मंत्रोपचारण के साथ पुजा अर्चना एवं महाआरती कराई।पूजन के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने मे मुख्यरूप से मुहल्ले के पिंकी कुमारी,रीता कुमारी,रूपा कुमारी,नीरा सिन्हा,गायत्री देवी, अनिता देवी,चिंता देवी,रूबी कुमारी,रंजना श्रीवास्तव, रजनीश चौधरी,बबीता श्रीवास्तव,प्रिया लाल,रागिनी ओझा,पल्लवी चौधरी,मन्नत कुमारी,प्रिंस कुमार,वैष्णो कुमार,अंशु शर्मा,शिवांश राज, वैभव कुमार,भास्कर सिन्हा, दिलीप ओझा,विकाश कुमार सिन्हा,पवित्र कर्मकार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महासंघ के अनुरोध पर मुख्यमंत्री के वरीय आप्त सचिव ने कर्मचारियों के मांग पर आवश्यक कारवाई हेतु प्रेषित कर दी

रांचीः राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार में कार्यरत बीपीएम एल 5 एवं एल 6 के कर्मियों की लंबित एवं जायज मांगो को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन झारखंड सरकार से अनुरोध किया था, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन झारखंड सरकार के निदेशानुसार मुख्यमंत्री के वरीय आप्त सचिव, सुनील कुमार श्रीवास्तव, के हस्ताक्षर से आवश्यक कारवाई हेतु पत्र सचिव , ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार को प्रेषित कर दी गई।

झारखंड में मॉब लिंचिग घटना लगातार जिम्मेदार कौनः रंजन यादव

रांचीः झारखंड प्रदेश समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि झारखंड प्रदेश ने मुसलमानों के साथ में लगातार मॉब लिंचिग की घटना हो रही और विशेष तौर पर निशाना बनाया जा रहा है जो सरकार की लचर शासन व्यवस्था का यह परिचय हैं सवाल अहम है कि आए दिन पूरे प्रदेश मे कोई ना कोई जिला से मॉबलिंचिग घटना की ख़बरें सामने आती हैं और किसी तरह का आरोप लगाते हुए हत्या कर दी जा रही है राज्य सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह से विफल नजर आ रही हैं और इस तरह की घटना एक समुदाय को निशाने पर लेना भाजपा के साजिश के साथ साथ हेमंत सरकार की भी नाकामी है, समाजवादी पार्टी इस तरह की घटना को लेकर पहले भी माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप चुकी है और साथ ही मृतक परिवार के साथ पार्टी गहरी संवेदना रखती हैं और मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को विशेष तौर से जानकारी देते हुए पार्टी अपराधियों के विरोध कड़ी कार्रवाई करने की मांग करती हैं।

मदरसा हुसैनिया कडरू में लगा निःशुल्क हेल्थ कैंप

सेहत जिंदगी की सबसे कीमती नेमत है : मौलाना मोहम्मद

रांचीः कडरू मदरसा हुसैनिया में आज 30 जुलाई 2025 बुधवार को समय ग्यारह से तीन बजे तक निःशुल्क हेल्थ कैंप लगाया गया। चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर मो इमरान की डॉक्टर टीम ने अपनी सेवाएं दी। मदरसे में 700 आवासीय छात्र हैं। निःशुल्क शिविर में डॉक्टर प्रतीक सिन्हा विलकन हॉस्पिटल, डॉक्टर मो इमरान चाइल्ड सर्जन, डॉक्टर नीलोतपल, डॉक्टर एम सिबगतुल्लाह दंत चिकित्सक, डॉक्टर इरशाद आई चिकित्सक ने अपनी सेवाएं दी। डाक्टरों ने मदरसे में अध्ययनरत छात्राओं के स्वास्थ्य जांच कर निशुल्क दवा परामर्श प्रदान किया। डाक्टरों ने बताया कि दो हफ्ते से अधिक खांसी, सीने में दर्द, बुखार, रात में पसीना आना या वजन कम होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। टीम ने 120 छात्रों की आई स्क्रीनिंग भी की। डॉक्टर मो इमरान, डॉक्टर प्रतीक, डॉक्टर नीलोतपल, डॉक्टर इरशाद ने छात्रों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने आवासीय विद्यालय में त्वचा रोगों से बचाव के लिए साफ कपड़े पहनने और नियमित स्नान की सलाह दी। एम आर वालों ने निःशुल्क दवा उपलब्ध कराई। मिलन प्रमाणिक, राहुल चौरसिया, प्रहलाद, अभिनय कुमार, संजीव कुमार, तनुजा पांडे, शिव लोक कुमार ने बच्चों को निशुल्क दवा दिया। हजरत मोहतमीम मौलाना मोहम्मद ने कहा कि सेहत सबसे बड़ी दौलत है। सेहत जिंदगी की सबसे कीमती नेमत है। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना जरूरी। मौलाना मोहम्मद ने कहा कि अगर हम स्वस्थ रहेंगे तभी हम बेहतर तरीके से पढ़ा पाएंगे और बच्चे पढ़ पाएंगे। एक स्वस्थ व्यक्ति ही राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकता है।

स्कूली छात्रा के अपहरण की घटना पर झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन की गहरी चिंता

रांची : चुटिया थाना क्षेत्र के सिरमटोली फ्लाईओवर के पास से बिशप वेस्टकॉट स्कूल जा रही एक छात्रा के अपहरण की घटना ने पूरे रांची को हिला कर रख दिया है। यह घटना बुधवार की सुबह की है जब छात्रा स्कूल जा रही थी। अपराधियों ने एक काले रंग की हुंडई कार (नंबर जेएच01 एफयू 6874) से बच्ची का अपहरण किया था।रांची पुलिस की त्वरित कार्रवाई और ताबड़तोड़ छापेमारी से अपहरणकर्ता घबरा गए और बच्ची को रामगढ़ जिले के कुज्जु में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस टीम की तत्परता से छात्रा सुरक्षित वापस लौट सकी, जिसके लिए रांची पुलिस प्रशंसा की पात्र है।इस घटना पर झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अजय राय ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि एक स्कूली छात्रा का दिनदहाड़े अपहरण होना रांची जैसे शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। इस प्रकार की घटनाएं अभिभावकों में भय का माहौल पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि कोई अभिभावक कैसे भेजे स्कूल अपने बच्चों को आज यह सोचने पर मजबूर होना पड़ रहा है !

राष्ट्रीय एकता ने स्वतंत्रता आंदोलन में रंग भराः मुफ्ती अब्दुल्ला अज़हर कासमी

रांचीः राष्ट्रीय एकता ने स्वतंत्रता आंदोलन में रंग भरा। इस सभ्यता की रक्षा करना प्रत्येक भारतीय का दायित्व है। भारतीय उलेमा और मुसलमानों ने देश की आज़ादी के लिए एक लंबी लड़ाई लड़ी है। उपरोक्त बातें मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड के अध्यक्ष हज़रत मौलाना मुफ़्ती अब्दुल्ला अज़हर कासमी ने कहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में नई पीढ़ियों को यह जानकारी देना ज़रूरी है। 1757 में सिराजुद्दौला ने बंगाल की धरती पर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। दूसरे युद्ध में मीर जाफ़र के विश्वासघात के कारण वे शहीद हो गए। 1799 में टीपू सुल्तान शेर मैसूर ने अंग्रेजों के खिलाफ चार युद्ध लड़े। लेकिन मीर सादिक के विश्वासघात के कारण वे 1799 में शहीद हो गए। 1803 में जब अंग्रेजों ने यह फैसला किया कि खल्क खुदा का, देश राजा का है और निर्णय कंपनी का है। इस फैसले के खिलाफ हजरत मौलाना शाह अब्दुल अजीज मुहद्दिस देहलवी ने फतवा जारी किया कि मुसलमानों के लिए अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद अनिवार्य हो गया। 1803 में इस फतवे के बाद दिल्ली में हजारों उलेमा और मुसलमानों को शहीद कर दिया गया। कई हफ्तों तक दिल्ली की धरती उलेमा के खून से लथपथ रही। 1832 में सैयद अहमद शहीद के नेतृत्व में बालाकोट की धरती पर युद्ध लड़ा गया। यह युद्ध कई हफ्तों तक चला, सैयद अहमद शहीद, शाह इस्माइल शहीद और हजारों उलेमा बालाकोट की धरती पर शहीद हुए। 1857 में मुसलमानों ने श्यामली अंबाला के मैदान में अंग्रेजों के खिलाफ मुसलमानों ने जिहाद किया। जो इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा गया। इस युद्ध का नेतृत्व हजरत मौलाना हाजी इमदादुल्लाह मुहाजिर मक्की, हजरत मौलाना कासिम नानातवी, हजरत मुफ्ती रशीद अहमद गंगोही जैसे उलेमा ने किया। जिसके बाद बहादुर शाह जफर ने मुगल सुल्तान की कमान संभाली। और सभी हिंदू मुसलमानों ने बहादुर शाह जफर के नेतृत्व में एक साथ लड़ने का फैसला किया। लेकिन दुर्भाग्य से, बहादुर शाह जफर को गिरफ्तार कर लिया गया। और अंग्रेज भारत के राजा बन गए। 1919 में, जनरल डायर ने जलियांवाला बाग में हजारों हिंदू मुसलमानों को एक साथ शहीद कर दिया, जो स्वतंत्रता के इतिहास में एक दर्दनाक घटना है। 1920 में, शेख-उल-हिंद हजरत मौलाना महमूद-उल-हसन देवबंदी माल्टा जेल से वापस आए और सभी हिंदू मुसलमानों ने शेख-उल-हिंद का मुंबई की धरती पर स्वागत किया। शेख-उल-हिंद ने अफ्रीका से मोहनदास करमचंद गांधी को बुलाया और उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कमान सौंपी। और उन्हें महात्मा की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर, इमाम-उल-हिंद हजरत मौलाना अबुल कलाम आजाद रांची जेल से रिहा होने के बाद महात्मा गांधी के साथ शामिल हो गए। 1920 से 1947 तक हिंदुस्तान मिलकर गांधी की नेतृत्व में हिंदुस्तान की रक्षा और आजादी के लिए अपनी जान तक दे दिए।

लघु उद्योग भारती की नई यूनिट का गठन

रांचीःलघु उद्योग भारती, झारखण्ड के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने हजारीबाग में नई यूनिट का गठन किया। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के उद्योग जगत की समस्याओं को एक सशक्त और उपयुक्त मंच प्रदान करना है। यूनिट के गठन अवसर पर संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष विजय मेवाड़ और प्रांतीय महामंत्री बिनोद कुमार अग्रवाल ने उपस्थित उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि यह नई यूनिट हजारीबाग के लघु उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इकाई के गठन के मौके पर 9 एमएसएमई इकाई के उद्यमियों ने लघु उद्योग भारती की सदस्यता प्राप्त की।उक्त जानकारी देते हुए संगठन के प्रांतीय महामंत्री बिनोद कुमार अग्रवाल ने बताया कि हजारीबाग में लघु उद्योग भारती की यह 11वीं इकाई है। इससे हमारे संगठन को मजबूती मिलने के साथ ही क्षेत्र में एमएसएमई को भी अपनी बातों को रखने के लिए उपयुक्त मंच मिला है।इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रांतीय अध्यक्ष विजय मेवाड़ और प्रांतीय महामंत्री बिनोद कुमार अग्रवाल, सह सचिव प्रकाश हेतमसरिया, अजय दधीच, नीतू सिंह, उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश पांडेय, रामगढ से प्रवीण झा, विनीश कुमार, रुपेश अग्रवाल, राजेश जैन, अभय जैन, त्रिलोक मुनका, अभय झा, आयुष झा, सुनील अग्रवाल, सुधीर कुमार, अभिरुप सिन्हा, विकास सिंह, श्रवण बरनवाल, विजय मेहता समेत हजारीबाग जिले के कई गणमान्य उद्यमी उपस्थित थे।

रांची से अपहृत स्कूली छात्रा आयशा को रांची तथा रामगढ़ पुलिस टीम ने कुजू से सकुशल किया बरामद

रामगढ़(ईएमएस)।रांची के फल व्यायसायी आफताब आलम की 11 वर्षीय पुत्री आयशा को अपहरण के दो घंटे बाद ही रामगढ़ पुलिस टीम ने कुजू पुराना बाजार क्षेत्र से सकुशल बरामद किया है।छात्रा का अपहरण रांची के कर्बला चौक बलदेव सहाय लाईन स्थित आवास से ई रिक्शा से विशप स्कॉट स्कूल जाते समय आज सुबह करीब आठ बजे सिरमटोली फ्लाईओवर के पास कार सवार अपराधियों ने कर लिया था। अपहर्ताओं ने ई रिक्शा को पीछे से धक्का देने के बाद आयशा को अपनी आईं ट्वेंटी कार जेएच 01 एफ यू 6874 में बिठाकर रामगढ़ की ओर ले भागे। इसी बीच रांची पुलिस को सूचना मिलते ही आईजी रांची मनोज कौशिक, एसएसपी चंदन सिन्हा, रांची ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर, हटिया एसडीपीओ पीके मिश्रा रामगढ़ एसपी अजय कुमार को सूचित किया। एसपी अजय कुमार ने तत्काल पूरे जिला के थानों को अलर्ट करते हुए घेराबंदी करने को कहा। वहीं रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, मांडू इंस्पेक्टर रजत कुमार, मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, अभिनव कुमार, आशीष गौतम ने फोरलेन सड़क पर नाकेबंदी कर दिया। इसी दौरान तेजगति से उक्त कार को मांडू थाना के पास पुलिस टीम ने रोकने का इशारा किया। जिस पर अपहर्ता कार को वापस मोड़ते हुए तेजगति से कुजू की ओर भागने लगे मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने पिस्टल दिखते हुए अपराधियों को रुकने का इशारा किया। इस पर अपराधी कार को कुजू के श्रीराम चौक के पास से पुराना बाजार कुजू की ओर भगाने लगे। वहीं पुलिस टीम से खुद को घिरता देख अपराधी अपहृत स्कूली छात्रा आयशा को कार से धक्का देकर कुजू के बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा के पास गिराकर भाग निकले। बच्ची को पुलिस टीम ने सही सलामत बरामद कर लिया। पूरे मामले में रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि बुधवार कि सुबह करीब 8 बजे रांची के सिरम टोली फ्लाईओवर के ऊपर एक बच्ची अपने साथियों के साथ स्कूल जा रही थी उस वक्त काले कलर की एक कार है। उन्होंने बच्ची को टक्कर मारा फिर उसमें से दो बदमाश निकले और उन्होंने बच्ची के आंख में पट्टी बांधकर उसे गाड़ी में बैठा लिया और वे शहर से बाहर निकलने लगे इसकी सूचना तुरंत रांची वरीय पुलिस अधीक्षक को मिली और आईजी मनोज कौशिक सर की सूचना मुझे तुरंत मिली कि चेक नाका लगाइए और सकुशल उस गाड़ी को बरामद कीजिए, मैंने रामगढ़ और रांची जिले से कोऑर्डिनेशन करके तुरंत चेक नाका लगाया और फिर इसी क्रम में मांडू थाना प्रभारी द्वारा चेक नाका पर चेकिंग के दौरान यह गाड़ी तेजी से भागी, हमारे थाना प्रभारी सदानंद ने तुरंत उसका पीछा किया उनसे उस गाड़ी की भिड़ंत भी हुई उसने अपने हथियार का भय दिखा कर बदमाशों को रोकने का प्रयास किया लेकिन बदमाश दूसरी लेन में गाड़ी लेकर भागने लगे और फिर वो गाड़ी कुजू के रिहायशी इलाके में आकर घुस गई, हमारे थाना प्रभारी और रामगढ़ पुलिस ने उस गाड़ी का लगातार पीछा किया उनकी दबिश से उन लोगों ने बच्ची को उतार कर जंगल की तरफ भागने लगे, बच्ची को सकुशल थाना में लाया गया है। बच्ची स्वस्थ है उसके हालत ठीक है उसके परिजन भी रांची से आए हुए हैं रांची और रामगढ़ पुलिस के संयुक्त प्रयास से बच्ची को बरामद कर लिया गया है। अपराधियों को भी हम गाड़ी सहित जल्द बरामद कर लेंगे, बदमाशों की संख्या चार में है और सभी के मुंह ढके हुए थे। इस बच्ची को राज्य से बाहर बिहार में कहीं अन्यत्र ले जाने की कोशिश हो रही थी।

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,
न्यायालय-अनुज्ञापन पदाधिकारी-सह-वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमण्डल

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जप्त अवैध आरा मिल संयंत्र एवं प्रकाष्ठ के विरूद्ध राज्यसात की सुनवाई की अगली तिथि 05.08.2025 को निर्धारित की गई है। नीचे दिये गये प्रतिवादी के अलावे भी उन सभी व्यक्तियों जिनकी अभिरूची निम्नलिखित जप्त आरामिल संयंत्र एवं प्रकाष्ठ से है एवं जो इस पर अपना दावा करना चाहते हैं दिनांक 05.08.2025 के पूर्वाह्न 11.00 बजे निर्धारित तिथि को ससमय अनुज्ञापन पदाधिकारी –सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमण्डल के न्यायालय कक्ष में आप स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर कारण पृच्छा समर्पित करें। अन्यथा वाद में एक तरफा निर्णय ले लिया जाएगा।

क0 सं0	अधिहरण वाद सं0	वादी का नाम	प्रतिवादी का नाम	शिकायद वाद सं0	घटना की तिथि	जप्त आरा मिल संयंत्र	जप्त वन सम्पदा	सुनवाई की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	19/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. रंजीत यादव, पिता – सरजु यादव ग्राम+पो0– अरखांगो थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह 2. रामवचन मेहता, पिता–वासुदेव मेहता, ग्राम+पो0–फुलवरिया, थाना–नवल शाही, जिला–कोडरमा।	2615 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–0. 8774 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
2	20/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	शंकर यादव, पिता – हुरो महतो, ग्राम+पो0– अरखांगो थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह जिला–कोडरमा।	2616 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी– 0. 7173 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
3	21/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. अब्बास मियां, पिता–शफीर मियां, ग्राम–बभनी, पो0–तारानाखो, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह 2. खुर्शीद अली, पिता–मंजुर अली, ग्राम–ढाकोसारण, पो0–अरखांगों, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह।	2625 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी– 1. 0035 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
4	22/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. मंसुर मियां, पिता–जब्बार मियां, ग्राम–दयालपुर, पो0– अरखांगो थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह 2. अख्तर मियां, पिता–हिदायत अली, ग्राम–बसगी, पो0–तारानाखों, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह।	2626 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी– 0. 5035 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
5	23/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. आसिफ रजा उर्फ नेपाली, पिता–महा मियां 2. कादिर मियां, पिता–डब्बू मियां, दोनो ग्राम–कोड़वाडीह, पो0–अरखांगो, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह। 3. फिरोज मियां, पिता–इजरायल अंसारी, ग्राम–बसगी, पो0–तारानाखों, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह।	2627 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी– 0. 3615 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
6	24/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. जनार्धन सिंह उर्फ जनार्धन चौधरी 2. सुधीर राणा, पिता–जोधो राणा, दोनों ग्राम–जेरूआडीह, पो0–कुबरी, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह।	2628 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी– 0. 7152 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
7	25/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	उमा ंकर पाण्डेय, पिता–लालजीत पाण्डेय, ग्राम–गुण्डरी, पो0– अरखांगो थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह।	2629 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी– 0. 7769 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
8	26/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	अशोक राणा, पिता– शनिचर राणा ग्राम–गोरटोली थाना–हिरोडीह, जिला–गिरिडीह।	2630 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी– 1. 5079 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
9	27/2023	राज्य सरकार (डोरण्डा वनरोपण प्रक्षेत्र)	राजु राणा, पिता–स्व0 महावीर राणा ग्राम–गोरटोली थाना–हिरोडीह, जिला–गिरिडीह।	2631 / 2023	02.09. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पत्ती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी– 1. 7333 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
10	29/2023	राज्य सरकार (धनवार वनरोपण प्रक्षेत्र)	रोहन साव, पिता–स्व0 गोवर्धन साव ग्राम–बांधी, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह।	2018 / 2023	08.07. 2023	1. बैड शॉ – 1 पीस 2. आरा पत्ती–2 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–3.2158 घन मीटर 2. चिरान भुसी– 1 बोरा	05.08. 2025
11	30/2023	राज्य सरकार (धनवार वनरोपण प्रक्षेत्र)	सहदेव साव, पिता–स्व0 गोवर्धन साव ग्राम–बांधी, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह।	2019 / 2023	08.07. 2023	1.बैड शॉ – 1 पीस 2.डीजल इंजन–1पीस 3.लोहा का चक्री–1 पीस 4.आरा पत्ती–1पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–1.7070 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
12	31/2023	राज्य सरकार (धनवार वनरोपण प्रक्षेत्र)	भरत राम प्रजाप्रति, पिता–स्व0 बुधन पंडित ग्राम–बांधी, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह।	2020 / 2023	08.07. 2023	1. आरा पत्ती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–2.2406 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
13	32/2023	राज्य सरकार (धनवार वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. केदार साव, पिता–स्व0 गोवर्धन साव ग्राम–बांधी, थाना–धनवार, जिला–गिरिडीह। 2. हरिहर यादव, पिता–स्व0 भातु राउत ग्राम–चुंगलखार, थाना–हिरोडीह, जिला–गिरिडीह।	2021 / 2023	08.07. 2023	1. आरा पत्ती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–3.5215 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
14	05/2024	राज्य सरकार (जमुआ वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. अशोक साव, पिता–स्व0 देवचन्द साव, ग्राम–लताकी, थाना–जमुआ, जिला–गिरिडीह।	2614 / 2024	15.10. 2024	1.बैड शॉ – 1 पीस 2.डीजल इंजन–2पीस 3.आरा पती–2 पीस 4. ट्राली – 1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–0.88 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
15	06/2024	राज्य सरकार (जमुआ वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. खुबलाल राणा, पिता–स्व0 खीरो राणा ग्राम–पेशम, थाना–बिरनी, जिला–गिरिडीह।	2796 / 2024	28.10. 2024	1.बैड शॉ – 1 पीस 2.डीजल इंजन–1पीस 3.आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–6.6434 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
16	07/2024	राज्य सरकार (जमुआ वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. कुचु राणा, पिता–धन याम राणा ग्राम–सुईयाडीह, थाना–बिरनी, जिला–गिरिडीह।	2797 / 2024	28.10. 2024	1.बैड शॉ – 1 पीस 2.डीजल इंजन–1पीस 3.आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–1.854 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025
17	08/2024	राज्य सरकार (जमुआ वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. भागीरथ महतों पिता–बासुदेव महतों ग्राम–चरगो, थाना–बिरनी, जिला–गिरिडीह।	2798 / 2024	28.10. 2024	1.बैड शॉ – 1 पीस 2.डीजल इंजन–2पीस 3.आरा पती–1 पीस 4. ट्राली – 1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–2.5185 घन मीटर 2. चिरान भुसी 1 बोरा	05.08. 2025
18	09/2024	राज्य सरकार (जमुआ वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. बिरेन्द्र वर्मा, पिता–लेखु महतों ग्राम–पिण्डाटांड़ थाना–पचम्बा, जिला–गिरिडीह।	2736 / 2024	23.10. 2024	1.बैड शॉ – 1 पीस 2.डीजल इंजन–1पीस 3.आरा पती–1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–1.147 घन मीटर 2. चिरान भुसी –1 बोरा	05.08. 2025
19	10/2024	राज्य सरकार (धनवार वनरोपण प्रक्षेत्र)	1. प्रकाश राणा, पिता–सन्तु राणा ग्राम–हरिहरपुर थाना–बिरनी, जिला–गिरिडीह। 2. ममजान अंसारी, पिता–स्व0 नबी मियां, ग्राम–नईटांड़, थाना–बिरनी, जिला–गिरिडीह। 3. विनोद राणा, पिता–स्व0 विशनधर राणा,ग्राम+थाना–मरकच्चो, जिला–कोडरमा।	2793 / 2024	28.10. 2024	1.बैड शॉ –1 पीस 2.डीजलइंजन–2पीस 3.आरा पती–1 पीस 4. चकरी – 2 पीस 5. ट्राली – 1 पीस 6. लोहा का प्लेट – 1 पीस	1. विविध प्रजाति लकड़ी–1.9247 घन मीटर 2. चिरान भुसी – 1 बोरा	05.08. 2025

अंकित कुमार सिंह, भा0व0से0
अनुज्ञापन पदाधिकारी, –सह– वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमण्डल।

PR.NO.358534
Forest, Environment and Climate Changes(25-26):D

बिहार में लगातार बढ़ रहा पीके का राजनैतिक जनाधार

क्या जगन की तरह बिहार में सुनामी लाएंगे पीके, चाचा-भतीजा का सियासी तंबू उखड़ना तय

पटना (ईएमएस)। बिहार के राजनीतिक गलियारों में प्रशांत किशोर (पीके) की तुलना आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी से हो रही है, जिन्होंने अपने दम पर आंध्र की सियासत में बड़ा बदलाव ला दिया था। पीके की जन सुराज पार्टी तेजी से बिहार चुनाव में एक नया विकल्प बनकर उभर रही है। दोनों नेताओं की राजनीतिक शैली और रणनीतियों में कई समानताएं देखी जा रही हैं, खासकर उनकी लंबी पदयात्राओं और पारंपरिक दलों को चुनौती देने के तरीके में।जहां जगन मोहन रेड्डी ने 2011 में वाईएसआर कांग्रेस की स्थापना कर कांग्रेस और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रभुत्व को चुनौती दी थी। उनकी पार्टी ने सामाजिक कल्याण और क्षेत्रीय गौरव के मुद्दों को केंद्र में रखा। इसी तरह, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी बिहार में जदयू, भाजपा और राजद जैसे पारंपरिक दलों के खिलाफ एक नई ताकत के रूप में सामने आ रही है। पीके शिक्षा, रोजगार और नई व्यवस्था के मुद्दों को प्राथमिकता दे रहे हैं और इसमें बदलाव लाने का वादा कर रहे हैं। दोनों नेताओं ने लंबी पदयात्राएं की हैं। पीके ने बिहार में 650 दिनों से अधिक की पदयात्रा कर लोगों से सीधा संवाद कायम किया है। जगन ने आंध्र में युवाओं और गरीब तबकों को अपनी नीतियों का केंद्र बनाया था, जैसे नवरत्नालु योजना। पीके भी बिहार में युवाओं और शिक्षित वर्ग को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर 40 सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारने के वादे के साथ उन्होंने सामाजिक बदलाव और आर्थिक सुधार का वादा किया है।जगन ने कांग्रेस से अलग होकर अपनी नई पहचान बनाई, जबकि पीके ने नीतीश कुमार, नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ काम करने के बाद अपनी अलग राह चुनी। दोनों ने स्थापित नेताओं और दलों को चुनौती दी, जिससे उनकी छवि बागी और बदलाव के प्रतीक के रूप में उभरी। पीके को उन क्षेत्रों में भी समर्थन मिल रहा है जहां भाजपा का मजबूत आधार है। सी-वोटर सर्वे के अनुसार, जुलाई 2025 में पीके की लोकप्रियता 19 प्रतिशत तक पहुंची है, जो उन्हें तेजस्वी यादव के बाद दूसरे स्थान पर आती है। पीके न केवल एनडीए के वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए उत्सुक हैं, बल्कि महागठबंधन के बड़े वोट बैंक पर भी उनकी नजर है।हाल ही में पटना के गांधी मैदान में छात्रों के आंदोलन में पीके की भागीदारी और उसके बाद प्रशासन द्वारा उनके तंबू उखाड़ने की घटना ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। इस घटना के बाद पीके ने प्रतिशोध लेने का वादा किया और बिहार की जनता के बीच फिर से जाने का ऐलान कर दिया। उनकी सभाओं में उमड़ रही भीड़ इस बात का संकेत दे रही है कि इस बार बिहार में चाचा-भतीजा यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव दोनों की राजनीति आसान नहीं होने वाली है।लेकिन जगन और पीके में कई समानताएं होने के बावजूद, पीके के सामने कुछ अलग चुनौतियां हैं। जगन ने आंध्र में एक मजबूत क्षेत्रीय पहचान और अपने पिता की विरासत का लाभ उठाया था, जबकि पीके बिहार में पूरी तरह नई जमीन तैयार कर रहे हैं। जगन की सफलता 2019 में उनकी पार्टी की जीत से साबित हुई, लेकिन 2024 में टीडीपी के हाथों हार ने उनकी सीमाएं भी दिखाईं। पीके के लिए बिहार में एनडीए और महागठबंधन के बीच जगह बनाना चुनौतीपूर्ण होगा। प्रशांत किशोर और जगन मोहन रेड्डी की सियासी शैली में समानताएं हैं, लेकिन बिहार का सियासी परिदृश्य आंध्र से अधिक जटिल है। पीके की सभाओं में उमड़ रही भीड़ और मोमेंटम वोटों में तब्दील होगा या नहीं, यह उनकी रणनीति और टिकट वितरण पर निर्भर करेगा।

गिरती कानून व्यवस्था और बच्चियों के साथ हो रहे दुष्कर्म को लेकर एनएसयूआई ने मुख्यमंत्री के खिलाफ जताया रोष

मुज्जफरपुर : बिहार में कानून व्यवस्था और बच्चियों के साथ हो रहे यौन अपराधों को लेकर एनएसयूआई ने बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मुजफ्फरपुर के सरैयागंज टॉवर चौक पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष आदित्य कुमार कर्ण ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं और प्रदेश की कानून व्यवस्था आईसीयू में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि चंद अधिकारी ही पूरे बिहार को चला रहे हैं। हत्या, लूट और बलात्कार की घटनाएं रोजाना हो रही हैं। आदित्य कर्ण ने कहा कि हाल ही में औराई में एक दलित नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की गई थी। बावजूद इसके अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि ऐसी ही घटना दोबारा सामने आ गई। उन्होंने कहा कि पुलिस शराबबंदी के नाम पर दिनभर इधर-उधर दौड़ती रहती है लेकिन महिलाओं की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।प्रदर्शन के बाद आयोजित सभा में जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह घटना केवल एक बच्ची के साथ अन्याय नहीं, बल्कि पूरे समाज और मानवता पर हमला है। दलितों और महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ रहे अपराध इस बात का प्रमाण हैं कि बिहार में अब कानून का कोई भय नहीं रह गया है।उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तत्काल नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर बिहार की राजधानी मुजफ्फरपुर अब 'रेप कैपिटल' बनता जा रहा है, जो बेहद शर्मनाक है।

संक्षिप्त ख़बरें

पूर्णिया एयरपोर्ट का सपना अब हकीकत बनने को तैयार, सितंबर से शुरु हो सकती हवाई सेवा

पूर्णिया (ईएमएस)। बिहार का पूर्णिया एयरपोर्ट का सपना अब हकीकत बनने को तैयार है। निर्माण का काम तेजी से चल रहा है और टर्मिनल बिल्डिंग का 75 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। गुवासी से एयरपोर्ट तक जाने वाली फोरलेन सड़क भी तेजी से बनाई जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को हवाई सेवा का उद्घाटन करने पूर्णिया आने वाले हैं जो पूर्णिया और आसपास के इलाकों के लिए बड़ी खुशखबरी है।बता दें कि 2015 में उड़ान योजना के तहत पूर्णिया एयरपोर्ट घोषणा हुई थी, लेकिन जमीन और अन्य दिक्कतों से देरी हुई। एयरपोर्ट कंस्ट्रक्शन कंपनी के सीनियर मैनेजर ने बताया कि 15 अगस्त तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। अगर मौसम साथ देता है, तब पोर्टा केबिन, बाउंड्री वॉल और फोरलेन सड़क का निर्माण समय पर हो जाएगा।हालांकि, गुवासी से पूर्णिया शहर या मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़कों का काम अभी शुरू नहीं हुआ है जो 15 अगस्त की डेडलाइन के लिए चिंता का विषय है। वीआईपी लाउंज के लिए भी नई निविदा निकली गई है जो उद्घाटन की तैयारी दिखाती है। डीएम का दावा है कि अगस्त तक सारा काम पूरा होगा। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट से चार अलग-अलग मार्ग-हरदा, सतकोदरिया, चूनापुर डीएवी और एक नया चौथा रास्ता-बनाए जा रहे हैं। इसमें से कुछ के लिए प्रस्ताव भेजा गया है और जल्द काम शुरू होगा। यह सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है कि डेडलाइन पर कोई असर न पड़े।बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह ने भरोसा जताया कि अगस्त तक एयरपोर्ट का काम पूरा होगा। उनका कहना है कि पीएम के समय मिलने पर सितंबर से हवाई सेवा शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि पूर्णिया से उड़ान शुरू होने से इलाके का विकास तेजी से होगा। अररिया, किशनगंज जैसे जिलों के लोग भी इससे लाभान्वित होने और रोजगार के नए अवसर पैदा होने है। यह कदम सीमांचल के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है।

पटना में जर्जर भवन और जलजमाव के बीच चल रही है पढ़ाई, हादसे का इंतजार कर रहा शिक्षा विभाग!

पटना : पटना से महज 20 किलोमीटर दूर मनेर प्रखंड के शेरपुर पूर्वी पंचायत स्थित राजकीय मध्य विद्यालय शेरपुर (रामपुर-31) की स्थिति इतनी जर्जर है कि किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। स्कूल की छत और दीवारें बेहद खस्ताहाल हैं, बारिश में जलजमाव आम बात हो गई है और पढ़ाई किसी तरह जारी है। विद्यालय भवन की हालत देखकर किसी की भी रूह कांप सकती है। महज तीन कमरों वाले इस विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक की पढ़ाई होती है, जबकि छात्र संख्या 650 के करीब है। 12 शिक्षकों के भरोसे यह विद्यालय जैसे-तैसे चल रहा है, लेकिन साइंस के शिक्षक की अब तक नियुक्ति नहीं हो सकी है। इससे बच्चों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। बरसात के दिनों में स्कूल भवन के चारों ओर और यहां तक कि कमरों में भी पानी भर जाता है। बच्चों को गंदे पानी से होकर स्कूल आना पड़ता है और जलजमाव के बीच बैठकर पढ़ना पड़ता है। कमरों की संख्या कम होने के कारण न तो बच्चे सही ढंग से बैठ पाते हैं और न ही पढ़ाई की व्यवस्था ठीक से हो पाती है। स्कूल की छत और दीवारों की हालत इतनी खराब है कि कभी भी गिर सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर भवन की छत गिरी, तो एक बड़ा हादसा हो सकता है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि घटना होने पर 100 से 200 बच्चों की जान को खतरा हो सकता है। इसके बावजूद शिक्षा विभाग अब तक आंखें मूंदे हुए है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृष्ण गोपाल गुप्ता ने बताया कि भवन की जर्जर स्थिति, जलजमाव और अन्य समस्याओं को लेकर विभाग को कई बार पत्र भेजा गया है। यहां तक कि स्कूल को किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया गया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि विभागीय उदासीनता के कारण विद्यालय आज भी खतरे के बीच चल रहा है। न तो मरम्मत के लिए कोई बजट आया है और न ही नया भवन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई है।

शेखपुरा में सड़क पर रोपा गया धान, अनोखे तरीके से ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

शेखपुरा : शेखपुरा जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत सिरारी से महसार को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की बदहाली के विरोध में ग्रामीणों ने बुधवार को अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। सड़क की जर्जर स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने कीचड़ से भरे सिरारी-महसार सड़क मार्ग पर बीच सड़क पर ही धान की रोपनी कर दी। इस विरोध प्रदर्शन की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए वे विगत चार वर्षों से लगातार प्रशासनिक स्तर पर गुहार लगाते आ रहे हैं। कई बार वरीय अधिकारियों को आवेदन भी दिया गया, लेकिन अब तक इस सड़क की मरम्मत या पुनर्निर्माण का काम शुरू नहीं हो सका। परिणामस्वरूप, बरसात के दिनों में सड़क कीचड़ से लथपथ हो जाती है, जिससे राहगीरों, बाइक सवारों और छोटे वाहनों को काफी परेशानी होती है। यहां तक कि दुर्घटनाएं भी आम हो गई हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि गर्मियों में उड़ती धूल और बरसात में जल-जमाव व फिसलन की वजह से राहगीरों के साथ-साथ स्थानीय दुकानदारों और घरों में रहने वाले लोगों को भी भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बुधवार की सुबह बड़ी संख्या में लोग सिरारी चौक से महसार टाल क्षेत्र की ओर पहुंचे और मुख्य सड़क पर धान की रोपनी की। इस दौरान प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। वहीं, इस विरोध प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्थिति स्पष्ट की है। विज्ञप्ति में बताया गया कि "सिरारी-महसार पथ के निर्माण कार्य की शुरुआत जून माह में ही कर दी गई थी। अब तक 1855 मीटर कालीकरण (ब्लैक टॉपिंग) का कार्य पूरा किया जा चुका है। लगातार बारिश के कारण कार्य कुछ समय के लिए बाधित हुआ है। शेष लगभग 300 मीटर पीसीसी ढलाई और नाले का निर्माण कार्य बाकी है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए विश्वास दिलाया है कि शेष कार्य भी शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा।

जल निकासी व्यवस्था का पथ निर्माण मंत्री ने लिया जायजा, अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश

पटना : बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री एवं बांकीपुर विधायक नितिन नवीन ने बुधवार को राजधानी पटना के विभिन्न इलाकों का दौरा कर जल निकासी की स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जलभराव की समस्या को लेकर सतर्क रहने और व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि जल निकासी में किसी भी प्रकार की रुकावट आने पर तत्काल सफाई की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि बीते 48 घंटों में अत्यधिक वर्षा के कारण गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई है, जिससे शहर की जल निकासी प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। श्री नितिन नवीन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशनों (डीपीएस) पर लगे पंप सुचारु रूप से काम करें, इसके लिए यांत्रिक और विद्युत व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं। साथ ही, संप हाउसों में बिजली आपूर्ति की कोई समस्या न आए, इसके लिए भी पूरी तैयारी रखने को कहा गया है। मंत्री ने पंपों के समय पर संचालन, जल निकासी की क्षमता की समीक्षा, नालों की सफाई, अतिक्रमण हटाने और क्षतिग्रस्त नालों की मरम्मत कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि नालों में ओवरफ्लो की स्थिति न बने, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। निरीक्षण के क्रम में पथ निर्माण मंत्री ने सिपारा, तीन पुलिया, जयप्रकाश नगर, मिठापुर, न्यू जक्कनपुर सहित कई इलाकों का दौरा किया और मौके पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत

जमुई : जमुई जिले के खैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंगारपुर गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में निर्माण कार्य में लगे मजदूर की मौत हो गई। वह मकान की ढलाई का सेंटरिंग खोल रहा था, तभी छत के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद अन्य मजदूर और मिस्त्री डर के कारण भाग खड़े हुए। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए और पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंची खैरा थाना पुलिस ने शव को बिजली प्रवाह बंद कराने के बाद कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान अड़सार गांव निवासी के रूप में की गई है।

बांस की झाड़ियों से महिला का शव बरामद भूमि विवाद में हत्या की आशंका

किशनगंज : टेढ़ागाछ थाना क्षेत्र के झाला पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-4 की रहने वाली 45 वर्षीय सायरा बेगम का शव बुधवार सुबह बांस की झाड़ियों में मिला। खेतों में धान रोपने जा रहे किसानों ने झाड़ियों में शव देखकर ग्रामीणों को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों के मुताबिक सायरा बेगम मंगलवार की शाम करीब छह बजे दवा लेने के लिए पास के चौक गई थीं, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटीं। चिंतित परिजनों ने उन्हें कॉल किया, परंतु मोबाइल स्विच ऑफ मिला। काफी खोजबीन के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल पाया। बुधवार सुबह उनकी लाश मिलने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। सायरा बेगम के पति रोजगार के सिलसिले में बाहर रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और रिश्तेदार घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सायरा बेगम का परिवार एक भूमि विवाद में उलझा हुआ था। ऐसे में इस हत्या को भूमि विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। घटनास्थल से एक धारदार चाकू और एक कीपैड मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिससे मामला और भी संदिग्ध हो गया है।सूचना मिलते ही टेढ़ागाछ थानाध्यक्ष मो. इजहार आलम और सहायक थानाध्यक्ष रितेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग पुलिस से जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश ने जहानाबाद के बाराबर क्षेत्र में विकास कार्यों का लिया जायजा

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को जहानाबाद जिले के मखदुमपुर प्रखंड अंतर्गत ऐतिहासिक बाराबर (वाणावर) क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने वाणावर पर्वत स्थित बाबा सिद्धेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर श्रावणी मेले में आए श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। उन्होंने मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलाभिषेक के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि होनी चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाराबर (वाणावर) गुफाएं भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा हैं। इनका संरक्षण और विकास अत्यंत आवश्यक है, ताकि यह स्थल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से संरक्षित रह सके और पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ज्ञातव्य है कि बाराबर गुफाएं भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे प्राचीन चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाओं में शामिल हैं। इनका निर्माण मौर्य सम्राट अशोक (273–232 ई.पू.) और उनके उत्तराधिकारी दशरथ के काल में तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में हुआ था। ये गुफाएं मुख्यतः आजीवक संप्रदाय के साधुओं के लिए निर्मित की गई थीं। बाराबर पर्वत में चार प्रमुख गुफाएं हैं। इनमें पहली सुदामा गुफा, दूसरी लोमस ऋषि गुफा, तीसरी कार्णचौपर गुफा और विश्वज्योति गुफा है। इनमें से सुदामा और लोमस ऋषि गुफाएं अपनी स्थापत्य कला और उत्कृष्ट पॉलिशिंग तकनीक के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। लोमस ऋषि गुफा का प्रवेशद्वार स्तूप और चैत्य शैली में निर्मित है, जिसे बाद में बौद्ध वास्तुकला की प्रेरणा माना गया। इन गुफाओं का आंतरिक भाग अत्यंत चिकना और परिष्कृत है, जो मौर्यकालीन पत्थर पर पॉलिश करने की उच्च तकनीक को दर्शाता है। इन गुफाओं में ध्वनि गूंजने की विशेष व्यवस्था थी,जिससे यह साधना के लिए उपयुक्त स्थान बन जाती थीं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 में अपनी 'प्रगति यात्रा' के दौरान बाराबर गुफाओं और आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास की घोषणा की थी। इसके अंतर्गत 50 करोड़ रुपये की विकास योजना को स्वीकृति दी गई है। इस योजना में गुफाओं तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों का निर्माण, पर्यटक सुविधाओं का विकास, और लघु संग्रहालय का नवीनीकरण शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाराबर गुफाएं मौर्यकालीन स्थापत्य कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण हैं और यह स्थल इतिहास, धर्म, कला और वास्तुकला में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक क्षत्रनील सिंह, जहानाबाद की जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय, पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं के मानदेय में ऐतिहासिक बढ़ोतरी एक लाख से अधिक को मिलेगा लाभ : मंगल पांडेय

पटना : बिहार सरकार ने राज्य के स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ मानी जाने वाली आशा और ममता कार्यकर्ताओं के मानदेय में तीन गुना तक की ऐतिहासिक बढ़ोतरका फैसला लिया है। यह निर्णय एक जुलाई 2025 से लागू होगा और इससे राज्यभर की एक लाख से अधिक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बुधवार को विकास भवन स्थित स्वास्थ्य विभाग के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा लिया गया यह फैसला महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इस निर्णय से जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत होंगी। प्रेस वार्ता में श्री पांडेय ने बताया कि वर्ष 2019 में जहां आशा कार्यकर्ताओं को 1000 रुपये प्रतिमाह की प्रोत्साहन राशि दी जाती थी, अब उसे तीन गुना बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। इसी तरह ममता कार्यकर्ताओं को प्रत्येक प्रसव के लिए मिलने वाली राशि को 300 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने इसे "ऐतिहासिक निर्णय" करार देते हुए कहा कि यह महिला कार्यकर्ताओं के मनोबल को ऊंचा करेगा और स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर को ऊर्ध्वगामी बनाएगा।इस फैसले से 91,094 आशा कार्यकर्ता, 4,364 आशा फैसिलिटेटर और लगभग 4,600 ममता कार्यकर्ता लाभान्वित होंगी। इसके अलावा आशा कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन के लिए 13,180 रुपये, मोबाइल रिचार्ज के लिए 200 रुपये प्रतिमाह और दो साड़ियों के लिए 2,500 रुपये सालाना की अतिरिक्त राशि भी दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आशा और ममता कार्यकर्ताओं ने राज्य के दूर-दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। इनकी मेहनत के कारण ही आज राज्य के स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 में बिहार में मातृ मृत्यु दर 365 थी, जो अब घटकर 91 हो गई है। इसी तरह शिशु मृत्यु दर अब 27 है, जो राष्ट्रीय औसत के बराबर है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर 29 हो गई है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। नवजात शिशु मृत्यु दर (0 से 28 दिन) अब 19 है, जो देश के औसत के लगभग बराबर है। एचएमआईएस के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में टीकाकरण का आच्छादन अब 95 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।उन्होंने यह भी बताया कि आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भवती महिलाओं को एएनसी जांच के लिए स्वास्थ्य केंद्रों तक लाना, समय पर टीकाकरण कराना, पोषण संबंधी सलाह देना और ओआरएस जैसे जीवन रक्षक साधनों का वितरण जैसे कार्य पूरे समर्पण के साथ किए जा रहे हैं।मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा 29 हजार नई आशा कार्यकर्ताओं की बहाली की प्रक्रिया जारी है, जिसे शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही बीटीएस और बीपीएससी के माध्यम से भी स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की जा रही हैं।उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य लक्ष्य है कि राज्य की प्रत्येक नागरिक तक समय पर और सुलभ स्वास्थ्य सेवा पहुंचे। आशा और ममता कार्यकर्ताओं को मिली यह नई सौगात न केवल उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम है, बल्कि यह राज्य के समग्र स्वास्थ्य विकास को भी मजबूती देगी।

मुजफ्फरपुर में गंडक नहर का तटबंध टूटा, सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न

मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज प्रखंड स्थित तिरहुत-वैशाली गंडक कैनाल का पूर्वी तटबंध बुधवार को लगभग 48.5 आरडी के पास करीब 50 मीटर की लंबाई में टूट गया। इसके चलते नहर का पानी तेजी से फैलते हुए बी-पट्टी पंचायत और मनोरथ पंचायत के कई वार्डों में घुस गया। इस हादसे में कोई जानमाल की क्षति नहीं हुई है, लेकिन 100 एकड़ से अधिक खेतों में धान की फसल जलमग्न हो गई है। वहीं बी-पट्टी वार्ड-12 के दर्जनों घरों में भी पानी प्रवेश कर गया है। ग्रामीण सड़कें भी जलमग्न हैं। घटना की सूचना मिलते ही जल संसाधन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया। विभाग के सहायक अभियंता देवरिया मनीष कुमार ने बताया कि नहर में बारिश कम होने के कारण 550 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था, लेकिन किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा तटबंध काटे जाने से यह हादसा हुआ।उन्होंने कहा कि फिलहाल नहर में पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई है और साहेबगंज थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पानी का बहाव रुकते ही देर शाम से तटबंध के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त ख़बरें

जिले में धंसे कुआं से लगभग 26 घंटे बाद निकाले गए 3 शव-गांव में पसरा मातम

कोरबा (ईएमएस) कोरबा जिले के बनवार गांव में कुआं धंसने से मलबे में दबे तीनों लोगों के शव लगभग 26 घंटे बाद निकाले गए हैं। पहले पिता फिर मां-बेटे की लाश मिली। तीनों के शव लगभग 25 फीट गहराई में थी। इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजन के आंसू नहीं रुक रहे हैं।जानकारी के अनुसार 29 जुलाई की सुबह हादसा घटित हुआ। पति-पत्नी और उनका बेटा मोटर पंप निकालने की कोशिश कर रहे थे तभी अचानक कुआं धंस गया। मलबे में तीनों दब गए।घटना के बाद अर्ध रात्रि लगभग ढाई बजे तक एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लेकिन बारिश होने और मिट्टी धंसने के कारण इसे बीच में ही रोकना पड़ा था। सुबह से फिर अभियान चलाया गया। कुएं के पैरलल में खुदाई कर लाशें निकाली गईं। घटना मंगलवार सुबह 6 बजे के आसपास की है। घर पर मौजूद भाई-बहन ने पुलिस को बताया कि जब वे सुबह उठे तो उन्होंने कुआं धंसा हुआ पाया। बड़े भाई, मां और पिता लापता थे। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। उच्च अधिकारियों को सूचना देकर आपदा प्रबंधन टीम को बुलाया गया। 2 महीने पहले ही कुआं खुदवाया गया था।

अंचल से सटे करूमौहा जंगल में दिखे बाघ पैर के निशान

कोरबा (ईएमएस) कोरबा शहर से सटे करूमौहा जंगल में बाघ के पैर के निशान देखने की बात कही जा रही है।जानकारी के अनुसार 29 जुलाई को एक किसान घर लौट रहा था। तभी उसने किसी जानवर के पद चिन्ह देखे। जिसके बाद वन विभाग को जानकारी दी। विभाग ने चिन्हों का फुट प्रिंट तैयार कर जांच के लिए लैब भेजा है। जंगल में मिले पैर के निशान लगभग 15 सेंटीमीटर के थे। बाघ की आमद की खबर लगते ही आसपास के गांवों में डर का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों को सुरक्षा की चिंता सता रही है। ऐहतियात के तौर पर वन विभाग ने जंगल में गश्त बढ़ा दी है।बताया जा रहा है की जंगल में मिले पैर के निशान लगभग 15 सेंटीमीटर के थे, जो सामान्य वन्य प्राणी के पैर से बड़े हैं। इस कारण इन्हें बाघ के पग चिन्ह माना जा रहा है। टीम ने जंगल के अंदर निरीक्षण करते हुए चाकामार-कल्दामार के जंगल में अंतिम हिस्से में पग चिन्ह पाए हैं।ग्रामीणों ने जंगल में जाकर देखा तो उन्हें बाघ के आने की आशंका हुई। उन्होंने तुरंत वन विभाग के अधिकारियों को इस बाबत सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के आला अधिकारियों के निर्देश पर वन परिक्षेत्र अधिकारी मृत्युंजय शर्मा ने डिप्टी रेंजर अजय कुमार सिदार के नेतृत्व में एक टीम रवाना की।वन परिक्षेत्र अधिकारी मृत्युंजय शर्मा ने बताया कि संभावना है कि वन्य प्राणी कल्दामार के जंगल में डेरा डाल सकता है। आसपास के गांवों में मुनादी कराई गई है ताकि ग्रामीण सतर्क रहें। वन विभाग की संयुक्त टीम ने जंगल में मिले पग चिन्हों का फुट प्रिंट तैयार किया है। इसे जांच के लिए लैब भेजकर पदचिन्हों की पहचान सुनिश्चित की जाएगी।

दीपका-पाली मार्ग पर हुए हादसे में महिला की घटना स्थल पर हुई मृत्यु

कोरबा (ईएमएस) कोरबा-पश्चिम के दीपका-पाली मुख्य मार्ग पर ग्राम बांधाखार स्थित एसबीआई किओस्क बैंक के पास एक सड़क हादसे में 43 वर्षीय महिला की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई।जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान सिलयारी निवासी कला बाई पति स्वर्गीय अमोल सिंह के रूप में की गयी हैं। बताया जा रहा हैं की कला बाई बैंक से पैसे निकालने के बाद पास की दुकान से बाहर निकल रही थीं, तभी एक ट्रैलर के पास से गुजरते समय उनका पैर फिसल गया और वो ट्रैलर की चपेट में आ गई। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस व एंबुलेंस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।जानकारी देते हुए बताया जा रहा है कि ट्रैलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

पकड़ में आया सिंथेटिक दूध का कारोबार दो सगे भाइयों के खिलाफ प्राथमिकी

फिरोजाबाद (ईएमएस) डीएम के निर्देश पर एफडीए विभाग की टीम ने सिंथेटिक दूध के कारोबार को पकड़ा है। यह दूध केमिकल्स से तैयार किया जा रहा था। सगे भाई इस काम को कर रहे थे।मुखबिर की सूचना पर थाना पचोखरा पुलिस बल के सहयोग से साथ संयुक्त रूप से नगला खंगरा, टूण्डला तहसील में अजय सिंह, विजय सिंह पुत्र राजवीर सिंह के घर पर छापा मारा। मौके पर अजय सिंह, विजय सिंह अपने घर में रिफाइंड, डिटर्जेन्ट, वैक्स एवं कुछ अज्ञात कैमीकलों से नकली दूध बनाते पाये गये, टीम के पहुँचने अजय पडोस की छत से भागने में सफल हो गया तथा विजय सिंह मौके पर पकडा गया। टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मौके पर मौजूद तैयार दूध, दूध बनाने में प्रयुक्त अज्ञात कैमिकलों के कुल 07 सैम्पल संग्रहित किये। कार्यवाही के दौरान मौके पर भीड का लाभ उठाकर विजय सिंह भी मौके से फरार होने में सफल हो गया। टीम द्वारा सेम्पल कार्यवाही के बाद मौके पर 100 लीटर नकली दूध एवं अज्ञात कैमीकलों पर जब्ती एवं विनष्टीकरण की कार्यवाही सम्पादित की गयी। नकली दूध बना रहे अभियुक्तगण अजय एवं विजय के विरुद्ध सम्बन्धित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु तहरीर दे दी गयी है।

बुलंदशहर हिंसा-भाजपा नेता समेत 38 दोषी करार, इंस्पेक्टर की गोली मारकर की थी हत्या

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश स्थित जिला बुलंदशहर के बहुचर्चित स्याना हिंसा मामले में एक अगस्त को अदालत सजा का ऐलान करेगी। अदालत ने अभी इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा है। बुधवार को अदालत ने कुल 38 आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने इंस्पेक्टर सुबोध सिंह की हत्या समेत दंगा में शामिल भाजपा नेता कुल 38 आरोपियों को दोषी ठहराया है और सभी दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। एडीजे-12 न्यायमूर्ति गोपाल जी की कोर्ट ने इस मामले में प्रशांत, डेविड, जोनी, राहुल और लोकेन्द्र को इंस्पेक्टर सुबोध सिंह की हत्या का दोषी माना है, वहीं 33 आरोपियों को बलवा, हत्या की कोशिश (धारा 307) और अन्य गंभीर धाराओं में दोषी ठहराया गया है।

कानून से बड़ा कोई नहीं, जब इंदिरा गांधी और बालासाहेब ठाकरे पर कार्रवाई हो सकती है, तो मोदी पर क्यों नहीं : पृथ्वीराज चव्हाण

महाराष्ट्र कांग्रेस की नई कार्यकारिणी में 66 प्रतिशत नए चेहरे, 44 प्रतिशत ओबीसी, और 19 प्रतिशत एससी-एसटी प्रतिनिधित्व- हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई, (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया, लेकिन इस शिकायत पर कार्रवाई करने से चुनाव आयोग ने टालमटोल की है। आयोग ने आचार संहिता के उल्लंघन को स्वीकार करते हुए केवल रेलवे प्रशासन को चेतावनी दी, परंतु मोदी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे पर सख्त कार्रवाई की गई थी। जब कानून से कोई ऊपर नहीं है तो फिर नरेंद्र मोदी पर कार्रवाई क्यों नहीं? यह सवाल उठाते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने बताया कि वे इस मामले में हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। मुंबई के तिलक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में अधिक जानकारी देते हुए चव्हाण ने बताया कि 28 दिसंबर 2020 को सोलापुर जिले के सांगोला विधानसभा क्षेत्र से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, तत्कालीन रेल मंत्री और कृषि मंत्री ने सांगोला से पश्चिम बंगाल के शालिमार तक चलने वाली किसान रेल की 100वीं ट्रेन का उद्घाटन किया था। उस समय महाराष्ट्र में ग्राम पंचायत चुनाव और बंगाल में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय टीवी चैनलों पर प्रसारित हुआ था। कार्यक्रम के लिए चुनाव आयोग या जिला प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। इस बारे में प्रफुल्ल कदम नामक कार्यकर्ता ने आयोग में शिकायत की थी, लेकिन लंबे समय तक टालमटोल के बाद केवल रेलवे प्रशासन को चेतावनी दी गई। इस केस कि आचार संहिता उल्लंघन स्पष्ट रूप से हुआ था, फिर भी मोदी पर कार्रवाई नहीं की गई, ऐसा चव्हाण ने कहा। शिकायतकर्ता प्रफुल्ल कदम ने सभी नियमों और कानूनों के अनुसार आचार संहिता उल्लंघन की जानकारी दी थी। चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करना का यह प्रयास था और आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन था, इसलिए नरेंद्र मोदी की लोकसभा सदस्यता रद्द की जाए, ऐसी मांग की गई है।

महाराष्ट्र कांग्रेस की नई कार्यकारिणी घोषित

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी में 33 प्रतिशत अनुभवी नेता और 66 प्रतिशत नए चेहरे शामिल किए गए हैं। कार्यकारिणी में 41 प्रतिशत ओबीसी, 19 प्रतिशत एससी-एसटी और 33 महिलाएं शामिल हैं। इसमें सामाजिक और भौगोलिक संतुलन साधने का प्रयास किया गया है, ऐसा प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा।

विधानसभा में मंत्री ताश खेलते हैं और बाहर डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की तरह लड़ते हैं

विवादित मंत्रियों को लेकर पूछे गए सवाल पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि विधानसभा में मंत्री ताश खेलते हैं और बाहर डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की तरह लड़ते हैं। गृह राज्य मंत्री का परिवार डांस बार चलाता है, लेकिन सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है। इन मंत्रियों के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस लगातार सदन और सड़कों पर आंदोलन कर रही है। लेकिन सरकार की संवेदनहीनता गैंडे की चमड़ी से भी अधिक है। धनंजय मुंडे का इस्तीफा भी नैतिकता के आधार पर नहीं बल्कि विपक्ष और समाज के दबाव के कारण देना पड़ा। बाकी कलंकित मंत्रियों के भी इस्तीफे लिए जाएं, यह कांग्रेस की मांग है।

सांसद प्रणिती शिंदे ने 'ऑपरेशन सिंदूर' या सैनिकों का अपमान नहीं किया

सांसद प्रणिती शिंदे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेशाध्यक्ष सपकाल ने कहा कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' या सैनिकों का अपमान नहीं किया है। उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। कांग्रेस को सैनिकों के पराक्रम पर गर्व है, लेकिन भाजपा इसे भुनाने के लिए मोदी के फौजी पोशाक में होर्डिंग्स लगवाती है। भाजपा नेता ने एक महिला अधिकारी पर बेहद निम्न स्तर की टिप्पणी की थी, इसी संदर्भ में प्रणिती शिंदे का बयान था।

ट्रंप झूठ बोल रहे हैं या मोदी- यह स्पष्ट होना चाहिए

'ऑपरेशन सिंदूर' के मुद्दे पर पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि राहुल गांधी के सवालों का प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक स्पष्ट उत्तर नहीं दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने 30 बार कहा कि युद्धविराम उन्होंने करवाया- तो फिर मोदी चुप क्यों हैं? ट्रंप झूठ बोल रहे हैं या मोदी- यह स्पष्ट होना चाहिए। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने शिमला समझौता रद्द किया है क्या, और संसद में रखा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दिए गए बयान पर सरकार को सफाई देनी चाहिए, ऐसा चव्हाण ने कहा।

आतंकी कसाब को फांसी की सजा कानून और न्यायिक प्रक्रिया के तहत दी गई

आतंकी कसाब को लेकर उज्ज्वल निकम द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चव्हाण ने कहा कि कसाब को फांसी की सजा कानून और न्यायिक प्रक्रिया के तहत दी गई थी, और यह कांग्रेस सरकार के दौरान हुई थी। इसलिए निकम का बयान निरर्थक है। भाजपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा है, इसलिए वे ऐसे बयान दे रहे हैं, ऐसा चव्हाण ने आरोप लगाया।इस पत्रकार परिषद में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, पूर्व सांसद कुमार केतकर, वरिष्ठ प्रवक्ता अतुल लोंढे और अनंत गाडगील उपस्थित थे।

सीईटीए तीसरी सबसे बड़ी विश्व शक्ति बनने की दिशा में भारत के प्रयासों को विशेष बढ़ावा देगा: उद्योग मंत्री

भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते पर केंद्रित खुला मंच कार्यक्रम आयोजित

अहमदाबाद (ईएमएस)। उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत की अध्यक्षता में अहमदाबाद में भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर केंद्रित एक खुला मंच कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) द्वारा राज्य के उद्योग एवं खान विभाग तथा विदेश व्यापार महानिदेशालय के साथ संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से भारत और ब्रिटेन के बीच नए व्यापार और निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने विश्व में चौथी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में स्थान प्राप्त किया है। भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता आने वाले वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक शक्ति बनने के हमारे प्रयासों को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा। यह समझौता देश के निर्माताओं, निर्यातकों और स्टार्टअप्स के लिए यूके जैसे विकसित बाजारों तक पहुँच को सुगम बनाएगा, जो गुजरात के लिए भी एक सुनहरा अवसर होगा। मंत्री महोदय ने आगे कहा कि यह समझौता भारत को एक नई आर्थिक ऊँचाई पर ले जाएगा और वोकल फॉर लोकल टू ग्लोबल के उद्देश्य को प्राप्त करेगा। मंत्री राजपूत ने उपस्थित उद्योगपतियों को फूड पार्क के लिए हुए एमओयू से उद्योगों को होने वाले लाभ तथा मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा लॉजिस्टिक लागत कम करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी।जीसीसीआई के अध्यक्ष संदीप इंजीनियर ने कहा कि सीईटीए भारत और ब्रिटेन के बीच संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो आर्थिक एकीकरण को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इंजीनियर ने विशेष रूप से ब्रिटेन को भारत के 99 प्रतिशत निर्यात के लिए अभूतपूर्व शुल्क-मुक्त पहुंच पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से कपड़ा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा, जूते, खेल के सामान, खिलौने और रत्न एवं आभूषण जैसे विभिन्न उद्योगों के लिए कई नए निर्यात अवसर पैदा होंगे।राज्य के उद्योग विभाग की प्रमुख सचिव ममता वर्मा ने कहा कि सीईटीए हमारे राष्ट्र के लिए बहुत गर्व का क्षण है और साथ ही एक ऐतिहासिक और रणनीतिक समझौता है, जो विकसित भारत@2047 के विजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि भारत से ब्रिटेन को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर शून्य शुल्क से उत्पादों के निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय के संयुक्त निदेशक राहुल सिंह ने कहा कि सीईटीए 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क समाप्त करके भारतीय उत्पादों के निर्यात को काफी बढ़ावा देगा, जो व्यापार मूल्य का लगभग 100 प्रतिशत कवर करता है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों में ब्रिटेन के साथ भारत के व्यापार में निर्यात में समग्र सकारात्मक रुझान देखा गया है।उद्योग आयुक्त पी. स्वरूप ने भारत के लिए शुल्क मुक्त पहुंच वाले उत्पादों का विवरण देते हुए कहा कि गुजरात खनिज ईंधन और तेल, कागज उत्पाद, विद्युत मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, आभूषण, सिरेमिक, परमाणु रिएक्टर, राज्य बॉयलर और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादों के अग्रणी निर्यातकों में से एक है। आयुक्त ने आरएमजी, घरेलू वस्त्र, कालीन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों का भी विवरण दिया, जिनमें वर्तमान समझौते के कारण रिकॉर्ड वृद्धि की संभावना है।इस खुले मंच कार्यक्रम में जीसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश गांधी, उपाध्यक्ष अपूर्व शाह, जीसीसीआई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समिति के अध्यक्ष अनिल जैन, इंडेक्स्टसी के प्रबंध निदेशक के.सी. संपत सहित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में उद्योगपति उपस्थित थे।

रिटायर्ड होमगार्ड के बेटे की गर्दन काटकर हत्या

मेरठ (ईएमएस)। जसवंतपुरा कालोनी में कुर्सी अंदर रखने को लेकर हुए विवाद के बाद युवक ने रिटायर्ड होमगार्ड रामनिवास के बेटे ऋतिक की धारदार हथियार से हत्या कर दी। गुस्साए मृतक के परिजनों ने आरोपी के घर हमला करने का प्रयास किया।प्राप्त विवरण के मुताबिक रिटायर्ड होमगार्ड रामनिवास का परतापुर के मोहिद्दीनपुर रेलवे स्टेशन के सामने मकान है। मकान में शिव शक्ति नाम से टेंट की दुकान है, जहां रामनिवास का बड़ा बेटा हरीश बैठता है। सोमवार को गांव निवासी रोहित बाल्मीकि भतीजी के जन्मदिन के लिए रामनिवास की दुकान से टेंट का सामान लेकर गया था। बीती शाम रोहित सामान वापस देने पहुंचा। रोहित टेंट की कुर्सी व अन्य सामान दुकान के बाहर ही रख कर जाने लगा, तो हरीश कुर्सी अंदर रखने की बात कही। इसे लेकर दोनों में विवाद के बाद मारपीट हो गई। शोरशराबे की आवाज सुनकर ऋतिक घर से बाहर निकाला और बीचबचाव किया। इसके बाद रोहित अपने घर चला गया।आरोप है कि इसके बाद रोहित अपने घर गया और साथियों को लेकर दुकान पर पहुंचा। धारदार हथियार से ऋतिक की गर्दन पर वार कर दिया। हमले में ऋतिक गंभीर रूप से घायल हो होकर जमीन पर गिर पड़ा। ऋतिक को जमीन पर गिरा देखकर आरोपी फरार हो गए। परिजनों ने ऋतिक को गंभीर हालत में सुभारती अस्पताल मे भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। ऋतिक की मौत से गुस्साए सैकड़ों लोगों ने रोहित के घर पर हमला कर दिया। घटना की जानकारी पर एसपी अंतरिक्ष जैन, टीपीनगर, ब्रह्मपुरी और परतापुर पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। पुलिस का कहना था कि आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। मामले की जांच की जा रही है।

इंदौर के कांग्रेस पार्षद अनवर कश्मीर से गिरफ्तार, बेटी दिल्ली में हुई थीं गिरफ्तार

लव जिहाद फंडिंग का मामला

इंदौर,(ईएमएस)। लव जिहाद के लिए फंडिंग करने के आरोपी इंदौर के कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी को कश्मीर से गिरफ्तार कर लिया गया है। इस गिरफ्तारी से दो दिन पहले ही सोमवार को पार्षद अनवर की बेटी आयशा को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है।जानकारी के अनुसार कांग्रेस पार्षद की बेटी आयशा जो कि एक वकील है और इस समय जज की पढ़ाई कर रही है, दिल्ली में अपने पिता की अग्रिम जमानत की तैयारी कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लगाने उसने पिता द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेज भी तैयार कराए थे। इसी बीच पुलिस ने सूचना मिलने पर तत्परता दिखाई और उसे गिरफ्तार कर लिया था।सूत्रों की मानें तो पुलिस को शक था कि आरोपी पार्षद अनवर अपनी बेटी के पास दिल्ली में ही है। इसलिए पुलिस टीम वहां पहुंची और सोमवार को आयशा को गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी के खिलाफ अनेक महिलाएं क्राइम ब्रांच ऑफिस के सामने धरना-प्रदर्शन करने पहुंची थीं। इन महिलाओं का कहना था कि मामला पिता पर है, लेकिन उनकी बेटियों को जबरन फंसाया जा रहा है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी इसलिए दबाव बनाने परिवार को निशाना बना रही है। फिलहाल आयशा बाणगंगा पुलिस के पास 3 अगस्त तक की रिमांड पर हैं। वहीं दूसरी तरफ पार्षद अनवर को कश्मीर से गिरफ्तार करने की खबर है, लेकिन पुलिस ने किस तरह से इसे अंजाम दिया इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी के परिवारजनों का कहना है कि आयशा पेशे से वकील है और वह इस समय सिविल जज की पढ़ाई भी कर रही है, ऐसे में उसकी गिरफ्तारी कानूनी रूप से गलत है। वह वकील होने के नाते दिल्ली में जमानत अर्जी की तैयारी कर रही थी, तभी पुलिन ने उसे गिरफ्तार किया। आयशा की छोटी बहन भी दिल्ली में रहकर वकालत की तैयारी कर रही है। आयशा की गिरफ्तार की खबर छोटी बहन ने ही परिवार को दी थी।

विभागीय जांच एवं अन्य जांचों को छोड़कर किसी भी स्थिति में कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण लंबित न रहे : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

नर्मदापुरम (ईएमएस)। सभी जिला पेंशन अधिकारी विभिन्न विभागों के सेवानिवृत्त हुए अधिकारी एवं कर्मचारियों के विभागीय जांच, न्यायालयीन केस एवं लोकायुक्त जांच तथा तकनीकी त्रुटि के कारण रुके हुए प्रकरणों को छोड़कर सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण प्राथमिकता से बनाना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की स्कूल शिक्षा विभाग अपने सभी शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को एनरोलमेंट नंबर (नामांकन) प्राथमिकता से अलाट करें। सभी पात्र विद्यार्थियों को शत प्रतिशत निशुल्क पाठ्य पुस्तक एवं साइकिल का वितरण किया जाए। उक्त निर्देश नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने संयुक्त संचालक लोक शिक्षण श्री मनीष वर्मा को दिए। उल्लेखनीय है कि कमिश्नर श्री तिवारी बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग, जनजाति कार्य विभाग, आदिवासी वित्त विकास निगम, उच्च शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग तथा जिला पेंशन विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक ले रहे थे। कमिश्नर ने सभी जिला पेंशन अधिकारियों को निर्देश दिए की कर्मचारियों की पेंशन बकाया सवत्वों, डॉक्यूमेंट ना मिलने से लंबित है तो ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारियों का प्रकरण उनके संबंधित विभाग को प्रेषित कर वहां से सभी डाक्यूमेंट्स मंगा कर उनका पेंशन प्रकरण बनाकर सभी सेवानिवृत अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्राथमिकता से पेंशन दिलाना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने स्पष्ट कहां कि पेंशन प्रकरणों में सभी शासकीय नियमों का पालन किया जाए। साथ ही कमिश्नर ने सभी जिला पेंशन अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि वह अपने लिपिक को ताकित करें कि वह अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकरण में आपत्ति ना लगाए अपितु यदि आपत्ति लगाना है तो एक बार में ही लगाकर संबंधित विभाग को भिजवाए। बार-बार आपत्ति किसी भी प्रकरण में ना लगाई जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि विभागीय जांच के प्रकरण भी लंबे समय तक लंबित न रहें। अपितु समय सीमा में अधिकारी एवं कर्मचारियों की विभागीय जांच पूर्ण कर ली जाए। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी विद्यार्थियों के नामांकन नंबर (एनरोलमेंट)अलाट किए जाएं साथ ही कोई भी विद्यार्थी एनरोलमेंट नंबर अर्थात नामांकन से ना छूटे। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग की समेकित छात्रवृत्ति के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की सभी छात्र-छात्राओं के बैंक अकाउंट अपडेट रहे। यदि किसी छात्र-छात्रा के बैंक अकाउंट में त्रुटियां हैं तो उसे प्राथमिकता से सुधारा जाए। कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित न रहे। सभी पात्र विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति उनके बैंक अकाउंट में ही जाएं ताकि वे छात्रवृत्ति का उपयोग अपने शैक्षणिक गतिविधियों में कर सकें। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नर्मदा पुरम जिले के 1360 शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों ने 30 हजार 444 पौधे लगाए हैं।

बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति का पूर्व आकलन कर राहत कार्यों को रखें तैयार : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

राहत प्रकरणों में सर्वे कर शीघ्र राहत राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए

कलेक्टर ने वीसी के माध्यम से बाढ़ आपदा प्रबंधन की समीक्षा की

नर्मदापुरम (ईएमएस)। जिले में हो रही लगातार बारिश और नर्मदा नदी के जलस्तर में वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने बुधवार को जिले में संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्रों में नर्मदा तटीय ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में संभावित बाढ़/जलभराव की स्थिति का तत्काल आंकलन करें। कलेक्टर ने समस्त सीईओ/सीएमओ को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ शासकीय अमले के साथ प्रभावित क्षेत्रों का सतत निरीक्षण करें। साथ ही, राहत शिविरों पर भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि राहत केंद्रों पर महिला कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई जाए और अस्थाई राहत शिविरों में स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। इसके अतिरिक्त, राहत शिविरों पर अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को भी रोका जाए। बैठक में कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिए कि जेसीबी, पोकलेन जैसी मशीनों एवं अन्य संसाधनों की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि जल निकासी में कोई बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही कलेक्टर ने सभी विकासखंड स्तरों पर आपदा राहत एवं बचाव दल को तैयार रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम, सीएमओ एवं जनपद पंचायत सीईओ को अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित पुल-पुलियाओं और अन्य संभावित जलभराव स्थलों का विस्तृत सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिन्हित स्थलों पर रस्सियों, बैरिकेटिंग एवं चेतावनी संकेतक/सूचना बोर्डों की स्थापना की जाए। साथ ही, इन स्थानों पर कोटवार या अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर ग्रामवासियों को मुनादी के माध्यम से पूर्व में ही सतर्क किया जाए, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना या जनहानि से बचाव किया जा सके। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आपदा के कारण मानव/पशुहानि अथवा अन्य क्षति की स्थिति में त्वरित सर्वे किया जाए तथा शासन के निर्देशानुसार संबंधितों को राहत राशि का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री सौजन सिंह रावत, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित समस्त एसडीएम, सीईओ, सीएमओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा अन्य अधिकारी सभाकक्ष में उपस्थित रहे।

शाहवर मछली के खिलाफ दुष्कर्म पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज

भोपाल(ईएमएस)। एमडी ड्रग्स तस्करी के मामले में गिरफ्तार शाहवर मछली और यासीन मछली के खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाही के बाद अब कई पीड़ित भी हिम्मत जुटाकर सामने आ रहे है। उनकी शिकायतों पर पुलिस आरोपियो के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज कर रही हैं। अब आरोपी शाहवर के खिलाफ महिला थाने में नाबालिग के साथ दुष्कर्म की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। वहीं, यासीन के खिलाफ पीड़िता को धमकाने का मामला दर्ज हुआ है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने दुष्कर्म के बाद उसका वीडियो बनाया और विरोध करने पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देते थे। जाकनकारी के अनुसार 25 वर्षीय युवती ने महिला थाने में शिकायत करते हुए बताया का साल 2018 में वह 17 साल की थी, उस समय भोपाल के एक हुक्का लाउंज में उसकी मुलाकात शाहवर से हुई थी। शाहवर ने उसकी दोस्त की मदद की थी। इसके बाद साल 2018 में आरोपी उसे पंजाबी बाग में एक कमरे पर लेकर गया। यहाँ शाहवर ने उसके अश्लील वीडियो बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। और घटना की शिकायत करने पर यासीन मछली ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। उस समयआरोपियो की धमकी के डर से उसने शिकायत नहीं की थी। लेकिन बीते दिनो दोनो आरोपियो के खिलाफ की गई पुलिस कार्यवाही को देख उसने हिम्मत जुटाई और एफआईआर दर्ज करवाई। शाहवर और यासीन यानी चाचा-भतीजे के खिलाफ बीती देर रात महिला थाने में दुष्कर्म, धमकाने और पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया।

शारिक अंडरग्राउंड, वीडियो जारी कर की निष्पक्ष जॉच की मॉग

यासीन और शाहवर की गिरफ्तार के बाद पुलिस ने शारिक मछली पर भी शिकंजा कस दिया है। बताया जा रहा है कि शारिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया है। इसमें वह हाथ जोड़कर पुलिस और प्रशासन से स्वयं पर लगे योन शोषण के आरोपों की जांच निष्पक्ष तरीके से कराने की मांग करता नजर आ रहा है। उसका कहना है कि मेरे परिवार ने 40 सालों तक बीजेपी की सेवा की। लेकिन पार्टी के ही कुछ लोग मेरे खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं। मुझे फंसाया जा रहा है, मैं और मेरा परिवार निर्दोष है।

क्लब 90 मामले में उछला था शारिक का नाम

उल्लेखनीय है कि 21 जुलाई को क्राइम ब्रांच ने शारिक के भतीजे यासीन को ड्रग और पिस्टल सहित रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। यासीन के बाद हथाईखेड़ा स्थित मकान से उसके चाचा शाहवर मछली को पकड़ा गया था। आगे की जॉच में टीआईटी कॉलेज की छात्राओं के साथ रेप और ब्लैकमेलिंग सहित धर्मांतरण का दबाव डालने के हाई प्रोफाइल मामले में भी शारिक मछली का नाम सामने आया था। उस समय आरोप लगे थे कि हथाईखेड़ा के जिस क्लब 90 में छात्राओं से रेप किया जाता था, वह शारिक मछली का है, और मोहित बघेल यहाँ मैनेजर का काम कर रहा है। नाम सामने आने और भतीजे यासीन की गिरफ्तारी के बाद शारिक भूमिगत हो चुका है।

यासीन को भेजा गया जेल, अन्य थानो की पुलिस लेगी रिमांड पर

पुलिस ने ड्रग तस्कर यासीन मछली की रिमांड अवधिक खत्म होने पर बुधवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।कोर्ट पेश करने से पहले टीम ने उसका मेडिकल परीक्षण कराया। गौरतलब है की यासीन को 22 जुलाई को पहली बार कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उसे 26 जुलाई तक रिमांड पर लिया गया।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा में किसी सवाल का जवाब नहीं?

जवाब की जगह इतिहास के पीछे छिपी सरकार

लोकसभा में "ऑपरेशन सिंदूर" पर चल रही बहस मंगलवार को समाप्त हो गई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में जवाब दिया। विपक्षी द्वारा जो सवाल उठाए गए थे. उसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार का पक्ष रखा। विपक्ष ने जहां एक-एक मुद्दे पर सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा किया। वहीं सरकार ने 1948 से लेकर मनमोहन सिंह के कार्यकाल के पीछे छुपकर विपक्षी सांसदों ने जिन सवालों के जवाब सरकार से मांगे थे। वह उन्हें सदन में नहीं मिले. ऑपरेशन सिंदूर की 16 घंटे की बहस में विपक्ष ने सत्ता पक्ष की जवाबदेही को लेकर कई गंभीर प्रश्न किये थे। 'विशेष चर्चा' के नाम से संसद में पहली बार चर्चा की गई। 'स्पेशल डिस्कशन' जैसी कोई प्रक्रिया का उल्लेख नियमों एवं परंपरा में नहीं है। विपक्ष ने शुरुआत में आपत्ति जताई थी, बहस किसी नियम या परंपरा के स्थान पर सरकार ने नए ढंग से सदन में चर्चा कराई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बयान जिसमें उन्होंने कहा यदि विपक्षी सांसद शांत नहीं रहे, तो कल सत्ता पक्ष के सांसद भी राहुल गांधी को बोलने नहीं देंगे। ऐसी धमकी बहुत कम सुनने को मिलती है। विपक्ष, विदेश मंत्री के भाषण पर आपत्ति कर रहा था। अमित शाह का यह बयान संसद की गरिमा और स्पीकर की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के भाषण की बात करें, तो उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम हमले, भारत-पाक युद्धविराम और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया. उनका 40 से 50 मिनट का भाषण ज्वलंत सवालों के जवाब के बजाय, जवाब ने और उलझा दिया। उन्होंने कहा 22 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। बाद में भी सरकार की ओर से जिन वक्ताओं ने जवाब दिए उसमें से चीन और ट्रंप पुरी तरह से गायब रहे। विदेश मंत्री ने अगर बातचीत नहीं हुई तो डोनाल्ड ट्रंप ने कैसे पहले ट्वीट कर युद्धविराम की जानकारी दी? इसका भी जवाब नहीं दिया। विपक्षी सांसदों ने ट्रंप द्वारा विभिन्न मंचों से करीब 26 बार युद्ध विराम ट्रेड के आधार पर कराने का दावा किया. इसके बाद भी सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया. विपक्ष द्वारा आपत्ति किए जाने पर अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, विपक्ष को अपने विदेश मंत्री पर भरोसा करना चाहिए.वह शपथ लेकर आए हैं। राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में ट्रंप का नाम तक नहीं लिया। नाहि विपक्ष ने किसी सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया। प्रियंका गांधी ने बड़े आक्रामक ढंग से सदन में अपनी बात रखी, पिन पॉइंट सवाल पूछे, उन्होंने अपने पिता की शहादत और मां की वेदना का भी जिक्र किया। सरकार की ओर से जवाब नहीं मिलने से विपक्ष को हमलावर होने का अवसर मिला, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में जिस आक्रामक तरीके से अपनी बात रखी। देश में राहुल गांधी की नई छवि सामने आई है। सीमित समय पर उन्होंने तथ्यों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर सीधे वार किये। सदन में राहुल गांधी अपना पक्ष रख रहे थे. उस समय बड़े ध्यान से सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद सुन रहे थे। संसद में राहुल गांधी ने जिस तरह हाव भाव के साथ हिंदी अंग्रेजी में अपना पक्ष रखा। उसके बाद अब कोई उन्हें पप्पू नहीं कहेगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में लगभग 2 घंटे का अपना सबसे लंबा भाषण दिया. उन्होंने भी विपक्ष के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया. उलटे 1948 से लेकर 2014 तक के इतिहास को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर हमलावर रहे. ऑपरेशन सिंदूर में हो रही विशेष बहस के दौरान सत्ता पक्ष के बीच में वह जोश खरोश देखने को नहीं मिला. जो प्रधानमंत्री की उपस्थिति में देखने को मिलता था। प्रधानमंत्री के भाषण में भी वह आकर्षण नहीं था, जो पहले होता था। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे बड़ी खासियत यह रही, विपक्ष को अपनी बात कहने और रिकॉर्ड पर लाने का मौका मिला। गृहमंत्री और विदेश मंत्री का इस्तीफा भी विपक्ष ने मांग लिया। यह बहस बिना किसी नियम कानून के हो रही थी. विपक्ष के प्रस्ताव पर सबसे पहले सदन के अंदर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले/ समापन भाषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हुआ। जिसके कारण विपक्ष को जवाब नहीं मिलने के बाद भी वह सदन में खड़े होकर अपनी बात नहीं रख पाए। अब यह देखना दिलचस्प होगा, राज्यसभा में होने वाली चर्चा में क्या सरकार की ओर से कोई जवाब सामने आता है। इतना तय है "ऑपरेशन सिंदूर" सुरक्षा से जुडा अभियान नहीं रहा, एक कूटनीतिक और राजनीतिक मंथन का विषय बन गया है। विपक्षी सदस्यों का विशेष रूप से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से सरकार को ऑपरेशन सिंदूर की बहस में घेरा है। उसमें विपक्ष का जो आत्मविश्वास झलक रहा था। बहुत लंबे समय के बाद सदन में इस तरह की बहस देखने और सुनने को मिली है। इसके साथ सरकार आपरेशन सिंदूर का जो फायदा बिहार चुनाव में लेने जा रही थी। विपक्ष ने उसमें पलीता लगा दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार की चुप्पीः आखिर क्यों?

दिलीप कुमार पाठक

एक दौर था जब भाजपा के पास प्रचंड बहुमत होता था, तब मोदी सरकार संसद को अपने तरीके से चलाती थी, लेकिन जब से मोदी सरकार समर्थन के दम पर संसद में टिकी हुई है, तब से न सवाल करते बन रहे न जवाब देते। जरूरी मुद्दों पर अधिकांश सरकार का रवैय्या निराशाजनक रहा है। देश के अहम मुद्दों पर जब भी संसद में चर्चा हुई है अधिकांश पीएम मोदी सदन से नदारद रहे हैं। सबसे ज़्यादा गजब तब हो गया जब पहलगाम हमले एवं ऑपरेशन सिंदूर के बाद संसद का मानसून सत्र शुरू होते ही प्रधानमंत्री विदेश यात्रा पर निकल गए, जब जरूरी मुद्दों पर चर्चा हो रही हो तब प्रधानमंत्री गायब क्यों हो जाते हैं? ये सवाल है। विपक्ष अगर आरोप लगा रहा है तो ऐसे मुद्दों पर पीएम मोदी को अपना पक्ष रखना चाहिए एवं बहस में अपनी भागीदारी रखनी चाहिए। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस हुई।। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे सफल बताया। वहीँ कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी के कश्मीर न जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने पाकिस्तान के साथ युद्धविराम पर भी प्रश्न पूछे।।। गौरव गोगोई जब बोल रहे थे तब पूरी सरकार से जवाब देते नहीं बन रहा थे।। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गोलमोल जवाब देते रहे।।। कोई भी जवाब संतुष्टि लायक नहीं था। इसके साथ ही कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पाकिस्तान के साथ सीजफायर करने को लेकर भी प्रश्न पूछा। कि राजनाथ सिंह जी ने बहुत सारी जानकारी दी, लेकिन रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने कभी यह उल्लेख नहीं किया कि पाकिस्तान से आतंकवादी पहलगाम पहुंचे और 26 लोगों को मार डाला।।। राष्ट्र के हित में ये सवाल पूछना हमारा कर्तव्य है, लेकिन राष्ट्रहित में सरकार जवाब देने से क्यों भाग रही है? ये सही है जब पहलगाम में हमला हुआ तब ऐसी दहशत लोगों ने झेली कि लोग हमारे देश के सैनिकों पर भी विश्वास नहीं कर पा रहे थे। जबकि एक घण्टे तक वहाँ कोई एंबुलेंस नहीं पहुंची।।।इतनी बड़ी कुव्यवस्था जरूर बड़ा प्रश्न चिन्ह है। गौरव गोगोई ने बहुत ही वाजिब सवाल पूछे हैं, लेकिन सरकार जवाब नहीं दे पाई। गौरव गोगोई ने आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी के पहलगाम नहीं जाने पर सवाल उठाए। गोगोई ने कहा कि देश के मुखिया पहलगाम नहीं गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आतंकी हमले के बाद पहलगाम नहीं जाकर चुनावी भाषण देने के लिए बिहार पहुंच गए। पीएम ने बिहार में जाकर चुनावी भाषण दिया। गौरव गोगोई का कहना सही है पीएम मोदी का गैर जिम्मेदाराना रवैय्या हमेशा ही देश को भारी पड़ा है।। ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर हमेशा पीएम ने निराश किया है। ये सत्य है जब पूरा देश और विपक्ष, प्रधानमंत्री मोदी एवं देश की सेना के साथ था। पूरा विपक्ष सरकार का समर्थन कर रहा था, 10 मई को सुबह कहा गया कि पाकिस्तान को सबक सिखाया जाएगा, अचानक, 10 मई शाम को देश को पता चला कि युद्धविराम हो गया है।। सरकार को जवाब देना चाहिए लेकिन पीएम मोदी तो सदन आते ही नहीं फिर सवाल कौन देगा? मंत्री तो खुद भी नपा तुला जवाब दे रहे थे। सरकार का नैतिक उत्तरदायित्व क्या होता है, सरकार को दिखाना चाहिए। इस बार तो सरकार ये भी आरोप नहीं लगा सकती कि विपक्ष ने सरकार का साथ नहीं दिया।। पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहता था और अभी भी जानना चाहता है कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आप क्यों रुके? पाकिस्तान को सबक क्यों नहीं सिखाया गया। भारत कभी भी किसी देश की सीमा में नहीं जाता हमारी नीति शांति की रही है, लेकिन जब किसी ने भारत को क्षति पहुंचाने की कोशिश की है ।

मुंशी प्रेमचंदः जिनकी कहानियों में सांस लेता है भारत

योगेश कुमार गोयल

मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती पर विशेष

आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह और उपन्यास सम्राट महान् कथाकार मुंशी प्रेमचंद ने अपने लेखन के माध्यम से न सिर्फ दासता के विरुद्ध आवाज उठाई बल्कि लेखकों के उत्पीड़न के विरुद्ध भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने उपन्यासों और कहानियों के अलावा नाटक, समीक्षा, लेख, संस्मरण इत्यादि कई विधाओं में साहित्य सृजन किया। प्रेमचंद ऐसे कहानीकार और साहित्यकार थे, जिन्हें आज भी सबसे ज्यादा पढ़ा जाता रहा है। उन्हें 'आम आदमी का साहित्यकार' भी कहा जाता है। चूंकि उनकी लगभग सभी कहानियां आम जीवन और उसके सरोकारों से ही जुड़ी होती थी, इसीलिए उनके सबसे ज्यादा पाठक आम लोग रहे हैं। दरअसल उन्होंने अपने सम्पूर्ण साहित्य लेखन में एक आम गरीब आदमी की पीड़ा को न केवल समझा बल्कि अपनी कहानियों और उपन्यासों के जरिये उसका निदान बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने अपनी लगभग सभी रचनाओं में आम आदमी की भावनाओं, उनकी परिस्थितियों, समस्याओं तथा संवेदनाओं का मार्मिक शब्दांकन किया। आज भी हिन्दी भाषी दिग्गज लेखकों और साहित्यकारों का यही मानना है कि मुंशी प्रेमचंद जैसा कलमकार हिन्दी साहित्य में न आज तक कोई हुआ है और न होगा। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने समाज को सदैव रूढ़िवादी परम्पराओं और कुरीतियों से निकालने का प्रयास किया। उन्हें 'हिन्दी साहित्य का माइलस्टोन' भी कहा जाता है।

कम ही लोग यह जानते हैं कि जो मुंशी प्रेमचंद हिन्दी लेखन के लिए इतने विख्यात रहे हैं, उन्होंने अपने लेखन की शुरुआत उर्दू से की थी। अपना पहला साहित्यिक कार्य उन्होंने गोरखपुर से उर्दू में शुरू किया था और 1909 में कानपुर के 'जमाना प्रेस' से उर्दू में ही उनका पहला कहानी-संग्रह 'सोज ए वतन' प्रकाशित हुआ था, जिसकी सभी प्रतियां ब्रिटिश सरकार द्वारा जब्त कर ली गई थी। उस समय में वे उर्दू में 'नबावराय' के नाम से लिखते थे। उनका लिखा कहानी संग्रह जब्त करने के बाद 'जमाना' के सम्पादक मुंशी दयानारायण ने उन्हें परामर्श दिया कि भविष्य में अंग्रेज सरकार की नाराजगी से बचने के लिए नवाब राय के बजाय वे नए उपनाम 'प्रेमचंद' के नाम से लिखना शुरू करें। इस प्रकार वे नवाब राय से प्रेमचंद बन गए। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लमही गांव के डाक मुंशी अजायबलाल के घर 31 जुलाई 1880 को जन्मे धनपत राय श्रीवास्तव उर्फ मुंशी प्रेमचंद की आज हम 145वीं जयंती मना रहे हैं। प्रेमचंद वकील बनना चाहते थे लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उनका वह सपना पूरा नहीं हो सका। मुंशी प्रेमचंद विधवा विवाह के पक्षधर थे और इसी कारण उन्होंने पहली पत्नी के निधन के बाद समाज के विरुद्ध जाकर वर्ष 1905 में 25 साल की आयु में शिवरानी नामक एक बाल विधवा से विवाह किया, जिसके बाद उनकी आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों में बदलाव आया। वैसे तो उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में लेखन कार्य शुरू कर दिया था लेकिन उनके लेखन में परिपक्वता शिवरानी से विवाह के बाद ही आई थी, जिससे उनके लेखन की मांग बढ़ने लगी। उनकी दूसरी पत्नी शिवरानी ने ही बाद में उनकी जीवनी लिखी थी। अपने जीवन के आखिरी दिनों में प्रेमचंद जलोदर नामक बीमारी से ग्रसित हो गए थे और 8 अक्तूबर 1936 को दुनिया से अलविदा हो गए।

मुंशी प्रेमचंद एक दिन बालेमियां मैदान में महात्मा गांधी का भाषण सुनने गए और उनके विचारों से इस कदर प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार की सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और उसके बाद पूरी तरह से स्वतंत्र लेखन में जुट गए। अपने जीवनकाल में मुंशी प्रेमचंद ने कुल 15 उपन्यास, 300 से अधिक कहानियां, 3 नाटक, 10 अनुवाद, 7 बाल पुस्तकें और हजारों की संख्या में लेखों व संस्मरणों की रचना की। उनके चर्चित उपन्यासों में बाजार-ए-हुस्न (उर्दू में), गोदान, कर्मभूमि, गबन, सेवा सदन, कायाकल्प, मनोरमा, निर्मला, प्रतिज्ञा प्रेमाश्रम, रंगभूमि, वरदान, प्रेमा इत्यादि और कहानियों में पूस की रात, नमक का दरोगा, बूढ़ी काकी, कफन, मंत्र, नशा, शतरंज के खिलाड़ी, आत्माराम, बड़े भाईसाहब, बड़े घर की बेटी, उधार की घड़ी, जुर्माना इत्यादि बहुत प्रसिद्ध रही। अपना अंतिम कालजयी उपन्यास 'गोदान' उन्होंने वर्ष 1936 में लिखा, जो बेहद चर्चित रहा और आज भी आधुनिक क्लासिक माना जाता है। प्रेमचंद की कुछ कहानियों पर उनके निधन के बाद फिल्में भी बनी। 1980 में उनके उपन्यास 'निर्मला' पर एक टीवी धारावाहिक भी बना, जो काफी लोकप्रिय हुआ था। 1938 में उनके एक उपन्यास 'सेवासदन' पर फिल्म बनी। 1963 में 'गोदान' और 1966 में 'गबन' उपन्यास पर फिल्में बनी। 1977 में उनकी कहानी 'कफन' पर फिल्मकार मृणाल सेन द्वारा 'ओका ऊरी कथा' नामक तेलुगू फिल्म बनाई गई, जिसे सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। उनकी दो कहानियों 1977 में उनकी एक कहानी 'शतरंज के खिलाड़ी' और 1981 में 'सद्गति' पर बॉलीवुड फिल्मकार सत्यजित राय ने फिल्में बनाई।

'डिजिटल इंडिया' से 'डिजिटल असमानता' तक क्या सबको मिल रहा है बराबरी का लाभ?

डॉ. शैलेश शुक्ला

जब 1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया का उद्घोष किया था, तब देश ने उम्मीद की थी कि तकनीक के इस अभियान से गाँव-गाँव, जन-जन तक समान अवसर पहुंचेगा। यह एक ऐसा सपना था जिसमें एक किसान, एक छात्रा, एक मजदूर, एक शिक्षक और एक बुजुर्ग—all would be equally empowered through a digital ecosystem. लेकिन आज, एक दशक के करीब खड़े होकर यदि हम पीछे मुड़कर देखें, तो तस्वीर उतनी उजली नहीं दिखती जितनी प्रचारित की गई। डिजिटल इंडिया की रोशनी भले ही महानगरों में दमक रही हो, लेकिन उसी रोशनी की छाया में भारत का एक बड़ा हिस्सा डिजिटल अंधकार में डूबा हुआ है। सवाल यह नहीं है कि भारत डिजिटल हो रहा है या नहीं; सवाल यह है कि यह परिवर्तन सबको समान रूप से सशक्त बना रहा है या कुछ को और अधिक शक्तिशाली तथा अन्य को और भी वंचित?

डिजिटल इंडिया का मूल उद्देश्य था – नागरिक सेवाओं की डिजिटल पहुंच, डिजिटली साक्षर समाज का निर्माण, इंटरनेट के माध्यम से शासन की पारदर्शिता और रोजगार के नए अवसरों का सृजन। इसमें भारतनेट परियोजना, डिजिटल लॉकर, उमंग ऐप, डिजीलॉकर, डिजिटल भुगतान, आधार आधारित सेवाएँ और ग्रामीण क्षेत्रों में CSC (कॉमन सर्विस सेंटर) जैसे उपायों को बल मिला। भारत आज विश्व के सबसे बड़े डेटा उपभोक्ताओं में है। UPI ट्रांजैक्शन की संख्या प्रतिदिन करोड़ों में है। सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता भी बढ़ी है। लेकिन इन आँकड़ों के पीछे जो असली कहानी छुपी है, वह है डिजिटल डिवाइड यानी डिजिटल असमानता की।

नेशनल सैंपल सर्वे (NSSO) के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण भारत में मात्र 15% परिवारों के पास ही इंटरनेट की सुविधा है। इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 42% तक जाती है। लेकिन इंटरनेट सुविधा केवल मौजूद होना ही पर्याप्त नहीं; सवाल यह भी है कि क्या उपयोगकर्ता के पास आवश्यक डिवाइस, डिजिटल साक्षरता और आर्थिक सामर्थ्य है कि वह उस सुविधा का सही उपयोग कर सके? 2021 में ऑक्सफैम इंडिया की एक रिपोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि केवल 8% ग्रामीण भारतीय ही डिजिटल सेवाओं का सुचारु उपयोग कर पाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान जब शिक्षण पूरी तरह से ऑनलाइन हो गया, तब डिजिटल इंडिया के स्वप्न का कड़वा यथार्थ सामने आया। देश के लाखों छात्र ऐसे थे जो स्मार्टफोन, लैपटॉप या इंटरनेट की अनुपलब्धता के कारण शिक्षा से वंचित रह गए। एक तरफ दिल्ली, मुंबई, चेन्नई जैसे शहरों में छात्र हाई-स्पीड इंटरनेट के साथ वर्चुअल क्लासेज़ से जुड़े रहे, वहीं दूसरी तरफ बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में विद्यार्थी रेडियो या ब्लैकबोर्ड तक सीमित रह गए। कई मामलों में एक ही घर में दो या तीन बच्चों को एक ही मोबाइल से पढ़ाई करनी पड़ी। क्या इसे हम डिजिटल समावेशीकरण कहेंगे या डिजिटल बहिष्करण?

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने रोजगार और व्यवसाय के नए आयाम खोल दिए हैं—फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन मार्केटप्लेस, डिजिटल कंटेंट, ऐप्स और सोशल मीडिया आधारित आय। लेकिन ये अवसर केवल उन्हीं के लिए सुलभ हैं जिनके पास इंटरनेट की गति, डिवाइस की सुविधा और डिजिटल कौशल है। देश की बड़ी जनसंख्या अब भी पारंपरिक रोजगारों और श्रम आधारित कार्यों पर निर्भर है। जब मनरेगा जैसी योजनाएँ भी एप आधारित उपस्थिति पर केंद्रित हो जाती हैं, तब एक अशिक्षित मज़दूर या तकनीकी जानकारी से वंचित महिला कैसे अपने अधिकारों को हासिल कर पाएगी? सरकार के डिजिटल पोर्टल्स का जाल अगर स्थानीय भाषा, तकनीकी सहायता और यूज़र फ्रेंडली सिस्टम के अभाव में है, तो यह सुविधा नहीं, बल्कि बाधा बन जाती है।

डिजिटल इंडिया का एक और अंधकारमय पहलू है—भाषायी और वर्गीय असमानता। भारत में अधिकांश डिजिटल सामग्री अंग्रेज़ी और कुछ चुनिंदा भारतीय भाषाओं तक ही सीमित है। हिंदी भाषी क्षेत्रों में भी प्रशासनिक ऐप्स अंग्रेज़ी-प्रधान हैं, जिससे स्थानीय उपयोगकर्ताओं को कठिनाई होती है। डिजिटल असमानता केवल इंटरनेट की अनुपलब्धता तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और वर्ग आधारित समस्या भी बन चुकी है। एक ओर तकनीकी कंपनियों के पास बहुभाषीय सॉफ्टवेयर की क्षमता है, दूसरी ओर सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन भाषा और डिजिटल समावेशन को दरकिनार करता नजर आता है।

सरकार ने डिजिटल समावेशन (Digital Inclusion) को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं—जैसे प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA), भारतनेट के तहत गाँवों में फाइबर नेटवर्क बिछाने का कार्य, CSC के माध्यम से ग्राम स्तरीय सेवाएं प्रदान करने का प्रयास और युवाओं के लिए कोडिंग-प्रशिक्षण की पहलें। इन योजनाओं का उद्देश्य हर नागरिक तक तकनीक की पहुँच और उसका न्यायसंगत लाभ पहुंचाना रहा है। लेकिन ये प्रयास अक्सर भ्रष्टाचार, अव्यवस्था, स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण की कमी और संसाधनों की असमान उपलब्धता के कारण विफल होते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कई गाँवों में CSC सेंटर केवल कागज़ों पर ही संचालित हैं, या उन्हें प्रभावी प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता नहीं मिलती, जिससे वे जनता तक सेवाएं पहुंचाने में अक्षम हो जाते हैं।

दूसरी ओर, भारतनेट की परियोजना कई बार समयसीमा से पीछे रह गई है। वर्ष 2023 के अंत तक देश के सभी 2.5 लाख ग्राम पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित था, लेकिन सरकार की ही रिपोर्ट के अनुसार 50% से कम पंचायतें पूरी तरह कनेक्ट हो सकीं। कहीं तकनीकी बाधाएं थीं, कहीं ठेकेदारों की उदासीनता, तो कहीं प्रशासनिक ढीलापन। ऐसे में डिजिटल इंडिया का ढांचा अधूरा रह जाता है और जो सपना समान अवसरों का था, वह वर्गभेद और क्षेत्रभेद के गड्ढों में गिरता चला जाता है।

तकनीक कोई जादू की छड़ी नहीं है और ना ही यह अपने आप समावेशी बन जाती है। उसे समावेशी बनाने के लिए नीतिगत प्रतिबद्धता, सामाजिक-सांस्कृतिक समझ और जमीनी हकीकत से मेल खाते उपायों की ज़रूरत होती है। डिजिटल इंडिया की सबसे बड़ी विफलता यही है कि इसमें तकनीक को उद्देश्य मान लिया गया, साधन नहीं। उदाहरण के लिए, जब बायोमेट्रिक आधारित राशन वितरण प्रणाली (AePS और Aadhaar Authenticated Ration System) शुरू की गई, तब लाखों लोगों को राशन इसलिए नहीं मिल पाया क्योंकि उनके अंगूठे की स्कैनिंग विफल हो गई या नेटवर्क उपलब्ध नहीं था। राजस्थान, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में ऐसे दर्जनों मामले दर्ज किए गए हैं जहाँ तकनीकी विफलताओं के कारण गरीबों को भूखा रहना पड़ा। यह डिजिटल असमानता नहीं, बल्कि डिजिटल अन्याय की स्थिति है।

इन विफलताओं का सबसे बड़ा प्रभाव उन समुदायों पर पड़ता है जो पहले से ही सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित हैं—आदिवासी, दलित, महिलाएं, अशिक्षित जनसंख्या और ग्रामीण मजदूर वर्ग। जब सरकार सारी सेवाएं डिजिटल-फर्स्ट कर देती है और ऑनग्राउंड विकल्पों को समाप्त कर देती है, तो यह वंचित वर्गों को और भी पीछे धकेल देता है। इस सूरत में तकनीक सशक्तिकरण का नहीं, बल्कि दमन और वंचना का माध्यम बन जाती है।

आज भारत वास्तव में दो डिजिटल देशों में विभाजित है। एक ओर वे महानगरीय केंद्र हैं जहाँ युवा हाई-स्पीड इंटरनेट पर स्टार्टअप चला रहे हैं, डिज़ाइनिंग, प्रोग्रामिंग, एनएफटी और एआई जैसे आधुनिक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, एक ग्रामीण भारत है जहाँ लोगों को बैंक खाता देखने के लिए 15 किलोमीटर दूर साइबर कैफे जाना पड़ता है, जहाँ किसान के पास इतना डाटा नहीं कि वह मौसम की सटीक जानकारी ले सके और जहाँ एक माँ अपने बच्चे का आधार नंबर लिंक नहीं करवा पाती क्योंकि CSC सेंटर हफ्तों से बंद है। यह डिजिटल असमानता केवल तकनीकी या आर्थिक नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक असमानता भी है—जिसमें वंचित वर्ग को बार-बार यह आभास होता है कि यह नया भारत उसके लिए नहीं बना है।

यदि वास्तव में भारत को एक समावेशी डिजिटल राष्ट्र बनाना है, तो कुछ बुनियादी सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, डिजिटल शिक्षा को प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक एक अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए—ताकि बच्चों को शुरू से ही तकनीक की समझ हो और वे महज़ उपभोक्ता नहीं, निर्माता बन सकें। दूसरा, सरकार को डिजिटल सेवाओं में multi-lingual interface देना चाहिए ताकि हर नागरिक अपनी मातृभाषा में सेवाओं का उपयोग कर सके। तीसरा, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की गति, बिजली की उपलब्धता और डिजिटल डिवाइस की सब्सिडी जैसे उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। चौथा, महिला डिजिटल साक्षरता को स्वतंत्र रूप से बढ़ावा देना होगा, क्योंकि घरों में अक्सर तकनीकी संसाधनों तक महिलाओं की पहुँच सीमित रहती है। पाँचवाँ और सबसे ज़रूरी, यह आवश्यक है कि किसी भी डिजिटल योजना के साथ ऑफलाइन विकल्प भी हमेशा मौजूद रहें—ताकि जो लोग तकनीक से दूर हैं, उन्हें अपने अधिकारों से वंचित न होना पड़े। उदाहरणस्वरूप, यदि किसी बुज़ुर्ग को डिजिटल हेल्थ कार्ड नहीं मिला है, तो उसका उपचार रुकना नहीं चाहिए।

डिजिटल इंडिया एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन इसका मूल्यांकन केवल एप्स, ट्रांजैक्शन और ऑप्टिकल फाइबर से नहीं होना चाहिए, बल्कि इससे इस बात को आँकना चाहिए कि क्या यह वास्तव में उस गरीब महिला, उस किसान, उस मजदूर और उस छोटे दुकानदार के जीवन को बेहतर बना पाया या नहीं। यदि डिजिटल तकनीक केवल अमीरों की सहूलियत और कंपनियों के विस्तार का माध्यम बन जाए और गरीबों के लिए यह और भी जटिलता और वंचना पैदा करे, तो यह न केवल असफलता है, बल्कि लोकतंत्र के मूल मूल्य – समानता और न्याय – का उल्लंघन भी है। डिजिटल इंडिया का सपना तभी पूरा होगा जब इसके लाभ केवल दिल्ली और मुंबई के एयरकंडीशन्ड ऑफिसों तक सीमित न रह जाएँ, बल्कि उत्तराखंड के पहाड़ों, झारखंड के जंगलों और बुंदेलखंड के सूखे गाँवों तक उसी ताकत और अधिकार से पहुँचें। तकनीक एक साधन है, उद्देश्य नहीं। यदि यह साधन न्याय और समानता के मार्ग पर नहीं ले जाता, तो फिर उसे विकास कहना स्वयं एक छलावा बन जाता है।

जन-जन के कवि, युगों के संत गोस्वामी तुलसीदास

श्वेता गोयल

तुलसीदास जयंती पर विशेष

भारतीय साहित्य, भक्ति आंदोलन और आध्यात्मिक चेतना के आकाश में गोस्वामी तुलसीदास एक ऐसे नक्षत्र हैं, जिनकी चमक न केवल हिंदी साहित्य को आलोकित करती है बल्कि करोड़ों जनमानस के हृदय को भी आज तक प्रकाशित करती रही है। गोस्वामी तुलसीदास का जीवन, उनकी साधना, उनका साहित्य और उनका भक्ति भाव भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। तुलसीदास जी ने रामभक्ति को केवल एक धार्मिक भावना के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय सरोकारों से जोड़ते हुए जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं आज भी गूढ़ तत्वज्ञान और सरल भाषा का अद्भुत संगम मानी जाती हैं।

गोस्वामी तुलसीदास का जन्म श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था, जो वर्ष 2025 में 31 जुलाई को पड़ रही है। जन्मस्थान के विषय में विभिन्न मत हैं परंतु अधिकांश विद्वान मानते हैं कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के राजापुर नामक स्थान पर हुआ था। उनकी माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम दुबे था। बाल्यावस्था में ही माता-पिता का साया उठ जाने के कारण तुलसीदास का जीवन प्रारंभ से ही संघर्षपूर्ण रहा किन्तु वे आध्यात्मिक रूप से अत्यंत समृद्ध और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पित थे। उनका बाल्य नाम रामबोला था और उन्हें राम नाम लेते ही जन्म से आठों दांत मिल गए थे, जिसे लोग चमत्कार मानते थे।

तुलसीदास का जीवन भक्ति और सेवा की मिसाल है। उन्होंने गृहस्थ जीवन भी अपनाया था किन्तु एक प्रसंग के अनुसार, पत्नी की एक तीखी टिप्पणी ने उनके हृदय को ऐसा झकझोर दिया कि वे सांसारिक जीवन त्याग कर ईश्वर की भक्ति में लीन हो गए। वह प्रसंग आज भी स्मृति में गूंजता है, जब पत्नी रत्नावली ने उन्हें फटकारते हुए कहा था कि यदि आप भगवान राम में इतनी ही आसक्ति रखते, जितनी मुझमें है तो आपका उद्धार हो गया होता। इस वाक्य ने तुलसीदास को आत्मचिंतन के लिए बाध्य किया और वहीं से उनकी रामभक्ति की अमर यात्रा का आरंभ हुआ।

गोस्वामी तुलसीदास की सबसे प्रसिद्ध रचना 'रामचरितमानस' है, जो वाल्मीकि रामायण के आधार पर अवधी भाषा में लिखी गई। यह केवल एक महाकाव्य नहीं बल्कि भारतीय जनमानस की भावनाओं का प्रतिबिंब है। यह ग्रंथ एक ऐसी लोकगाथा बन गया है, जो मंदिरों से लेकर ग्रामीण चौपालों तक में सुनी और सुनाई जाती है। तुलसीदास जी ने भाषा को जन-जन से जोड़ा, पंडितों की सीमित संस्कृत को आम जनता की बोली में ढ़ालकर रामकथा को एक व्यापक जनांदोलन का रूप दिया। उनकी भाषा अवधी होते हुए भी अत्यंत शुद्ध, सरल और भावगर्भित है, जो सामान्य व्यक्ति को भी गहरे आध्यात्मिक भाव में डुबो देती है। 'रामचरितमानस' सात कांडों में विभाजित है, बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किंधाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड। प्रत्येक कांड में भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न चरणों को अत्यंत सरस, मार्मिक और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया है।

राम को तुलसीदास ने केवल एक राजा या योद्धा नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श शासक के रूप में चित्रित किया है। राम के चरित्र के माध्यम से उन्होंने नीति, धर्म, करुणा, न्याय और सच्चाई के आदर्श प्रस्तुत किए हैं, जो आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। तुलसीदास की एक और कालजयी रचना 'हनुमान चालीसा' है, जिसकी लोकप्रियता भारत के कोने-कोने में दिखाई देती है। हनुमान चालीसा केवल स्तोत्र नहीं अपितु विश्वास, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इसमें भक्त के विश्वास और प्रभु की कृपा के बीच का जो गूढ़ संबंध उभरता है, वह भक्तिरस की पराकाष्ठा को दर्शाता है। इसकी हर चौपाई आज भी करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे न केवल मानसिक शक्ति का संचार होता है बल्कि आत्मिक शांति भी प्राप्त होती है।

तुलसीदास का जीवनकाल मुगलों के शासनकाल में था, जब देश सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक अस्मिता के संकट से जूझ रहा था। ऐसे समय में तुलसीदास की रचनाएं भारतीय समाज में आत्मबल, सांस्कृतिक चेतना और धार्मिक एकता का संचार करने वाली साबित हुईं। उन्होंने धर्म और संस्कृति को लोकभाषा के माध्यम से इस तरह जनमानस में प्रवाहित किया कि वह सामाजिक क्रांति का माध्यम बन गई। उनके समय में जब ब्राह्मणवादी संस्कृत को ही धर्म और विद्या का माध्यम माना जाता था, तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी को माध्यम बनाकर जनसामान्य को आध्यात्मिकता से जोड़ा और भक्ति को जन आंदोलन बनाया।

तुलसीदास के साहित्य का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि विश्वभर में रामकथा और तुलसी साहित्य का अनुकरण किया जाता है। दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में रामचरितमानस का पाठ, रामलीलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ श्रद्धा और भक्ति से किया जाता है। तुलसीदास के राम न केवल हिन्दुओं के आराध्य हैं बल्कि वे न्याय, धर्म, करुणा और विवेक के वैश्विक प्रतीक बन चुके हैं। तुलसीदास का जीवन इस बात का साक्ष्य है कि एक संत, एक कवि और एक साधक किस प्रकार से साहित्य और भक्ति के माध्यम से जनचेतना को जागृत कर सकता है। वे केवल एक कवि नहीं थे बल्कि समाज-सुधारक, अध्यात्म-प्रणेता और सांस्कृतिक योद्धा भी थे। उन्होंने शब्दों की शक्ति से एक ऐसे भारत की रचना की, जिसकी आत्मा आज भी रामभक्ति में रमी हुई है। उनका साहित्य न केवल भक्ति का मार्ग दिखाता है बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मर्यादा, आदर्श और अनुशासन का संदेश भी देता है।

तुलसीदास की जयंती केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं है, यह उस कालजयी चेतना का उत्सव है जिसने हिंदी साहित्य को उसका गौरव दिलाया, जिसने समाज को भक्ति और नीति का आधार प्रदान किया और जिसने एक ऐसे राम को जनमानस में प्रतिष्ठित किया, जो केवल मंदिरों में नहीं बल्कि प्रत्येक हृदय में बसे हैं। इस अवसर पर हमें यह स्मरण करना चाहिए कि तुलसीदास का जीवन और साहित्य केवल भूतकाल की विरासत नहीं अपितु वर्तमान और भविष्य के लिए दिशा-निर्देश हैं। उनकी रचनाओं में वह शक्ति है, जो मानव को आत्म-चिंतन, आत्म-निर्माण और आत्म-समर्पण की ओर प्रेरित करती है। यही कारण है कि युग बदलते गए पर तुलसीदास की काव्यधारा अविरल बहती रही और आगे भी बहती रहेगी। उनके शब्दों में राम के आदर्श हैं, जीवन का सत्य है और भक्ति का वह अमृत है, जो युगों तक अमर रहेगा।

भोजन करने संबंधी कुछ जरूरी नियम

सनातन धर्म में आहार ग्रहण करने के दौरान भी कुछ नियमों का पालन करना जरुरी माना गया है। माना गया है कि जिसप्रकार हम आहार करेंगे वैसे ही हमारे विचार भी होंगे।

सर्वप्रथम : भोजन करने से पूर्व हाथ पैरों व मुख को अच्छी तरह से धोना चाहिये। भोजन से पूर्व अन्नदेवता, अन्नपूर्णा माता की स्तुति करके उनका धन्यवाद देते हुए तथा सभी भूखों को भोजन प्राप्त हो, ईश्वर से ऐसी प्रार्थना करके भोजन करना चाहिए।

वहीं भोजन बनाने वाला स्नान करके ही शुद्ध मन से, मंत्र जप करते हुए ही रसोई में भोजन बनाएं और सबसे पहले 3 रोटियां (गाय, कुत्ते और कौवे हेतु) अलग निकालकर फिर अग्निदेव को भोग लगाकर ही घर वालों को खिलाएं।

भोजन के समय

प्रातः और सायं ही भोजन का विधान है, क्योंकि पाचनक्रिया की जठराग्नि सूर्योदय से 2 घंटे बाद तक एवं सूर्यास्त से 2.30 घंटे पहले तक प्रबल रहती है।

जो व्यक्ति सिर्फ एक समय भोजन करता है वह योगी और जो दो समय करता है वह भोगी कहा गया है

एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है सुबह का खाना स्वयं खाओ, दोपहर का खाना दूसरों को दो और रात का भोजन दुश्मन को दो

भोजन की दिशा:

भोजन पूर्व और उत्तर दिशा की ओर मुंह करके ही करना चाहिए। दक्षिण दिशा की ओर किया हुआ भोजन प्रेत को प्राप्त होता है। पश्चिम दिशा की ओर किया हुआ भोजन खाने से रोग की वृद्धि होती है।

ऐसे में न करें भोजन:

शैया पर, हाथ पर रखकर, टूटे-फूटे बर्तनों में भोजन नहीं करना चाहिए।

मल-मूत्र का वेग होने पर, कलह के माहौल में, अधिक शोर में, पीपल, वटवृक्ष के नीचे भोजन नहीं करना चाहिए।

परोसे हुए भोजन की कभी निंदा नहीं करनी चाहिए।

ईर्ष्या, भय, क्रोध, लोभ, रोग, दीनभाव, द्वेषभाव के साथ किया हुआ भोजन कभी पचता नहीं है।

खड़े-खड़े, जूते पहनकर सिर ढंककर भोजन नहीं करना चाहिए

ये भोजन न करें:

गरिष्ठ भोजन कभी न करें।

बहुत तीखा या बहुत मीठा भोजन न करें।

किसी के द्वारा छोड़ा हुआ भोजन न करें।

आधा खाया हुआ फल, मिठाइयां आदि पुनः नहीं खाना चाहिए।

खाना छोड़कर उठ जाने पर दुबारा भोजन नहीं करना चाहिए।

जो ढिंढोरा पीटकर खिला रहा हो, वहां कभी न खाएं।

पशु या कुत्ते का छुआ, रजस्वला स्त्री का परोसा, श्राद्ध का निकाला, बासी, मुंह से फूंक मारकर ठंडा किया, बाल गिरा हुआ भोजन न करें।

अनादरयुक्त, अवहेलनापूर्ण परोसा गया भोजन कभी न करें।

*कंजूस का, राजा का, वेश्या के हाथ का, शराब बेचने वाले का दिया भोजन और ब्याज का धंधा करने वाले का भोजन कभी नहीं करना चाहिए।

भोजन करते वक्त क्या करें:

भोजन के समय मौन रहें।

रात्रि में भरपेट न खाएं।

बोलना जरूरी हो तो सिर्फ सकारात्मक बातें ही करें।

भोजन करते वक्त किसी भी प्रकार की समस्या पर चर्चा न करें।

भोजन को बहुत चबा-चबाकर खाएं।

गृहस्थ को 32 ग्रास से ज्यादा न खाना चाहिए।

सबसे पहले मीठा, फिर नमकीन, अंत में कड़वा खाना चाहिए।

सबसे पहले रसदार, बीच में गरिष्ठ, अंत में द्रव्य पदार्थ ग्रहण करें।

थोड़ा खाने वाले को आरोग्य, आयु, बल, सुख, सुंदर संतान और सौंदर्य प्राप्त होता है।

भोजन के पश्चात क्या न करें:

भोजन के तुरंत बाद पानी या चाय नहीं पीना चाहिए। भोजन के पश्चात घुड़सवारी, दौड़ना, बैठना, शौच आदि नहीं करना चाहिए।

भोजन के पश्चात क्या करें:

भोजन के पश्चात दिन में टहलना एवं रात में सौ कदम टहलकर बाईं करवट लेटने अथवा वज्रासन में बैठने से भोजन का पाचन अच्छा होता है। भोजन के एक घंटे पश्चात मीठा दूध एवं फल खाने से भोजन का पाचन अच्छा होता है।

क्या-क्या न खाएं:

रात्रि को दही, सत्तू, तिल एवं गरिष्ठ भोजन नहीं करना चाहिए।

दूध के साथ नमक, दही, खट्टे पदार्थ, कटहल का सेवन नहीं करना चाहिए।

शहद व घी का समान मात्रा में सेवन नहीं करना।

दूध-खीर के साथ खिचड़ी नहीं खाना चाहिए।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, सप्तमी, गुरुवासरे, चित्रा नक्षत्रे, साध्य योगे, गर करणे, सुबह कन्या की चंद्रमा दोपहर बाद पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ होगी। 12 के बाद पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, दार्शनिक किन्तु जिद्दी-हठी, लकड़ी का व्यापारी, ठेकेदार, ट्रक चालक, ट्रक मालिक, बस मालिक, ट्रांसपोर्टर, बाडी मेकर, मैकेनिकल इंजीनियर, ठेकेदार, धनी होगा।

मेष राशि :- बढ़िया यात्रा, विवाद, कष्ट, मातृ कष्ट, व्यय, विरोध होगा, आंशिक हानि की संभावना।

वृष राशि :- धन लाभ, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य होगा, आशानुकूल परिणाम से हर्ष होगा।

मिथुन राशि :- पितृ कष्ट, यात्रा योग, व्यय लाभ, अशांति का वातावरण रहेगा, धैर्य रखें।

कर्क राशि :- यात्रा शुभ होगी, भूमि लाभ, हर्ष, कार्य सिद्धी, गृहकार्य की व्यवस्था पूर्ण होगी

सिंह राशि :- शत्रु भय, प्रवास, विरोध, उद्योग-व्यापार में लाभ, लाभ के कार्य सफल होंगे।

कन्या राशि :- लाभ, सिर-नेत्र पीड़ा होगी, यात्रा परेशानीयुक्त होगी, धैर्य के साथ कार्य पूर्ण करें।

तुला राशि :- सुख, सफलता, निर्माण कार्य होगा, प्रवास, राजकार्य में व्यावस्था से लाभ होगा।

वृश्चिक राशि :- मानसिक तनाव आकस्मिक बढ़ेगा, स्वजनों से सहानुभूति अवश्य मिलेगी।

धनु राशि :- व्यवसाय की उन्नति से आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार होगा, समय का लाभ लें।

मकर राशि :- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारी वर्ग की कृपा का लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्रों से लाभ, अच्छा सहयोग मिलेगा, उत्तम लाभ के योग बनेंगे।

मीन राशि :- गृह कलह, हीन मनोवृत्ति रहेगी, शरीर पीड़ा तथा परेशानी अवश्य ही बनेगी।

इन उपायों से सुखमय और खुशहाल होगा जीवन

सभी लोग सुख और खुशहाली से रहना चाहते हैं और इसके लिए धन सबसे अहम होता है। धन के बिना किसी प्रकार के कामकाज नहीं हो सकते। कई बार धन की कमी के पीछे कुछ ऐसे कारण होते हैं जिन्हें हम ज्योतिष उपायों से ठीक कर सकते हैं। इसका कारण यह है कि जिस घर में कलह होता है, वहां मां लक्ष्मी का वास नहीं होता। हर किसी की अपने गृहस्थ जीवन में सुख और शांति की कामना होती है। घर और जीवन की खुशहाली ही व्यक्ति को जीवन में प्रगति के मार्ग पर ले जाती है। परिवार में व्याप्त कलह यानी की क्लेश से व्यक्ति का जीवन कठिनाइयों से भर जाता है। गृह क्लेश से बचने या उसे कम करने के लिए ज्योतिष में कई प्रकार के उपाय बताए गए हैं। हम आगे आपको ऐसे ही कुछ उपाय बता रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आपका जीवन सुखमय और खुशहाल बनाया जा सकता है।

पूर्व की और सिर रखकर सोए

आप किस दिशा में सिर और पैर करके सोते हैं यह गृह कलह में काफी अहम भूमिका निभाता है। गृह कलह से मुक्ति के लिए रात को सोते समय पूर्व की और सिर रखकर सोए। इससे आपको तनाव से राहत मिलेगी। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

हनुमान जी की पूजा करें

हनुमान जी की नियमित रूप से की गई उपासना आपको सभी प्रकार के संकट और गृह कलह से दूर रखता है। यदि कोई महिला गृह कलह से परेशान हैं तो भोजपत्र पर लाल कलम से पति का नाम लिखकर तथा 'हं हनुमंते नमः' का 21 बार उच्चारण करते हुए उस पत्र को घर के किसी कोने में रख दें। इसके अलावा 11 मंगलवार नियमित रूप से हनुमान मंदिर में चोला चढाएं एवं सिंदूर चढाएं। ऐसा करने से परेशानियों से राहत प्राप्त होगी।

शिवलिंग पर जल चढ़ायें

प्रतिदिन सुबह में स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनकर मंदिर या घर पर शिवलिंग के सामने बैठकर शिव उपासना करें। आप 'ऊँ नमः सम्भवाय च मयो भवाय च नमः। शंकराय च नमः शिवाय च शिवतराय चः।।' मंत्र का 108 बार उच्चारण कर सकते हैं। इसके बाद आप शिवलिंग पर जलाभिषेक करें। ऐसा नियमित करने से प्पति-पत्नी के वैवाहिक जीवन में सुख शांति बनी रहती है।

गणेश जी की उपासना करें

यदि किसी घर में पति-पत्नी या बाप-बेटे के बीच कलह है या किसी भी बात पर विवाद चल रहा है तो इसमें गणेश उपासना फायदेमंद रहेगी। वैवाहिक जीवन को सुखी बनाने के लिए आप नुक्ति के लड्डू का भोग लगाकर प्रतिदिन श्री गणेश जी और शक्ति की उपासना करे।

चीटियों को शक्कर या आटा डालें

चीटियों के बिल के पास शक्कर या आटा व चीनी मिलाकर डालने से गृहस्थ की समस्याओं का निवारण होता है। ऐसा नियमित 40 दिन तक करें। ध्यान रखें कि इस प्रक्रिया में कोई नागा न हो।

कुमकुम लगाए

एक गेंदे के फूल पर कुमकुम लगाकर उसे किसी देव स्थान में मूर्ति के सामने रख दें। ऐसा करने से रिश्तों में आया तनाव और मतभेद दूर होते हैं। साथ ही छोटी कन्या को शुक्रवार को मीठी वस्तु खिलाने और भेंट करने से आपके संकटों का निवारण होता है।घर मे व्याप्त कलह क्लेश को कम करने के लिए पति-पत्नी को रात को सोते समय अपने तकिये में सिंदूर की एक पुड़िया और कपूर रखें। सुबह में सूर्योदय से पहले उठकर सिंदूर की पुड़िया घर से बाहर फेंक दें और कपूर को निकालकर अपने कमरे में जला दें। ऐसा करने से लाभ मिलेगा।

(रंगसंसार)

'सैयारा' देख भावुक हुईं भारती सिंह

कॉमेडियन भारती सिंह हाल ही में अपने पति हर्ष लिंबाचिया संग फिल्म 'सैयारा' का नाइट शो देखने पहुंचीं। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड रोल में हैं। फिल्म ने रिलीज के साथ ही दर्शकों का दिल जीत लिया है और सोशल मीडिया पर इमोशनल रिएक्शन की बाढ़ आ गई है। इसी बीच, भारती सिंह भी फिल्म देखकर इतनी भावुक हो गईं कि थिएटर से बाहर आते समय उन्हें आंखें पोंछते देखा गया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि फिल्म की कहानी ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया और मोहित सूरी ने एक बार फिर शानदार काम किया है। सोशल मीडिया पर भारती का यह वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह कहती हैं, मोहित सूरी ने क्या फिल्म बना दी यार! फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ सेलेब्स से भी खूब सराहना मिल रही है। अब देखना होगा कि बॉक्स ऑफिस पर यह इमोशनल लव स्टोरी कितना धमाल मचाती है।

एक्टिंग छोड़ बिजनेसवुमन बनीं चारु असोपा

टीवी एक्ट्रेस चारु असोपा ने एक्टिंग की दुनिया से दूरी बना ली है और अब एक बिजनेसवुमन के रूप में नई शुरुआत कर रही हैं। सुष्मिता सेन की एक्स भाभी चारु ने राजीव सेन से तलाक के बाद मुंबई छोड़कर अपने मायके बीकानेर में रहने का फैसला किया। वह अब अपनी बेटी जियाना के साथ वहीं रह रही हैं। चारु ने बीकानेर में अपना खुद का घर खरीदा है और साथ ही कपड़ों का बिजनेस भी शुरू किया है। इसके अलावा वह यूट्यूब व्लॉगिंग भी कर रही हैं, जहां वह अपनी जिंदगी की झलकियां फैंस के साथ साझा करती हैं। लेटेस्ट व्लॉग में उन्होंने बताया कि फैमिली उनके साथ है और जियाना की परवरिश में उन्हें पूरा सहयोग मिल रहा है। चारु का कहना है कि वह अब सुकून की जिंदगी जी रही हैं और बेटी को अच्छी परवरिश देना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वह अब किसी रिश्ते में नहीं बल्कि अपने आत्मनिर्भर जीवन में संतुष्ट हैं।

स्क्रीनिंग में रुचि गुज्जर ने किया बवाल

मुंबई में फिल्म 'सो लॉग वैली' की स्क्रीनिंग के दौरान बड़ा हंगामा हुआ। एक्ट्रेस रुचि गुज्जर ने सिनेपोलिस थिएटर में फिल्म के निर्माता करण सिंह चौहान और एक्टर-डायरेक्टर मान सिंह पर चप्पल से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि रुचि गुज्जर ने मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में करण सिंह चौहान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह मंच पर चप्पल फेंकती नजर आती हैं। रुचि का आरोप है कि उन्हें प्रोजेक्ट को लेकर गलत जानकारी दी गई थी और फिल्म से जुड़े कई वादे पूरे नहीं किए गए। फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह का सार्वजनिक विवाद दुर्लभ होता है, जिससे यह घटना बड़ी चर्चा का विषय बन गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और निर्माता की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पैपराजी पर भड़कीं आकांक्षा पुरी

टीवी और भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह अवॉर्ड शो से निकलते वक्त पैपराजी पर भड़कती नजर आईं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जब वह शो खत्म कर बाहर आ रही थीं, तब फोटोग्राफर्स ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। इस कारण वह अपनी कार में बैठ नहीं पा रहीं थीं। इसी दौरान उन्होंने मजाकिया लहजे में गुस्से से कहा, सब लोग गाड़ी में ही बैठ जाओ ना... हालांकि अगली ही पल वह हंसने लगीं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स को उनका रिएक्शन मजेदार लगा, वहीं कुछ ने पैप्स के काम को मुश्किल बताया। आकांक्षा पुरी अपने ग्लैमरस अंदाज और खेसारी लाल यादव संग दोस्ती को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं।

इस प्रकार महादेव होंगे प्रसन्न

कालों के काल महाकाल शिव शंकर की महिमा से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं। कहते हैं कि देवों के देव महादेव को प्रसन्न करना बहुत आसान है। इनकी पूजा पूरी श्रद्धा और भाव से की जाए तो आप पर भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी। सावन में तो भागवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है।

इस शिव स्तुति से करें प्रभु के हर रूप का ध्यान। जय शिवशंकर, जय गंगाधर, करूणाकर करतार हरे। जय कैलाशी, जय अविनाशी, सुखराशी सुखसार हरे। जय शशिशेखर, जय डमरूधर, जय जय प्रेमागार हरे।जय त्रिपुरारी, जय मदहारी, नित्य अनन्त अपार हरे। निर्गुण जय जय सगुण अनामय निराकार साकार हरे। पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे।जय रामेश्वर, जय नागेश्वर, वैद्यनाथ, केदार हरे।मल्लिकार्जुन, सोमनाथ, जय महाकार, ओंकार हरे।जय त्रयम्बकेश्वर, जय भुवनेश्वर, भीमेश्वर, जगतार हरे।काशीपति श्री विश्वनाथ जय मंगलमय अधहार हरे।नीलकंठ, जय भूतनाथ, जय मृतुंजय अविकार हरे।पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। भोलानाथ कृपालु दयामय अवढर दानी शिवयोगी।निमिष मात्र में देते है नवनिधि मनमानी शिवयोगी। सरल हृदय अति करूणासागर अकथ कहानी शिवयोगी। भक्तों पर सर्वस्व लुटाकर बने मसानी शिवयोगी।

स्वयं अकिंचन जन मन रंजन पर शिव परम उदार हरे।

पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे।

आशुतोष इस मोहमयी निद्रा मुझे जगा देना। विषय वेदना से विषयों की मायाधीश छुड़ा देना। रूप सुधा की एक बूद से जीवन मुक्त बना देना। दिव्य ज्ञान भण्डार युगल चरणों की लगन लगा देना। एक बार इस मन मन्दिर में कीजे पद संचार हरे।

पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। दानी हो दो भिक्षा में अपनी अनपायनी भक्ति विभो।

शक्तिमान हो दो अविचल निष्काम प्रेम की शक्ति प्रभो। त्यागी हो दो इस असार संसारपूर्ण वैराग्य प्रभो।

परम पिता हो दो तुम अपने चरणों में अनुराण प्रभो। स्वामी हो निज सेवक की सुन लीजे करूण पुकार हरे।

पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे।

तुम बिन व्यकुल हूं प्राणेश्वर आ जाओ भगवन्त हरे। चरण कमल की बॉह गही है उमा रमण प्रियकांत हरें।

विरह व्यथित हूं दीन दुखी हूं दीन दयाल अनन्त हरे। आओ तुम मेरे हो जाओ आ जाओ श्रीमंत हरे।

मेरी इस दयनीय दशा पर कुछ तो करो विचार हरे। पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। जय महेश जय जय भवेश जय आदि देव महादेव विभो। किस मुख से हे गुणातीत प्रभुत तव अपार गुण वर्णन हो। जय भव तारक दारक हारक पातक तारक शिव शम्भो। दीनन दुख हर सर्व सुखाकर प्रेम सुधाकर की जय हो। पार लगा दो भवसागर से बनकर करूणा धार हरे।

पारवती पति हर-हर शम्भो पाहि-पाहि दातार हरे। जय मनभावन जय अतिपावन शोक नसावन शिवशम्भो।

विपति विदारण अधम अधारण सत्य सनातन शिवशम्भो। वाहन वृहस्पति नाग विभूषण धवन भस्म तन शिवशम्भो।

मदन करन कर पाप हरन धन चरण मनन धन शिवशम्भो। विश्वन विश्वरूप प्रलयंकर जग के मूलाधार हरे।

राज कुंद्रा अपकमिंग फिल्म मेहर को लेकर उत्साहित

अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म मेहर को लेकर अभिनेता राज कुंद्रा उत्साहित हैं। फिल्म में राज कुंद्रा ने सिख किरदार करमजीत सिंह की भूमिका निभाई है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि इस किरदार ने उन्हें जीवन के भूले-बिसरे मूल्यों, सेवा, संयम और सीख की याद दिलाई। राज ने करमजीत सिंह के किरदार को अपने जीवन का सबसे यादगार और परिवर्तनकारी अनुभव बताया। इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर साझा करते हुए राज कुंद्रा ने लिखा कि करमजीत सिंह का किरदार केवल एक भूमिका नहीं, बल्कि गहरी भावनाओं, परिवार के प्रति अटूट प्रेम और विपत्तियों में दृढ़ता का प्रतीक है। उन्होंने इस किरदार के जरिए सिख जीवनशैली के प्रति अपनी नई समझ और सम्मान को व्यक्त किया। राज ने फिल्म की पूरी टीम को धन्यवाद दिया, जिनके सहयोग से यह अनुभव संभव हुआ। उन्होंने लिखा, राज से करमजीत सिंह तक का सफर मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। मेहर में करमजीत सिंह की भूमिका निभाना मेरे जीवन के सबसे परिवर्तनकारी अनुभवों में से एक रहा है। वह सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि गहरी भावनाओं, अपने परिवार के प्रति अटूट प्रेम और विपरीत परिस्थितियों में भी ताकत से परिपूर्ण व्यक्ति है। उन्होंने मुझे उन मूल्यों की याद दिलाई जो हम जीवन की भागदौड़ में कभी-कभी भूल जाते हैं। मैं इस शानदार टीम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिसने इसे संभव बनाया। उन्होंने अपनी को-स्टार गीता बसरा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी मौजूदगी ने हर सीन को गहराई और गर्मजोशी दी। इसके अलावा, उन्होंने निर्माता दिव्या भटनागर और रघु खन्ना को कहानी पर भरोसा करने और उसे प्यार से संवारने के लिए धन्यवाद दिया। राज ने अपने ऑनस्क्रीन दोस्त बनींद्र, भाई आशीष दुग्गल और कवि-गीतकार सोनी थुलेवाल को भी उनके मार्गदर्शन और दोस्ती के लिए सराहा। फिल्म के निर्देशक राकेश मेहता को पाजी कहकर संबोधित करते हुए राज ने कहा कि उनकी संवेदनशीलता और नजरिए ने करमजीत सिंह के किरदार को जीवंत किया। राज ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिख मूल्यों - सादगी, ताकत और सेवा को गहराई से समझने का मौका दिया, जो उनके दिल पर खास छाप छोड़ गया। उन्होंने आगे कहा, स्पॉट बॉयज से लेकर डीओपी, हर टेक्नीशियन, कॉस्ट्यूम डिजाइनर और पूरी टीम का शुक्रिया। आपने हर फ्रेम में जान डाल दी और सबसे बढ़कर हमारे कैप्टन, डायरेक्टर राकेश मेहता का बहुत-बहुत शुक्रिया। आपने सिर्फ एक फिल्म का निर्देशन ही नहीं किया, बल्कि मुझे खुद के उस पहलू को जानने में मदद की जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था। आपकी दूरर्शिता और संवेदनशीलता ने एक ऐसे किरदार को जन्म दिया है जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगा।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी से आई है। दिन के कारोबार के अंत तक 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 140 अंक ऊपर आकर 81481 पर बंद हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 24,800 के करीब बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर भी लाभ में रहे। टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, और इन्फोसिस के शेयर नुकसान में रहे। आज बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर लगभग 80,000 करोड़ रुपये बढ़कर 452.24 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले कारोबारी दिन को 451.44 लाख करोड़ रुपये रहा था। इससे साफ है कि निवेशकों की संपत्ति में लगभग 80,000 करोड़ रुपये की बढ़त आई है।

आज वैश्विक संकेतों में सुधार और निवेशकों की सकारात्मक धारणा से भी बाजार को लाभ हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स सपाट बंद हुए। वहीं आईटी , मेटल, फार्मा सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं ऑटो, रियल्टी, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में दबाव देखने को मिला। अमेरिकी फे रिजर्व की बैठक को लेकर निवेशकों में सतर्कता थी, जिससे ग्लोबल स्तर पर भी अनिश्चितता

देखने को मिली। इसके साथ ही भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में संभावित टैरिफ को लेकर चिंता का माहौल बना रहा, जिससे विदेशी निवेशकों की धारणा थोड़ी कमजोर रही। जिससे भी बाजार पर दबाव आया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथा खुला। आज सुबह सेंसेक्स 168 अंक बढ़कर 81,506 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 55 अंक ऊपर आकर 24,877 पर खुला। एलएंडटी के अच्छे तिमाही परिणामों के कारण शुरुआती कारोबार में इन्फ्रा शेयरों में बढ़त रही है और निफ्टी इन्फ्रा इंडेक्स 0.61 फीसदी ऊपर आया।

आज एशिया के अधिकतर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और सोल में शेयर हरे निशान में थे, जबकि हांगकांग और जकार्ता में नुकसान के साथ हीलाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली का सिलसिला जारी रखते हुए 4,636 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

संक्षिप्त खबरें

औद्योगिक स्थानों और गोदामों को पट्टे पर लेने की मांग 63 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। देश के आठ प्रमुख शहरों में ई-कॉमर्स कंपनियों की बेहतर मांग के कारण औद्योगिक स्थानों और गोदामों को पट्टे पर लेने की मांग 2025 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट हुई है। रियल एस्टेट से जुड़ी सेवाएं देने वाली एक फर्म ने बताया कि वर्ष जनवरी-जून के दौरान पट्टे पर दिए गए कुल स्थानों में से 32 प्रतिशत स्थान 'थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों को दिए गए जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। फर्म से जुड़े जानकार ने कहा, ''3पीएल और ई-कॉमर्स का प्रभुत्व दिखाता है कि किस प्रकार तेजी से विकसित हो रही उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास की अगली लहर प्रीमियम, टिकाऊ और प्रौद्योगिकी-सक्षम सुविधाओं द्वारा परिभाषित होगी। फर्म के अनुसार, जनवरी-जून 2025 के दौरान औद्योगिक स्थानों और गोदामों की आपूर्ति 1.67 करोड़ वर्ग फुट रही। इस अवधि में कुल आपूर्ति में बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का योगदान 57 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट सलाहकार ने 2025 की पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन के साथ उम्मीद जाहिर की हैं कि दूसरी छमाही में भी मांग मजबूत बनी रहेगी।

डिजिटल भुगतान इस साल मार्च तक 10.7 प्रतिशत बढ़ाः आरबीआई आंकड़ा

मुंबई (ईएमएस)। देश में इस साल मार्च तक डिजिटल भुगतान में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। आरबीआई के सूचकांक से इसकी जानकारी मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक जनवरी, 2021 से डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) प्रकाशित कर रहा है। इसमें देश भर में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को दिखाने के लिए मार्च, 2018 को आधार वर्ष माना गया है। आरबीआई ने कहा कि मार्च, 2025 के लिए सूचकांक 493.22 है, जबकि सितंबर, 2024 में यह 465.33 और मार्च, 2024 में 445.5 था। छमाही आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई-डिजिटल भुगतान सूचकांक बढ़ने का कारण देशभर में भुगतान बुनियादी ढांचा... आपूर्ति-पक्ष कारक और भुगतान प्रदर्शन जैसे मापदंडों में उल्लेखनीय वृद्धि है।'' आरबीआई-डिजिटल भुगतान मंच में पांच व्यापक मानदंड शामिल हैं जो विभिन्न समय अवधि में देश में डिजिटल भुगतान की गहनता और पहुंच को मापने को सक्षम बनाते हैं।

महंगाई कम, फिर भी जोखिम बरकरार आरबीआई को ब्याज दरों पर लेना होगा सावधानीपूर्वक निर्णय

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए ब्याज दरों पर सावधानीपूर्वक विचार करना जरुरी है, भले ही हाल ही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जून 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई है। यह कमी काफी हद तक खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण हुई है। अप्रैल-जून तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.7 प्रतिशत ही, जो आरबीआई के 2.9 प्रतिशत के अनुमान से कम है। वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई मुद्रास्फीति के औसतन 3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025 में दर्ज 4.6 प्रतिशत से काफी कम है। यह जुलाई-सितंबर की अवधि में लगभग 2.5 प्रतिशत और अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में 2.6 प्रतिशत तक हो सकती है। हालांकि मौजूदा स्थिति अनुकूल दिख रही है, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं रहेगी। इस साल की तेज गिरावट अगले वित्त वर्ष के लिए एक प्रतिकूल आधार प्रभाव पैदा करेगी। अनुमान है कि अप्रैल-जून 2026 में मुद्रास्फीति बढ़कर 5 प्रतिशत होगी, और वित्त वर्ष 2027 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2026 के संभावित औसत 3 प्रतिशत से काफी अधिक है। अतीत में भी ऐसा देखा गया है कि कम मुद्रास्फीति की अवधि के बाद इसमें तेजी से वृद्धि हुई है। नवंबर 2018 से जनवरी 2019 तक सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 2.1 प्रतिशत थी, लेकिन एक साल बाद आधार प्रभाव और बढ़ती खाद्य कीमतों के कारण यह 7.5 प्रतिशत से अधिक हो गई। जून 2017 में सीपीआई मुद्रास्फीति 1.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई थी, लेकिन 2018 के मध्य तक यह करीब 5 प्रतिशत हो गई।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए निहितार्थ

इस पृष्ठभूमि में, एमपीसी को संयम बरतना होगा। यदि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मुद्रास्फीति 5 प्रतिशत तक बढ़ जाती है और वित्त वर्ष 2027 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहती है, तब वास्तविक ब्याज दर कम होकर 50-100 आधार अंक होगी। यदि रेपो दर में और कटौती करके 5 प्रतिशत कर दिया जाता है,वास्तविक दर और घटकर शून्य तक हो जाएगी, जो मध्यम अवधि की व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए आदर्श स्थिति नहीं हो सकती है। इसलिए, दरों में कटौती से अस्थिरता आ सकती है।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धिदर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 और 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। दोनों ही आंकड़ों में थोड़ा संशोधन किया गया है, जो अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में ज्यादा अनुकूल बाहरी वातावरण को दर्शाता है। आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अपने अनुमान को 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को भी 10 आधार अंक (बीपीएस) बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में वैश्विक विकास दर 3.0 फीसदी और 2026 में 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो अप्रैल 2025 के विश्व आर्थिक परिदृश्य से ऊपर की ओर संशोधन है। यह टैरिफ से पहले अग्रिम भुगतान, कम प्रभावी टैरिफ दरों, बेहतर वित्तीय स्थितियों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में राजकोषीय विस्तार को दर्शाता है। रिपोर्ट में आगे कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी मुद्रास्फीति के लक्ष्य से ऊपर रहने का अनुमान है। संभावित रूप से उच्च टैरिफ, बढ़ी हुई अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव से नकारात्मक जोखिम बना हुआ है। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, 2025 में विकास दर 4.1 फीसदी और 2026 में 4.0 फीसदी रहने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति 2025 में 4.2 फीसदी और 2026 में 3.6 फीसदी गिरने की उम्मीद है, जो अप्रैल में अनुमानित दर के समान है। आईएमएफ रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूईओ के लिए जोखिम नकारात्मक दिशा में बने हुए हैं, जैसा कि अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में था।

27 राज्यों में स्थापित होगा प्रधानमंत्री एकता मॉल

स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को बढ़ावा

आवश्यक भूमि राज्य सरकारें निःशुल्क उपलब्ध कराएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार ने 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी), भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों और देशभर के हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए राज्यों में प्रधानमंत्री एकता मॉल स्थापित करने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए देश के 27 राज्यों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के तहत वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसकी जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में दी।

केंद्रीय बजट 2023-24 में घोषित योजना के तहत, वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा 'राज्यों को पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता योजना के भाग-छठवें (एकता मॉल) के तहत 5,000 करोड़ आवंटित किए गए थे। योजना के अनुसार, प्रत्येक राज्य को एक एकता मॉल के निर्माण के लिए वित्तीय

सहायता मिलेगी। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की अनुशंसा पर 27 राज्यों के एकता मॉल के डीपीआर को व्यय विभाग द्वारा मंजूरी दी गई। अब तक 4,795.87 करोड़ की राशि स्वीकृत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश को उसके आकार और जनसंख्या को ध्यान में रखकर विशेष छूट दी गई है। यूपी में आगरा, लखनऊ और वाराणसी में तीन एकता मॉल बनाए जाएंगे। इन तीनों परियोजनाओं के लिए कुल 370.25 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं।

मोदी सरकार की योजना के तहत, एकता मॉल के लिए आवश्यक भूमि राज्य सरकारें निःशुल्क उपलब्ध कराएगी, या भूमि अधिग्रहण की लागत राज्य सरकार खुद वहन करेगी। एकता मॉल को राज्य की राजधानी या प्रमुख पर्यटन स्थल पर स्थापित किया जाएगा है। प्रधानमंत्री एकता मॉल देश की सांस्कृतिक विविधता, स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को एक मंच पर लाने की दिशा में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विज़न को साकार करेगा। यह न केवल स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों को राष्ट्रीय पहचान देगा, बल्कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को भी भारत के समृद्ध हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा।

टाटा मोटर्स कर रही एलविको से डील! निवेशक हुए निराश, गिरे कंपनी के शेयर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टाटा मोटर्स यूरोप की जानी-मानी ट्रक निर्माता कंपनी एलविको को करीब 4.5 अरब डॉलर यानी करीब 37,000 करोड़ रुपए में खरीदने की तैयारी कर रही है। यह सौदा टाटा ग्रुप का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा सौदा होगा। इससे पहले 2007 में टाटा स्टील ने कोरस ग्रुप को 12 अरब डॉलर में खरीदा था। इस डील ने टाटा मोटर्स के निवेशकों को निराश किया है। कंपनी के शेयर करीब पौने चार फीसदी टूट गए। टाटा मोटर्स के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई से 45 फीसदी से ज्यादा टूटे जबकि मार्केट हरे निशान पर है और सेंसेक्स-निफ्टी में भी बढ़त है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि टाटा मोटर्स और एलविको के बोर्ड इस प्रस्ताव पर मुहर लगा सकते हैं। इसके बाद सौदे की औपचारिक घोषणा की जाएगी। टाटा मोटर्स, इटली के ट्यूरिन स्थित एलविको में फिलहाल एक्सॉर की 27.1 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। यह डील टाटा मोटर्स के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है।

सीसीआई ने निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदने को मंजूरी दी

मुंबई (ईएमएस)। सीसीआई (भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग) ने रेनो ग्रुप बी.वी. और रेनो एस.ए.एस. द्वारा रेनो निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह अधिग्रहण निसान मोटर कंपनी लिमिटेड, जापान और निसान ओवरसीज इन्वेस्टमेंट्स बी.वी. द्वारा रेनो-निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में रखी गई इक्विटी और पूरी तरह से चुकता जीरो-कूपन, नॉन-कन्वर्टिबल, रिडीमेबल प्रेफरेंस शेयरों से संबंधित है। रेनो ग्रुप बी.वी.: यह कंपनी वैश्विक स्तर पर पैसेंजर कार, हल्के कमर्शियल वाहन और इलेक्ट्रिक वाहनों के डिज़ाइन, निर्माण और मार्केटिंग में शामिल है। यह मोबिलिटी सेवाएँ भी प्रदान करती है। रेनो एस.ए.एस.: यह मोटर वाहनों के निर्माण, व्यापार, मरम्मत, रखरखाव और किराए पर देने के कार्यों में संलग्न है। साथ ही, यह वाहन निर्माण से जुड़े उपकरण और पार्ट्स का उत्पादन व संबंधित सेवाएँ भी प्रदान करती है। दोनों अधिग्रहणकर्ता कंपनियाँ अंततः रेनो एस.ए. के नियंत्रण में हैं और रेनो ग्रुप का हिस्सा हैं। यह कंपनी भारत में पैसेंजर वाहनों का निर्माण और असेम्बली करती है, जिसमें ट्रांसमिशन, वाहन के पुर्जे और अन्य संबंधित सेवाएँ शामिल हैं। ये सेवाएँ रेनो और निसान दोनों को प्रदान की जाती हैं।

अधिग्रहण का प्रभाव

इस प्रस्तावित अधिग्रहण से रेनो ग्रुप भारतीय वाहन निर्माण उद्योग में अपनी स्थिति को और मज़बूत करेगा। यह भारत में विदेशी निवेश को बढ़ावा देगा और भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र में तकनीकी सहयोग व उत्पादन क्षमता में वृद्धि होने की संभावना है। सीसीआई की मंजूरी के बाद यह सौदा अब आधिकारिक रूप से आगे बढ़ सकेगा।

साल 2025 अप्रैल-जून तिमाही में जीएसटी संग्रह 10.7 फीसदी बढ़ीः वित्त राज्यमंत्री

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में औसत मासिक शुद्ध जीएसटी संग्रह 10.7 फीसदी बढ़कर 1,80,774 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में औसत मासिक शुद्ध जीएसटी संग्रह 1,63,319 करोड़ रुपए था। मंगलवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में चौधरी ने कहा कि जीएसटी परिषद की सिफारिशों पर सरकार ने स्मॉल बिजनेस सेक्टर के लाभ के लिए कई उपाय किए हैं।

अगर छोटे और मध्यम उद्यम राज्य के अंदर कर योग्य वस्तुओं की आपूर्ति में शामिल हैं साथ ही उनका कारोबार एक वित्त वर्ष में 40 लाख रुपए से अधिक नहीं है तो उन्हें जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने की जरुरत से छूट दी जाती है। इसी तरह अगर किसी वित्त वर्ष में राज्य के अंदर या अंतर-राज्यीय कर योग्य सेवाओं की आपूर्ति में शामिल व्यक्तियों का कुल कारोबार 20 लाख रुपए से अधिक नहीं है तो उन्हें जीएसटी पंजीकरण की जरुरत नहीं है। जीएसटी में कंपोजिशन लेवी योजना, कर लगाने की एक वैकल्पिक और सरल विधि है, जो छोटे और मध्यम करदाताओं के लिए है, जिनका कारोबार तय सीमा तक है। वस्तुओं के व्यापारियों और वस्तुओं के निर्माताओं द्वारा आपूर्ति पर एक फीसदी (सीजीएसटी अधिनियम के तहत 0.5 फीसदी और संबंधित एसजीएसटी अधिनियम के तहत 0.5 फीसदी) की एक समान दर से कर देय है और रेस्टोरेंट द्वारा आपूर्ति पर 2.5 फीसदी कर देय है। पिछले वित्त वर्ष में पांच करोड़ रुपए तक के वार्षिक कारोबार वाले सभी पात्र पंजीकृत व्यक्ति कर के मासिक भुगतान के साथ तिमाही रिटर्न दाखिल करने का विकल्प चुन सकते हैं।

बैंक 14 दिन रहेंगे बंद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अगले माह यानी अगस्त में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन के लिए बैंक में काम-काज नहीं होगा। अगस्त माह में 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन ऐसे हैं जो अलग-अलग जगहों पर बैंकों में अवकाश रहने वाला है। अब यदि अगस्त माह में आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम-काज करना है तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। दरअसल अगस्त माह में आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे यहां देखें- रविवार- 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त, 24 अगस्त और 31 अगस्त को होने के कारण बैंक बंद रहेंगे।

सेबी ने दी मंजूरी....भारत में भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए

मुंबई (ईएमएस)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत में आंशिक (फ्रैक्शनल) शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए एक स्टार्टअप के प्रस्ताव को मंजूर किया है। यह निर्णय भारतीय इक्विटी बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि निवेशक अब पूरे शेयर खरीदने के बजाय उसके एक या कुछ हिस्से का व्यापार कर सकते है।

दरअसल आंशिक शेयर ट्रेडिंग वह व्यवस्था है जहाँ निवेशक एक पूरे शेयर की खरीद-फरोख्त के बजाय उसके एक छोटे हिस्से का व्यापार कर सकते हैं। यह प्रणाली अमेरिका जैसे देश में काफी लोकप्रिय रही है। यह उन निवेशकों के लिए फायदेमंद है जो अधिक महंगे शेयरों में निवेश करना चाहते हैं लेकिन उनके पास पूरे शेयर खरीदने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं होती। इसके लिए सेबी ने एक बड़ा कदम उठाकर भारत में आंशिक शेयर ट्रेडिंग के परीक्षण के लिए मंजूरी दी है।

यह निर्णय सेबी के 2021 के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दिखाता है, जब सेबी ने इसी तरह के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। जनवरी 2021 में, जीरोधा और स्टॉक हिस्सा डॉट कॉम ने आंशिक शेयर ट्रेडिंग की अनुमति मांगी थी, लेकिन उनके आवेदन को नियामक ने खारिज कर दिया था। उस समय, उनका मॉडल एक होल्डिंग इकाई पर निर्भर था जो पूरे शेयर खरीदती और फिर उसका हिस्सा बेचती, जिससे नियामकीय और संरचनात्मक चुनौतियां उत्पन्न हो सकती थीं।

लेकिन इस महीने की शुरुआत में, बेंगलूरु की जॉल्ट्स भी आंशिक शेयर ट्रेडिंग का परीक्षण करने के लिए सेबी के इनोवेशन सैंडबॉक्स में शामिल हुई थी। जॉल्ट्स के सह-संस्थापक नीरज सिंह ने बताया कि अगले 3 से 4 महीनों में कंपनी सेबी और बाजार के अन्य भागीदारों के समक्ष विभिन्न उपयोग-मामलों का प्रदर्शन करेगी।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि उनके सफल आवेदन का मूल आधार संरक्षण का ढांचा था, जिसमें आंशिक शेयर ब्रोकर के पास रहने की बजाय डिपॉजिटरी में रखे जाएंगे। उन्होंने बताया,

हम डिपॉजिटरी के साथ मिलकर काम करने वाले हैं और इस डिपॉजिटरी स्तर पर रखने वाले हैं। मगर स्वामित्व उपयोगकर्ता के खाते में या सीधे उपयोगकर्ता के पास होगा। डिपॉजिटरी के जरिये ब्रोकर आंशिक शेयर खरीद-बिक्री के लिए पेश कर सकते है। जॉल्ट्स स्मार्ट अनुबंध आधारित ट्रेड निपटान में प्रयोग करने के लिए क्लियरिंग कॉरपोरेशन के साथ भी सहयोग करने की योजना बना रही है। सेबी से प्रक्रिया आगे बढ़ाने की अनुमति मिलने के बाद एक विशिष्ट डिपॉजिटरी निर्धारित की जाएगी। हालांकि व्यापक स्तर पर लाइव परीक्षण तभी शुरू होगा जब सेबी जॉल्ट्स को नियामकीय सैंडबॉक्स में स्थानांतरित कर देगा। यह विकास भारतीय खुदरा निवेशकों के लिए उच्च मूल्य वाले शेयरों में निवेश को अधिक सुलभ बना सकता है, जिससे भारतीय शेयर बाजार में अधिक भागीदारी और तरलता आ सकती है।

जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगा अंबानी परिवार

बैठक में होगा इसका फैसला

मुंबई (ईएमएस)। देश का दिग्गज कारोबारी परिवार अंबानी जियो वित्तीय सर्विसेज में 10,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकता है। घटनाक्रम के जुड़े शख्स ने बताया कि कंपनी का प्रवर्तक अंबानी परिवार जियो वित्तीय सेवा में अपनी हिस्सेदारी 5 फीसदी तक बढ़ा सकता है। इससे कंपनी में उनकी कुल हिस्सेदारी मौजूदा 47 से बढ़कर 51 फीसदी से अधिक होगी।

नए शेयर का भाव 320 से 325 रुपये के बीच रह सकता है। हालांकि यह कंपनी बोर्ड और नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करेगा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर जियो वित्तीय का शेयर बुधवार को 321 रुपये पर बंद हुआ जिससे इसका कुल बाजार पूंजीकरण 2.03 लाख करोड़ रुपये रहा।

अंबानी परिवार अपनी वित्तीय सेवा इकाई में ताजा पूंजी डालने वाला अकेला नहीं है। इस महीने की शुरुआत में अदार पूनावाला के स्वामित्व वाली कंपनी पूनावाला फिनकॉर्प ने 1,500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिससे इसकी नेटवर्थ बढ़कर 9,700 करोड़ रुपये हो गई और खुदरा ऋण कारोबार में कंपनी की विस्तार की रणनीति को भी बल मिला।

टाटा संस की गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी टाटा कैपिटल इस साल सितंबर से पहले 2 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना तैयार कर रही है। आईपीओ से मिलने वाले पैसों का उपयोग कंपनी तेजी से बढ़ते भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए करेगी। जियो वित्तीय जुलाई 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग कंपनी बनी थी। यह तेजी से ऋण, बीमा और परिसंपत्ति प्रबंधन में अपना विस्तार कर रही है और भारतीय वित्तीय सेवा बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए जियो वित्तीय को नई पूंजी की आवश्यकता है। बैंकरों ने कहा कि बीमा सहित व्यापक बाजार में प्रवेश से पहले ताजा पूंजी निवेश से कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत होने की उम्मीद है।

ट्रंप ने फिर दी धमकी कहा, जल्द ट्रेड डील करे भारत, वरना लगा दूंगा 25 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन (ईएमएस)। वैसे तो टैरिफ के नाम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया को धमका रहे है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आज ही उन्होंने साफतौर पर कह दिया भारत जल्द डील करे वरना 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा।भारत सरकार ने अमेरिका से 1 अगस्त की डेडलाइन को टालने की अपील की है। यह तारीख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड्र ट्रंप के द्वारा तय की गई है। ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा है कि अगर इस तारीख तक भारत-अमेरिकी के बीच ट्रेड डील नहीं होती है तो वह भारत पर 20-25 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकते हैं।यह जानकारी इस मामले से जुड़े सरकारी सूत्रों ने दी है। मंगलवार को एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि भारत अच्छा दोस्त है, लेकिन उसने लगभग हर देश से ज्यादा टैरिफ वसूले हैं। यह अब नहीं चल सकता। भारत पर अधिक टैरिफ लगाया जा सकता है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह 1 अगस्त की डेडलाइन को आगे बढ़ाए ताकि 25 अगस्त को नई दिल्ली में होने वाले अगले दौर की वार्ता तक समझौते की संभावनाएं खुली रहें। भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "दोनों पक्ष बातचीत में लगे हुए हैं। अभी दो दिन बाकी हैं। कुछ भी हो सकता है। उम्मीद है कि अमेरिका-समय देगा, लेकिन अंतिम फैसला वहां की सरकार को ही लेना है।भारत के वाणिज्य मंत्री ने पिछले सप्ताह कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 1 अगस्त की ट्रंप द्वारा तय डेडलाइन से पहले व्यापार समझौता हो सकता है। लेकिन ट्रंप के इस नए बयान ने भारत सरकार की राजनयिक चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि नई दिल्ली इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है। क्या दोनों देश समझौते की दिशा में निर्णायक कदम उठा पाते हैं।अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीयर ने बताया, हमें भारत के साथ और बातचीत की जरूरत है। हम हमेशा भारत के साथ रचनात्मक संवाद करते रहे हैं, लेकिन अब यह देखना होगा कि भारत सरकार इस समझौते के लिए कितनी महत्वाकांक्षा दिखाती है। मंगलवार को अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक ने इंटरव्यू में कहा कि अब खुद राष्ट्रपति ट्रंप यह तय करेंगे कि भारत के प्रस्ताव को स्वीकार करना है या टैरिफ लागू करना है। उन्होंने कहा, अमेरिका के साथ सौदे की कीमत है पूरी तरह खुला बाजार। यह ब्लैक एंड व्हाइट की तरह साफ है।ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में भारी घाटा हो रहा है। 2024 में अमेरिका ने 87.4 अरब डॉलर का सामान भारत से आयात किया, जबकि भारत ने अमेरिका से केवल 41.8 अरब डॉलर का आयात किया। इस तरह 45.7 अरब डॉलर का व्यापार घाटा अमेरिका को झेलना पड़ा। अमेरिका के भारत से प्रमुख आयातों में दवाइयां, मोबाइल और संचार उपकरण के साथ-साथ कपड़े शामिल हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने पहले 2 अप्रैल 2025 को भी भारत से आयात पर 26% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, जिसे बाद में रोक दिया गया। हालांकि, अब एक बार फिर उन्होंने सीधे तौर पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई है। हालांकि अभी तक भारत को लेकर कोई आधिकारिक पत्र या नोटिस अमेरिका की ओर से नहीं भेजा गया है, जैसा कि ट्रंप ने अन्य देशों के साथ किया है।

भारत की बड़ी तैयारी, द रेजिस्टेंस फ्रंट को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित कराएगा

न्यूयार्क,(ईएमएस)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत अब द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित कराने की तैयारी में है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएसी) की 1267 प्रतिबंध समिति की मॉनिटरिंग कमेटी ने अपनी ताजा रिपोर्ट में टीआरएफ का आधिकारिक रूप से जिक्र किया है, जो इस पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत पहलगाम हमले का बदला सीधे सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि राजनयिक और अंतरराष्ट्रीय दबाव के जरिए ले रहा है। टीआरएफ को यूएनएससी द्वारा वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित कराना इसी रणनीति का हिस्सा है। अमेरिका पहले ही टीआरएफ पर प्रतिबंध लगा चुका है, जिससे पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा है। भारत यूएनएससी में टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित कराने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है।यूएनएससी की 1267 प्रतिबंध कमेटी की मॉनिटरिंग कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में टीआरएफ का जिक्र किया है और यह भी माना है कि टीआरएफ ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी दो बार ली थी। इस रिपोर्ट में टीआरएफ और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के बीच संबंधों का भी उल्लेख है। यदि टीआरएफ को यूएनएससी द्वारा प्रतिबंधित किया जाता है, तब यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ी राजनयिक हार होगी, क्योंकि यह संगठन पाकिस्तान से जुड़ा हुआ माना जाता है। यह पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर और अलग-थलग कर देगा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उसकी दोहरी नीति को उजागर करेगा।यूएनएससी की 1267 प्रतिबंध कमेटी की मॉनिटरिंग कमेटी की रिपोर्ट में टीआरफए का जिक्र होना कई मायनों में महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट में टीआरएफ द्वारा पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने की बात को स्वीकार किया गया है, भले ही बाद में टीआरएफ ने अपनी जिम्मेदारी वापस ले ली हो। इतना ही नहीं रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि एक सदस्य देश का मानना है कि पहलगाम हमला लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के समर्थन के बिना संभव नहीं था और टीआरएफ और एलईटी के बीच संबंध हैं।मॉनिटरिंग कमेटी की रिपोर्टें सुरक्षा परिषद के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय होते हैं। इसका मतलब है कि सभी सदस्य देश टीआरएफ की गतिविधियों और उसकी संलिप्तता को लेकर एकमत हैं। यह पाकिस्तान के उन दावों को खारिज करता है जिसमें उसने यूएनएससी के प्रेस बयान से टीआरएफ का जिक्र हटाने की बात कही थी।इस रिपोर्ट के बाद टीआरएफ को यूएनएससी द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित कराना आसान हो जाएगा। यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी का कारण बनेगा और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाएगा।

संक्षिप्त ख़बरें

इज़रायल के सामने रखी ब्रिटेन ने शर्त, नहीं मानने पर फ़िलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता

लंदन,(ईएमएस)। ब्रिटेन ने इजरायल से गाजा में मानवीय स्थिति सुधारने और शांति के लिए गंभीर कदम उठाने की अपील की है। लेकिन अगर इज़रायल ऐसा नहीं करता है, तब ब्रिटेन सितंबर में फ़िलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे सकता है। इस कदम का उद्देश्य द्वि-राज्य समाधान (इजरायल और फ़िलिस्तीन दोनों के लिए स्वतंत्र राज्य) की संभावना को बचाना है, जो अब कमजोर होता दिख रहा है।दरअसल ब्रिटिश सरकार ने इज़रायल से ये अपील की है: संयुक्त राष्ट्र को गाजा में लोगों तक खाने-पीने की मदद पहुँचाने की अनुमति दे। जल्द से जल्द युद्धविराम के लिए सहमत हो। यह स्पष्ट करे कि वह वेस्ट बैंक (पश्चिमी तट) पर कब्जा नहीं करेगा। इतना ही नहीं ब्रिटेन ने हमास से सभी बंधकों को तुरंत रिहा करने की अपील की गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा है कि फ़िलिस्तीन को मान्यता देने का फैसला कुछ शर्तों पर निर्भर करेगा और इसका मुख्य लक्ष्य जमीनी हालात को बदलना है। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि द्वि-राज्य समाधान क्षेत्र के भविष्य के लिए सबसे अच्छा रास्ता है। उन्होंने कहा कि इज़रायल को सुरक्षित सीमाओं के भीतर शांतिपूर्वक रहने का अधिकार है, और फ़िलिस्तीनियों को भी एक स्वतंत्र देश में सम्मान और सुरक्षा के साथ जीने का हक मिलना चाहिए। लैमी ने कहा कि मदद मांगते बच्चों पर गोली चलाने और उनकी जान लेने की घटना से पूरी दुनिया आहत है। शनिवार को नौ राजनीतिक दलों के 200 से अधिक सांसदों ने सरकार से फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की अपील करते हुए एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।बात दें कि ब्रिटेन इज़रायल पर दबाव डाल रहा है कि वह गाजा में स्थिति सुधारे और शांति के लिए काम करे, अन्यथा वह फ़िलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने पर विचार करेगा। इस कदम का मकसद द्वि-राज्य समाधान की अवधारणा को पुनर्जीवित करना है।

मैं फ्लाइट में बम लगाऊंगा! अमेरिका को दूंगा मौत! फिर कहा अल्लाहु अकबर!

लंदन,(ईएमएस)। ब्रिटेन में एक ईजीजेट विमान को आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। एक भारतीय नागरिक ने फ्लाइट के अंदर बम से उड़ाने की धमकी देते हुए नारे लगाने लगा यात्रियों और क्रू मेंबर को डराने लगा। आरोपी की पहचान 41 साल के अभय देवदास नायक के रूप में हुई है, जो लुटन में रहता है। इस घटना के बाद आरोपी को ग्लास्गो एयरपोर्ट पर उतरते ही गिरफ्तार कर लिया और सोमवार को उसे पैस्ले शेरिफ कोर्ट में पेश किया गया। मुकदमा सोलम्न प्रक्रिया के तहत चलाया जा रहा है, जो स्कॉटलैंड में गंभीर अपराधों की सुनवाई के लिए अपनाई जाती है।बता दें देवदास नायक को अदालत ने हिरासत में भेज दिया। अब अगली पेशी 5 अगस्त को होगी। बता दें फ्लाइट रविवार सुबह 7 बजे लुटन से ग्लास्गो के लिए रवाना हुई थी। बीच रास्ते में नायक अचानक टॉयलेट से बाहर निकलकर जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसने कहा कि मैं फ्लाइट में बम लगाऊंगा! अमेरिका को दूंगा मौत! ट्रंप को मौत! अल्लाहु अकबर!" वह महिला एयर होस्टेस को धक्का दे रहा था और आक्रामक हो गया। इस हरकत से यात्रियों में दहशत फैल गई।फ्लाइट की पंक्ति 21 में बैठे एक यात्री ने तत्काल स्थिति को संभालते हुए देवदास नायक को पकड़कर गिरा दिया और दबोच लिया। दो अन्य यात्रियों ने भी उसके पकड़ लिया। नायक की जेबों की तलाशी ली गई और बैग की जांच भी की गई। एक यात्री ने बताया कि उसके पास शरणार्थी पहचान पत्र था और वह भारतीय नागरिक लग रहा था। पूछे जाने पर उसने कहा कि मैं ट्रंप को संदेश देना चाहता था। फ्लाइट को ग्लास्गो एयरपोर्ट के एक दूरस्थ हिस्से में उतारा गया, जहां फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम पहले से ही मौजूद थी। देवदास नायक को हथकड़ी लगाकर विमान से उतारा। एयरलाइन ने बयान जारी कर कहा, हमारे क्रू को ऐसी परिस्थितियों में तेजी से फैसला लेने और उड़ान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। हम किसी भी स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा से समझौता नहीं करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की बहस पर पाकिस्तान को लगी मिर्ची, नहीं दे पा रहा जवाब

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में मंगलवार को बहस हुई। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार की जवाबी कार्रवाई के लिए दो दिन का विशेष लोकसभा सत्र जैसे ही शुरू हुआ। देश की राजनीति में उबाल आ गया। सत्ता पक्ष ने पीएम मोदी के सरकार की तारीफ की, वहीं विपक्ष ने हमले से पहले की सुरक्षा चूक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठे सवालों को लेकर सरकार को घेरा।बता दें करीब दो घंटे के भाषण में पीएम मोदी ने पाकिस्तान और कांग्रेस दोनों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग पूछ रहे हैं कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) अभी तक क्यों नहीं लिया, पहले ये बताएं कि पीओके को जाने किसने दिया था? भारत में हो रही इस बहस पर पाकिस्तान को इतनी मिर्ची लगी कि उसे जवाब देता नहीं बन रहा है। शफकत अली खान ने कहा कि हम लोकसभा की कार्यवाही पर नजर रख रहे हैं। पाकिस्तान उचित समय पर अपनी प्रतिक्रिया देगा।पीएम मोदी ने बताया कि पाकिस्तान एक बड़ा हमला करने का प्लान बना रहा था, लेकिन भारत ने साफ कह दिया कि उसे यह बहुत महंगा पड़ेगा। पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा कि 9 मई की रात अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने मुझसे बात करने की कोशिश की। उन्होंने एक घंटे तक कोशिश की, लेकिन मैं अपनी सेना के साथ बैठक में था, इसलिए मैं उनका फोन नहीं उठा सका। बाद में मैंने उन्हें वापस फोन किया तो अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने बताया कि पाकिस्तान बड़ा हमला करने वाला है।पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को अभी तक वापस क्यों नहीं लिया, यह पूछने वाले बताएं कि उसे जाने किसने दिया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी थी लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी सेना के हौसले बढ़ाने की बजाय उसका मनोबल गिराने में लगे थे। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद किसी भी देश के नेता ने भारत से सैन्य कार्रवाई बंद करने को नहीं कहा।

समुद्र में छह मीटर ऊंची लहरों के बीच चीन के जे-36 ने युद्धपोत पर की लैंडिंग

यह कारनामा देख अमेरिका-रुस जैसे देश भी हैरान, ड्रैगन ने पेश की नई चुनौती

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन के जे-36 स्टील्थ फाइटर जेट ने समुद्र में छह मीटर ऊंची लहरों के बीच आसानी से अपने युद्धपोत पर लैंड कर कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। ऐसा करना दुनिया के सबसे खतरनाक माने जाने वाले अमेरिका के एफ-16 और रूस के सुखोई एसयू-57एम के लिए भी मौजूदा वक्त में संभव नहीं है। चीन ने यह महारत हासिल कर भारत, रूस और अमेरिका जैसे देशों के लिए नई चुनौती पेश कर दी है। चीन ने न केवल युद्ध का मैदान बदल दिया, बल्कि यह दिखा दिया कि वह उन जगहों पर लैंडिंग कर सकता है, जहां कोई और फाइटर पायलट हिम्मत भी नहीं जुटा सकता।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जेट की गिन्कगो पत्ती जैसी फ्लाइंग विंग डिज़ाइन और तीन डब्ल्यूएस-19 इंजनों की ताकत इसे आसमान में बिजली की तरह चमकाती है। 23 मीटर लंबा और 54 टन वजनी यह जेट जे-20 से ज्यादा हथियार ले जा सकता है, जिसमें सुपरसोनिक मिसाइलें और लंबी दूरी की पीएल-15 मिसाइलें शामिल हैं, लेकिन इसकी असली ताकत है समुद्र के सबसे बेकाबू तूफानों में लैंडिंग करना। सामान्य फाइटर जेट्स के लिए विमानवाहक पोत पर लैंडिंग आसान नहीं होती, खासकर जब छह मीटर ऊंची लहरें, तेज हवाएं और डेक का हिलना-डुलना सब कुछ मुश्किल कर दे।जे-36 की बिना पूंछ वाली डिज़ाइन इसे और चुनौतीपूर्ण बना देती है, लेकिन चीन ने इसे डायरेक्ट फोर्स कंट्रोल सिस्टम से लैस किया है। यह सिस्टम रोबोटिक्स से प्रेरित है और कंट्रोल सरफेस को पलक झपकते समायोजित करता है, जिसके चलते यह जेट तूफानी समुद्र में भी लेजर जैसी सटीकता से लैंड कर सकता है। 2025 में साउथ चाइना सी में हुए टेस्ट में जे-36 ने फुजियान विमानवाहक पर ऐसी परिस्थितियों में लैंडिंग कर सबको चौंका दिया, जहां पश्चिमी नौ सेनाएं पीछे हट जाती हैं।फुजियान के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट्स के साथ यह जेट दक्षिण चीन सागर और हिंद महासागर में चीन की नौसैनिक ताकत को नई ऊचाइयों पर ले जाता है। जहां अमेरिकी या अन्य नौसेनाएं तूफानों में रुक जाती हैं, जे-36 उड़ान भरता और लैंड करता है। इसका रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम इसे युद्ध में अजेय बनाते हैं। जे-36 सिर्फ़ एक जेट नहीं, बल्कि चीन की उस महत्वाकांक्षा का प्रतीक है, जो बताता है कि हम वहां जाएंगे, जहां कोई और नहीं जा सकता।

खैबर पख्तूनवा इलाके में पाक सेना ने लगाया कर्फ्यू, तीन आतंकवादियों को किया ढेर

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा इलाके की बाजौर जिले के 16 इलाकों में अचानक कर्फ्यू लगाकर पाकिस्तान सेना ने अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में गनशिप हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके चलते स्थानीय लोग मारे जा रहे हैं। अभी तक हुई कार्रवाई में पाक सेना का दावा था कि उसने तीन आतंकवादियों को मार गिराया है।पाकिस्तान सेना के आदेश पर बाजौर जिले के डिप्टी कमिश्नर ने आदेश निकालकर 29 जुलाई सुबह 5 बजे से लेकर 31 जुलाई की शाम 5 बजे तक 16 इलाकों में कर्फ्यू लगाने का ऐलान कर दिया है। इस बाबत जारी आदेश में बाजौर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा है कि इस अवधि में तमाम स्थानीय नागरिक ना तो अपने घरों से बाहर निकले और ना ही सड़कों पर कोई सवारी वगैरह आए क्योंकि सेना एक बड़ा अभियान चलाने जा रही है। जिन इलाकों के नाम दिए गए हैं उनमें आगरा.. लहारी.. जराय.. किटकोट.. तारखों ..कुरछाई.. इराब.. गिलाई.. नख्तर.. कलान आदि शामिल है।

अगर दोबारा हमला किया तो उसका जवाब ऐसा होगा कि छिपा भी नहीं सकेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की चेतावनी के बाद ईरान ने दी सीधी धमकी

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान और पश्चिमी देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव का सिलसिला कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर हो गया है लेकिन ईरान और अमेरिका के बीच जुबानी जंग एक बार फिर गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका को सीधी धमकी दे दी है कि अगर अमेरिका या इज़राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर दोबारा हमला किया, तो उसका जवाब ऐसा होगा कि छिपाया भी नहीं जा सकेगा।ईरानी विदेश मंत्री की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने धमकी दी थी कि अगर ईरान ने फिर से परमाणु गतिविधियां शुरू कीं तो अमेरिका उसे खत्म कर देगा। ट्रंप के इस बयान के बाद अराघची ने एक्स पर पोस्ट में धमकी दी कि अगर ईरान पर दोबारा ऐसा आक्रामक हमला हुआ, तो हम पहले से ज्यादा निर्णायक और कठोर जवाब देंगे। कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है, धमकियां नहीं।ईरान ने अमेरिका को इतना कड़ा संदेश इसलिए दिया है कि अमेरिका ने 22 जून को ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत बंकर-बर्स्टर बमों से ईरान के तीन मुख्य परमाणु स्थलों पर हमले किए थे। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बयानबाजी जारी रखी है। जहां भी मौका मिला, ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने और उस पर दोबारा हमले की की बात करते हैं ऐसे में ईरान भी उसे मुंहतोड़ जवाब दे रहा है।इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व पर खतरा बताते हुए उसके खिलाफ ऑपरेशन राइजिंग लायन लॉन्च किया था इसमें 200 से ज्यादा लड़ाकू विमानों ने 100 से ज्यादा लक्ष्यों पर 330 बम और मिसाइलें दागीं थी। इनमें ईंधन संयंत्र, सेंटरफ्यूज वर्कशॉप, मिसाइल बेस और कमांड सेंटर शामिल थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच 12 दिन तक लड़ाई चली और फिर सीजफायर हो गया। हालांकि ईरान तब भी अपना परमाणु कार्यक्रम रोकने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हो रहा है। स्थिति गंभीर है और दुनिया की निगाहें अब इस टिक गई हैं कि क्या दोनों वार्ता से ये मामला सुलझाएंगे या फिर टकराव की स्थिति बनेगी।

गाजा के बिगड़े हालात को लेकर यूरोप देशों में हो रहा इजराइल का कड़ा विरोध

अब नीदरलैंड में इजराइली विदेश मंत्री समेत दो नेताओं की एंट्री पर लगाया बैन

एम्सटर्डम,(ईएमएस)। गाजा में संघर्ष में हजारों बेगुनाह लोगों की मौत के चलते इजराइल का यूरोप में विरोध हो रहा है। एक तरफ फ्रांस ने फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है तो वहीं ब्रिटेन का कहना है कि जब तक गाजा में जंग नहीं रुकती है, तब तक वह भी ऐसे कदम पर विचार कर सकता है। वहीं नीदरलैंड ने भी इजराइल के विदेश मंत्री बेजालेल स्मॉट्रिक और सिक्योरिटी मिनिस्चर इतामार बेन ग्विर के प्रवेश पर बैन लगा दिया है। यूरोपीय देशों ने इजराइल के लिए रिसर्च फंडिंग में कटौती का ऐलान कर दिया है। इस तरह इजराइल अब अकेला पड़ गया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका इजराइल का खुला समर्थन कर रहा है, लेकिन पश्चिमी देशों की तरफ से हाथ खींचा जाना चिंता की बात है। इजराइल ने फ्रांस के कदम पर आपत्ति जताई है। इजराइल का कहना है कि फिलिस्तीन को मान्यता देना तो हमास के आतंकवाद का समर्थन करना और उसे फंड देने जैसा है। वहीं यूरोपीय देश कह रहे हैं इजराइल गाजा में खाने पीने की चीजों को पहुंचने में रुकावट पैदा कर रहा है जिससे वहां के हालात बेहद अमानवीय हैं मासूम बच्चे भूख से मर रहे हैं। इन देशों के दबाव के चलते ही इजराइल ने हर दिन 10 घंटे जंग रोकने की बात कही है ताकि लोगों तक मदद पहुंच सके।वहीं नीदरलैंड का कहना है कि हमारा फैसला इसलिए सही है ताकि गाजा में अमानवीय हालात रोके जा सकें। नीदरलैंड ने कहा कि गाजा में जो हालात हैं, उसे रोकना जरूरी है। नीदरलैंड की ओर से इजराइल के राजदूत मोदी एफरैम को भी तलब किया जाएगा। नीदरलैंड के विदेश मंत्री कासपर वालदेकाम्प की ओर से जारी पत्र में सांसदों से कहा गया है कि इजराइल के इन दो नेताओं की एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि इन लोगों ने फिलिस्तीन के लोगों के खिलाफ हिंसा भड़काने वाली बात कही है। इन्हीं के चलते गाजा के हालात और बिगड़ गए हैं। बता दें यूरोपियन यूनियन इस मामले में अमेरिका की राय से सहमत नहीं है।

धरती की तरफ बढ़ रहा रहस्यमयी ऑब्जेक्ट यह एलियंस का विमान तो नहीं!

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी कहीं सही साबित न हो जाए, वैज्ञानिक परेशान

बल्गेरिया,(ईएमएस)। बाबा वेंगा जिनकी आंखें भी नहीं थीं, उन्होंने सैकड़ों साल बाद होने वाली घटनाओं को बता दिया था। उन्होंने 2025 के बारे में कहा था कि ये वही साल होगा, जब इंसानों का एलियनों से संपर्क होगा। अब वैज्ञानिकों का दावा है कि एक रहस्यमयी ऑब्जेक्ट अंतरिक्ष में धरती की ओर बढ़ रहा है। इसका नाम 3आई/एटलस है, जो शायद एलियन जहाज है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक जुलाई को चिली में एक टेलीस्कोप से इस ऑब्जेक्ट को देखा गया था। अगले 24 घंटे में ही पता चल गया कि ये हमारे सोलर सिस्टम के बाहर से आई चीज़ है। रिपोर्ट के मुताबिक ये धरती की ओर आते हुए देखा गया तीसरा इंटरसेलर है। आशंका है कि ये ऑब्जेक्ट इसी साल नवंबर में धरती के पास पहुंचेगा, जिसके बाद ये सूर्य के पीछे चला जाएगा और धरती से नहीं दिखेगा। यह 1.3 लाख मील प्रति घंटा की रफ्तार से सूर्य की ओर बढ़ रहा है। इसका आकार 10 से 20 किलोमीटर है, जो किसी सामान्य शहर से भी बड़ा है। शुरुआती अनुमान में यह एक धूमकेतु माना गया।हार्वर्ड के प्रोफेसर और उनकी टीम ने दावा किया है कि इसकी कक्षा, संरचना और गति इसे एलियन जासूसी यान साबित कर सकते हैं। बाबा वेंगा ने 2025 में एलियंस से संपर्क की भविष्यवाणी की थी। उन्होंने इसी साल यूरोप में युद्ध, आर्थिक संकट और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में भी कहा था, जो काफी हद तक सही साबित हुई हैं। ऐसे में 3आई/एटलस की टाइमिंग और दिशा को लेकर कई लोग इसे उनकी भविष्यवाणी से जोड़ रहे हैं। इस वक्त डार्क फॉरेस्ट हाइपोथेसिस भी चर्चा में आ गई है, जिसके मुताबिक दुनिया की कुछ उन्नत सभ्यताएं खुद को छिपाकर रखती हैं, ताकि वे किसी खतरे में न आएं। इस एलियन यान को उससे भी जोड़कर देखा जा रहा है।प्रोफेसर का कहना है कि यह वस्तु जानबूझकर ऐसी कक्षा में आ रही है जिसे पृथ्वी से मॉनिटर करना मुश्किल है। ऊपर से इसकी गति इतनी तेज है कि इस वक्त पृथ्वी पर मौजूद तकनीक से इसे रोका या पास से देखा नहीं जा सकता। सोशल मीडिया पर लोग इसे कॉस्मिक ट्रोजन हॉर्स भी कह रहे हैं, जबकि कुछ इसे अंतरिक्ष इतिहास का सबसे बड़ा मौका मान रहे हैं। नवंबर 2025 में 3आई/एटलस की धरती से नजदीकी दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए चुनौती बन चुकी है। वैज्ञानिक इस रहस्य से पर्दा हटाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये सिर्फ कोई असामान्य धूमकेतु है या वाकई दूसरी दुनिया या सभ्यता से इंसान का संपर्क होने वाला है।

दुबई में प्रवासी मजदूरों का जीवन जीना हुआ दूभर, एक कमरे में 20-20 लोग

एक बेडरूम का औसत किराया करीब 1,400 डॉलर

दुबई,(ईएमएस)। लग्जरी टावर और ऊंची-ऊंची इमारतों के लिए मशहूर दुबई में हजारों प्रवासी मजदूरों का जीवन इन दिनों और कठिन हो गया है। प्रशासन ने अवैध रूप से पार्टिशन किए गए अपार्टमेंट्स और भीड़भाड़ वाले किराए के कमरों पर सख्ती शुरू कर दी है। यह कदम जून में दुबई मरीना की 67 मंजिला इमारत में लगी आग के बाद उठाया गया, जिसमें 3800 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला गया था। उस टावर के फ्लैट्स में औसतन सात-सात लोग रह रहे थे।मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि यह कार्रवाई सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और आग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए है। हालांकि, जिन मजदूरों पर इसका सीधा असर पड़ा है, उनके सामने अब समस्या खड़ी हो गई है। दुबई में किराए की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। रियल एस्टेट फर्म एंगेल एंड वोल्कर्स के मुताबिक एक बेडरूम का औसत किराया करीब 1,400 डॉलर है। वहीं, कम आय वाले इलाकों में पार्टिशन वाले कमरे 220 से 270 डॉलर में मिलते हैं और साझा बंक बेड की कीमत आधी होती है। ज्यादातर प्रवासी मजदूर अफ्रीका और एशिया से आते हैं। वे निर्माण, सुरक्षा, सफाई और डिलीवरी जैसे काम करते हैं और अक्सर 300 से 550 डॉलर मासिक कमाते हैं। कई अपने परिवार को पैसे भेजते हैं, जिससे खुद के लिए बहुत सीमित रकम बचती है।हाल में कई प्रवासी अवैध पार्टिशन अपार्टमेंट छोड़ने को मजबूर हुए। अब कुछ लोग 14 से 20 अन्य लोगों के साथ एक कमरे में रह रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें समझ नहीं आ रहा सरकार उनसे क्या चाहती है। बढ़ते किराए के कारण लीगल अपार्टमेंट लेना मुश्किल है और बेघर होने का डर सता रहा है।

ओवल में सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां गुरुवार से यहां द ओवल मैदान में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पांचवे ओर अंतिम क्रिकेट टेस्ट को जीतकर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। मैनचेस्ट में हुए चौथे टेस्ट के अंतिम दिन शानदार बल्लेबाजी कर मैच बचाने से भी भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा है। कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय बल्लेबाज अच्छी लय में हैं और उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाकर मेजबानों पर दबाव डालना रहेगा। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसे इसे बराबरी पर आने के लिए ये मैच जीतना जरुरी है।

भारतीय टीम जहां इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपने नाम कर सीरीज पर 3-1 से कब्जा करना चाहेगी। इस सीरीज में अब तक के मैच बेहद रोमांचक रहे हैं। भारतीय टीम दोनो ही बार करीबी अंतर से हारी है। लॉर्ड्स में उसे 22 रनों से हार का सामना करना पड़। वहीं ड्रॉ रहे मैनचेस्टर टेस्ट की दूसरी पारी में भारतीय टीम के तीन बल्लेबाजों ने शतक लगा दिये। इसमें कप्तान शुभमन के अलावा रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे। इस मैच में बुमराह के नहीं होने से युवा आकाशदीप सिंह को उनकी जगह शामिल किया जाएगा। वहीं मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे। वहीं कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाशदीप ने अभ्यास के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। एजबस्टन में दूसरे टेस्ट में आकाशदीप ने दस विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। लॉर्ड्स में हालांकि वह निरंतरता बनाए नहीं रख पाये। उन्होंने केवल एक विकेट लिया, लेकिन द ओवल की तेज गेंदबाजों के अनुकूल हालातों में आकाशदीप को जल्दी वापसी करने में मदद कर सकती हैं। अब तक इस सीरीज में भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज को आजमाया पर कोई भी प्रभावित नहीं कर पाया। कृष्णा, दूसरे टेस्ट में जीत के बाद से नहीं खेले हैं, जबकि शार्दुल और कंबोज को ओल्ड ट्रैफडर् में अपने पहले स्पैल के बाद कम ही गेंदबाजी करने का मौका मिला।

वहीं दूसरी और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की टीम में चार बदलाव हुए हैं। जैकब बेथेल, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग को टीम में शामिल किया गया है। वहीं स्टोक्स के बाहर होने से कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ओली पोप संभालेंगे।

टीम प्रबंधन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें स्पिनर लियाम डॉसन और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्से अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए सरे के गेंदबाज गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। जैकब बेथेल संभवतः छठे नंबर पर खेलेंगे, जिससे इंग्लैंड के मध्य क्रम में नई प्रतिभाएं जुड़ेंगी। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जेमी स्मिथ संभालेंगे, जो स्टंप के पीछे अपनी जगह बनाए रखेंगे।

इंग्लैंड टीम ओली पोप (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथेल, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग।

भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, नारायण जगदीशन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कम्बोज, अर्शदीप सिंह!

कनाडा में अमेरिका की कोको गाफ टेनिस मुकाबले में रिटर्न शॉट लगाती हुई।

आईसीसी रैंकिंग में जडेजा और ऋषभ को हुआ लाभ

गेंदबाजी रैंकिंग में बुमराह शीर्ष पर बरकरार

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के रविन्द्र जडेजा और ऋषभ पंत को फायदा हुआ है। वहीं यशस्वी जायस्वाल को नुकसान हुआ है। मैनचेस्ट में लगाये शतक से जडेजा को पांच स्थानों का लाभ हुआ है। वह अब बल्लेबाजी रैंकिंग में 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके खाते में अभी 620 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। वहीं ऑलराउंडरों की की सूची में वह नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। उनके कुल 422 अंक हैं और वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक ऊपर हैं। गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 898 रेटिंग अंक लेकर नंबर-1 स्थान पर बने हुए हैं।वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को एक स्थान का लाभ मिला है। उनके 776 अंक हैं। वह अब सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने मैनटेस्टर टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। वहीं सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को तीन स्थान का नुकसान हुआ है। उनके 754 अंक हैं। यशस्वी ने चौथे मैच में अर्धशतक लगाया था पर दूसरी पारी में वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। शीर्ष-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज हैं। इसमें कप्तान शुभमन गिल नौवें नंबर पर हैं। उन्होंने मैनचेस्टर में शतक लगाया था।इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट 904 अंक के सा ही टेस्ट बल्लेबाजों में शीर्ष पर हैं। उन्होंने चौथे मुकाबले में 150 रन बनाये थे। इंग्लैंड के ही बेन डकेट 94 रन बनाने के बाद शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं। वह पांच स्थान की छलांग लगाकर 10वें पर आ गए। कप्तान बेन स्टोक्स आठ स्थान के लाभ के साथ ही सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीन स्थान ऊपर आकर तीसरे पर पहुंच गए हैं।

एशिया कप में पाकिस्तान के बहिष्कार के पक्ष में नहीं है सरकार

पाक को बिना खेले ही जीतने का अवसर नहीं देना चाहती

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में होने वाले मैच का जहां विरोध हो रहा है। वहीं सरकार मैच के बहिष्कार के पक्ष में नहीं है। सरकार का मानना है कि इससे पाक को बिना खेले ही जीतने का अवसर मिल जाएगा। एशिया कप में भारत और पाक की टीमों के बीच 14 सितंबर को मुकाबला होना है। वहीं सरकारी सूत्र के अनुसार पाक का बहिष्कार किये जाने पर उसे बिना खेले ही जीतने का अवसर मिल जाएगा। इससे उसे लाभ ही होगा।भारत सितंबर में खेले जाने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का मेजबान भी है। दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप के मैच यूएई में कराने का फैसला किया है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की पिछले दिनों हुई बैठक में टूर्नामेंट के कार्यक्रम पर सहमति बन गई है। भारत और पाकिस्तान की टीमों को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इससे साफ है कि अगर भारत और पाकिस्तान फाइनल में पहुंचते हैं तो दोनों के बीच तीन मुकाबले हो सकते हैं। वहीं सरकार का मानना है कि एशिया कप दोनो देशों के बीच की कोई सीरीज नहीं है जिसमें हमें आपस में मैच खेलना हो। यह कई टीमों का टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान से मैच खेलने से इंकार करना उसे लाभ पहुंचाने की तरह होगा। इसमें ओलंपिक का भी उदाहरण दिया गया और कहा गया कि यदि ओलंपिक में भारतीय टीम या खिलाड़ी के खिलाफ पाकिस्तान का एथलीट है तो भी हम क्या नहीं खेलेंगे, अगर नहीं खेलेंगे तो इससे पाक को ही लाभ होगा।

डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल से हटा मुख्य प्रायोजक

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) क्रिकेट में गुरुवार को इंडिया चैम्पियंस और पाकिस्तान चैम्पियंस के बीच होने वाले सेमीफाइनल मैच से ठीक पहले इसके सबसे बड़े प्रायोजक इजीमायट्रिप ने अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में अब इस मैच के आयोजन पर संशय बढ़ गया है। इस प्रायोजक का कहना है कि देश पहले और कारोबार बाद में आता है, इसलिए वह इस टूर्नामेंट से अलग होओवल में सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां गुरुवार से यहां द ओवल मैदान में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पांचवे ओर अंतिम क्रिकेट टेस्ट को जीतकर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। मैनचेस्ट में हुए चौथे टेस्ट के अंतिम दिन शानदार बल्लेबाजी कर मैच बचाने से भी भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा है। कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय बल्लेबाज अच्छी लय में हैं और उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाकर मेजबानों पर दबाव डालना रहेगा। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसे इसे बराबरी पर आने के लिए ये मैच जीतना जरुरी है। भारतीय टीम जहां इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपने नाम कर सीरीज पर 3-1 से कब्जा करना चाहेगी। इस सीरीज में अब तक के मैच बेहद रोमांचक रहे हैं। भारतीय टीम दोनो ही बार करीबी अंतर से हारी है। लॉर्ड्स में उसे 22 रनों से हार का सामना करना पड़। वहीं ड्रॉ रहे मैनचेस्टर टेस्ट की दूसरी पारी में भारतीय टीम के तीन बल्लेबाजों ने शतक लगा दिये। इसमें कप्तान शुभमन के अलावा रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे। इस मैच में बुमराह के नहीं होने से युवा आकाशदीप सिंह को उनकी जगह शामिल किया जाएगा। वहीं मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे। वहीं कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाशदीप ने अभ्यास के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। एजबस्टन में दूसरे टेस्ट में आकाशदीप ने दस विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। लॉर्ड्स में हालांकि वह निरंतरता बनाए नहीं रख पाये। उन्होंने केवल एक विकेट लिया, लेकिन द ओवल की तेज गेंदबाजों के अनुकूल हालातों में आकाशदीप को जल्दी वापसी करने में मदद कर सकती हैं। अब तक इस सीरीज में भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज को आजमाया पर कोई भी प्रभावित नहीं कर पाया। कृष्णा, दूसरे टेस्ट में जीत के बाद से नहीं खेले हैं, जबकि शार्दुल और कंबोज को ओल्ड ट्रैफडर् में अपने पहले स्पैल के बाद कम ही गेंदबाजी करने का मौका मिला।

वहीं दूसरी और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की टीम में चार बदलाव हुए हैं। जैकब बेथेल, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग को टीम में शामिल किया गया है। वहीं स्टोक्स के बाहर होने से कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ओली पोप संभालेंगे। टीम प्रबंधन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें स्पिनर लियाम डॉसन और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्से अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए सरे के गेंदबाज गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। जैकब बेथेल संभवतः छठे नंबर पर खेलेंगे, जिससे इंग्लैंड के मध्य क्रम में नई प्रतिभाएं जुड़ेंगी। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जेमी स्मिथ संभालेंगे, जो स्टंप के पीछे अपनी जगह बनाए रखेंगे।

इंग्लैंड टीम ओली पोप (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथेल, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग।

भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, नारायण जगदीशन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कम्बोज, अर्शदीप सिंह! गया है। इजीमायट्रिप का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ जुड़े किसी भी मैच में शामिल नहीं होती है।

कंपनी के प्रमोटर ने सोशल मीडिया पर लिखा, हम टीम इंडिया चैम्पियंस की डब्ल्यूसीएलमें शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है पर आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते, इसलिए हम इस मैच से अलग हुए हैं। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो।उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों के बहिष्कार के बाद भारत-पाक की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का प्रायोजन करार किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है। हम पाक से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो।

बुमराह के ओवल टेस्ट में खेलने की संभावना नहीं

ओवल (ईमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलने की कोई उम्मीद नहीं है। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भले ही बुमराह को फिट बताया है पर उनकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम टेस्ट में उतारकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया है कि यह फैसला उनकी पीठ की सुरक्षा और लंबे समय तक खेलने को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह पूरी तरह से हैरान करने वाले फैसला नहीं है, क्योंकि मेडिकल टीम ने बुमराह, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं के साथ मिलकर पहले ही तय किया था कि वह इंग्लैंड दौरे पर पांच में से केवल 3 टेस्ट मैच ही खेलेंगे। बुमराह ने तीन टेस्ट खेल लिए हैं, जिनमें से दो टेस्ट वे लगातार खेले हैं और इसका प्रभाव उनकी गेंदबाजी की गति पर भी देखा गया।बुमराह पहले टेस्ट में मैदान पर उतरे, जबकि एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बाहर रहे। इसके बाद लंदन के लॉर्ड्स में बुमराह ने वापसी की, वहीं इसके बाद उन्हें मैनचेस्टर में भी शामिल किया गया।। इस मैच में जसप्रीत बुमराह ने एक ही पारी में गेंदबाजी की, क्योंकि दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी नहीं आई। बुमराह ने 33 ओवर फेंके और बहुत कम गेंद उनकी 140 किमी प्रति घंटे से अधिक गति वाली रहीं। बुमराह ने चौथे टेस्ट के चौथे दिन की सुबह के बाद गेंदबाजी नहीं की। ऐसे में कहा जा रहा था कि 31 जुलाई से शुरू होने वाले आखिरी टेस्ट मैच में भी उनको शामिल किया जा सकत है क्योंकि भरतीय टीम सीरीज को बराबर करने लिए उनका प्रयोग करना चाहती है,पर उनकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर उनका आराम करना ही अधिक सही रहेगा। लगातार दो टेस्ट मैच खेलने पर भी पिच और काम के बोझ के कारण उनकी स्पीड कम रही। दो विकेट ही उनको 33 ओवर में मिले। पहली बार उन्होंने इतनी लंबी गेंदबाजी एक पारी में की और 100 रन से ज्यादा रन भी दिये। बुमराह के नहीं खेलने पर युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप सिंह को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय है। आकाश चोटिल होने के कारण चौथे टेस्ट से बाहर थे।

जब विराट को हटाकर पार्थिव को कप्तान बनाने जा रही थी आरसीबी : मोइन

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोइन अली ने कहा है कि आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) साल 2019 में कप्तानी में बदलाव करने जा रही थी। मोइन के अनुसार तब आरसीबी विराट कोहली को कप्तानी से हटाकर उनकी जगह पर विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल को ये जिम्मेदारी सौंपना चाहती थी। मोइन ने इसमें सफल न होने का भी कारण बताया है। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार आरसीबी 2019 के सत्र में 14 मैचों में से केवल पांच मैच ही जीत पाई थी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। पार्थिव ने हालांकि 26.64 की औसत और 139.18 के स्ट्राइक-रेट से कुल 373 रन बनाए थे और वह साल 2020 में भी आरसीबी में शामिल थे पर , आरोन फिंच और देवदत्त पडिक्कल के पारी शुरु करने से उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। एबी डिविलियर्स को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दे दी। इसके बाद पार्थिव ने उसी साल दिसंबर में संन्यास ले लिया और फिर कभी आईपीएल नहीं खेला। मोइन ने कहा, हां, मुझे लगता है कि वो कप्तानी की कतार में थे। आखिरी साल में, जब गैरी कर्स्टन थे, मुझे लगता है पहले साल के बाद पार्थिव कप्तान बनने की कतार में थे। उनके पास एक जबरदस्त क्रिकेटिंग दिमाग था। उस समय यही चर्चा थी। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ या बात क्यों नहीं बनी, पर मुझे भरोसा है कि इस भूमिका के लिए उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया गया था। विराट ने लगातार खराब सत्र के बाद साल 2021 में आरसीबी की कप्तानी छोड़ दी थी। वहीं इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस ने अगले तीन साल तक कप्तान रहे थे पर साल 2025 में उनको टीम में बरकरार नहीं रखा गया। वहीं साल 2025 में रजत पाटीदार टीम के कप्तान बने और टीम विजेता बन गयी।

टीएनसीए में स्पिनर चंद्रशेखर ने सभी 10 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई (ईएमएस)। यहां तमिलनाडु क्रिकेट लीग (टीएनसीए) के फर्स्ट डिवीजन मुकाबले में सी हॉक्स टीम के बाएं हाथ के स्पिनर डीटी चंद्रशेखर ने एक नया रिकार्ड बना दिया। ग्लोब ट्रॉटर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में चंद्रशेखर ने केवल 37 रनों पर ही सभी 10 विकेट लेकर अपनी टीम को शानदा जीत दिलाई।चंद्रशेखर ने 5 ओवरों में ये विकेट लेकर मैच अपने पक्ष में कर दिया। इससे इस स्पिनर का नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया। इससे पहले भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर एम वेंकटारमणा ने साल 1991-92 सत्र में इंडियन बैंक की ओर से सदर्न रेलवे के खिलाफ 96 रन देकर 10 विकेट लिए थे।

चंद्रशेखर ने अपने इस प्रदर्शन को लेकर कहा है कि छह-सात विकेट लेने के बाद उनको लगा कि वे 10 विकेट ले सकते हैं। मैच के बाद भावुक चंद्रशेखर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। किसी भी स्तर पर 10 विकेट लेना बड़ी बात होती है, इसलिए यह बहुत खास है। जब मैंने छह या सात विकेट ले लिए थे, तब लगा कि मेरे पास सभी 10 विकेट लेने का अवसर है। इस गेंदबाज ने साल 2015-16 सीजन में अपना फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था और 5 मैचों में 18 विकेट लिए थे।

सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, "वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये।"

पिच क्यूरेटर के गंभीर और सहयोग स्टाफ को रोकने पर भड़के इरफान पठान

लंदन (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ को ओवल के पिच क्यूरेटर ली फॉर्टिस ने रोकने का प्रयास किया। उससे साफ है कि मेजबान अभी तक औपनिवेशिक युग में जी रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने गंभीर और फॉर्टिस विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक अंग्रेज कोच मैदान का निरीक्षण करने जाये तो किसी को भी आपत्ति नहीं होती पर भारतीय कोच जाये तो उसे रोका जाता है।?"गंभीर और भारतीय सहयोगी स्टाफ के सदस्य जब पिच निरीक्षण के लिए गए थे तो वे रबर सोल वाले जूते पहने हुए थे और पिच को कोई नुकसान नहीं हो रहा था पर इसके बाद भी क्यूरेटर ने उन्हें 2.5 मीटर दूर खड़े रहने को कहा। इसके बाद क्यूरेटर ने जब एक स्टाफ सदस्य को जोर से आवाज लगाकर रोका तो गंभीर ने तत्काल इसका विरोध किया और कहा कि भारतीय सहयोगी स्टाफ के साथ ऐसा व्यवहार गलत और अपमानजनक है। गंभीर ने फॉर्टिस से कहा, "तुम हमें नहीं बता सकते कि क्या करना है और क्या नहीं तुम केवल एक मैदानकर्मी हो, उससे ज्यादा कुछ नहीं।"

टोरंटो में टेनिस स्टार एलेकजेंडर ज्वेरेव रिटर्न शॉट लगाते हुए।

जडेजा में विदेशी धरती पर जीत दिलाने की क्षमता नहीं : सिद्धू

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाज की है पर इसके बाद भी वह विदेशी धरती पर टीम को जीत दिलाने में सक्षम नजर नहीं आते है।

सिद्धू ने विदेशी हालातों में मैच विजेता नहीं होने को जडेजा की कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार ऑलराउंडर की ये अक्षमता पहले ही टेस्ट से नजर आ गयी थी। सिद्धू ने कहा, 'मैंने भी जडेजा की बहुत तारीफ की है पर वह महान ऑलराउंडर कपिल देव जैसे नहीं हैं। कपिल ने विदेश में भारतीय टीम को बहुत सारे टेस्ट जिताए। वहीं जडेजा ने विदेश में सहयोगी भूमिका में ही अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने ओवरों को जल्दी करता है पर वह टेस्ट मैचों को जिताने

में सक्षम नहीं है।'मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में जडेजा ने नाबाद 107 रन बनाए थे। उन्होंने मैच के अंतिम दिन वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के जीत के सपने तोड़ दिये। जडेजा और सुंदर ने अपनी यादगार पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने अंतिम दिन असमान उछाल भरी पिच पर इंग्लैंड के गेंदबाजों का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी कर अंत तक पारी संभाली थी। उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे पर इसके बाद भी भारतीय टीम 22 रन से हार गयी। उस मैच के बाद जडेजा की रणनीति और उनके प्रदर्शन को लेकर बहस भी तेज हुई थी। ज्यादातर ने साहसिक रवैये की तारीफ की पर वह विशेषज्ञों का कुछ ने उनकी आलोचना की थी। तब रवि शास्त्री ने कहा था कि अगर अपनी बल्लेबाजी पर जडेजा को बेन स्टोक्स की तरह 40 फीसदी भी भरोसा होता तो वह टीम को जीत दिला देते।

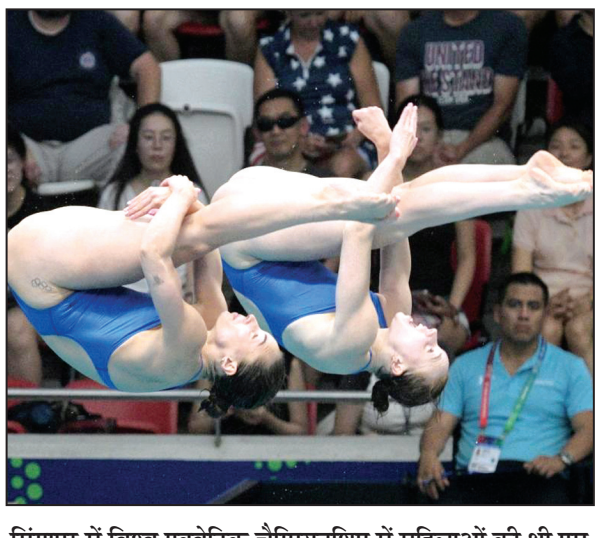

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में महिलाओं की थ्री एम स्पिंगबोर्ड फाइनल में भाग लेती हुई खिलाड़ी।

राष्ट्रपति के आगमन पर समाहरणालय सहित 28 ऊंचे भवनों पर रहेंगे सुरक्षाकर्मी

6 सेक्टर में रहेंगे मजिस्ट्रेट व डीएसपी रैंक के पुलिस पदाधिकारी

धनबाद, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के धनबाद आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। इसको लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार तथा एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद ने संयुक्त आदेश जारी किया है।

राष्ट्रपति के धनबाद आगमन को लेकर धनबाद एयरपोर्ट के आसपास समाहरणालय सहित सभी 28 ऊंचे भवनों पर सुरक्षाकर्मी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा एयरपोर्ट से प्रभातम मॉल तक, प्रभातम मॉल से बरटांड बस स्टैंड तक, बरटांड बस स्टैंड से रणधीर वर्मा चौक तक, रणधीर वर्मा चौक से आईआईटी, आईएसएम तक, आईआईटी, आईएसएम से स्टील गेट, एसएनएमएमसीएच अस्पताल तक तथा स्टील गेट से गोल बिल्डिंग होते हुए मेमको मोड तक अलग-अलग सेक्टर बनाए गए हैं। सभी सेक्टर में डीएसपी रैंक के पुलिस पदाधिकारी एवं मजिस्ट्रेट मौजूद रहेंगे।

राष्ट्रपति के एयरपोर्ट से आईआईटी, आईएसएम तक के रूट पर 7 से अधिक ड्रॉप गेट, 74 से अधिक बैरिकेडिंग व स्लाइडर लगाए जाएंगे। इसके अलावा क्विक रिस्पांस टीम उपलब्ध रहेगी। वहीं आईआईटी,आईएसएम एवं धनबाद एयरपोर्ट में कंट्रोल रूम रहेगा।राष्ट्रपति के लिए एक वैकल्पिक रूट भी तैयार किया गया है। जिसमें वरीय पुलिस पदाधिकारी के साथ मजिस्ट्रेट भी रहेंगे।

धनबाद के एसएसपी, प्रभात कुमार ने आईआईटी, आईएसएम धनबाद के नए छात्रों को किया प्रेरित

धनबाद, आईआईटी, आईएसएम, धनबाद में आज ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसएसपी, प्रभात कुमार ने नवप्रवेशित छात्रों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम संस्थान में पढ़ाई की शुरुआत करने वाले छात्रों का स्वागत करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

अपने संबोधन में प्रभात कुमार ने अपने जीवन के अनुभव साझा किए और छात्रों से कहा कि वे मेहनत और ईमानदारी के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे एक छोटे से गांव के स्कूल से पढ़ाई शुरू कर वे आईआईटी, खड़गपुर पहुंचे और फिर कई नौकरियों में काम करते हुए आखिरकार भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में शामिल हुए।उन्होंने आगे कहा की "सफलता एक बार की बात नहीं होती, यह एक निरंतर प्रक्रिया है। आईआईटी में पढ़ाई सिर्फ डिग्री पाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि आपको समाज के लिए एक अच्छा इंसान बनना है।

प्रभात कुमार 2019 बैच के आईपीएस, अधिकारी हैं और छत्तीसगढ़ कैडर से आते हैं। उन्होंने देश के कई संवेदनशील इलाकों जैसे सुकमा और नारायणपुर में अपनी सेवा दी है। धनबाद में वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अवैध खनन और कोयला माफिया पर कार्रवाई करने के साथ-साथ सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम के अंत में एक सवाल-जवाब का सत्र भी हुआ, जिसमें छात्रों ने श्री कुमार से सिविल सर्विस, लीडरशिप और समाज में पुलिस की भूमिका को लेकर सवाल पूछे। इस मौके पर प्रो. एम के सिंह, डीन, एकेडमिक, प्रो. एस के गुप्ता, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर और संस्थान के रजिस्ट्रार, प्रभोध पांडे भी मौजूद थे। सभी ने एसएसपी प्रभात कुमार का आभार व्यक्त कर उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की ।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने अवैध ई फार्मेसीयों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की

धनबाद, आल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन झारखंड केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन एवं धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने अवैध ई-फार्मेसियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की माँग की l राज्य प्राधिकरण द्वारा कोई कार्यवाही न करने पर चिंता जताई और जीएसआर 220(इ) तथा जी एस आर817(इ) को वापस लेने का आग्रह किया।भारत भर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्टों का प्रतिनिधित्व करने वाले आल इंडिया आर्गेनाईजेशन ऑफ केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट संगठन ने ऑनलाइन फ़ार्मेसी प्लेटफ़ॉर्म के अवैध और अनियमित संचालन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, जो औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 का उल्लंघन करते हुए दवाइयाँ बेचना जारी रखे हुए हैं और जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।जे एस शिंदे अध्यक्ष और राजीव सिंघल महासचिव ने बताया कि संस्था ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, अनुप्रिया पटेल को संबोधित एक औपचारिक पत्र में, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन सीडीएससीओ द्वारा बार-बार शिकायतें भेजे जाने के बावजूद, राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों द्वारा अभी तक कोई भी कार्यवाही न करने पर प्रकाश डाला है। 22 जुलाई 2025 को राज्य सभा में मंत्री ने अपने उत्तर में कहा गया था कि दवाओं की अनधिकृत बिक्री से संबंधित शिकायतें एसएलए को भेजी जाती हैं, संस्था ने कहा हैं कि देश भर में किसी भी एसएलए द्वारा कोई प्रत्यक्ष या प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।इस मामले को आगे बढ़ाने के लिए, एआईओसीडी के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 21 जुलाई 2025 को भारतीय औषधि महानियंत्रक, डीसीजीआई डॉ. राजीव रघुवंशी से मुलाकात की और उनसे निम्नलिखित तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया जिसमें, बिना किसी वैध लाइसेंस या निगरानी के संचालित सभी अवैध ई-फार्मेसियों, जिनमें क्विक कॉमर्स प्लेयर्स भी शामिल हैं, पर तत्काल कार्रवाई की जाए। जीएसआर 220(इ) को वापस लेना, जो कोविड-19 महामारी के दौरान जारी किया गया था, लेकिन अब इन प्लेटफ़ॉर्म द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों को सही ठहराने के लिए इसका दुरुपयोग किया जा रहा है, और अगस्त 2018 में जारी मसौदा विनियमन जीएस आर817(इ) को वापस लेना, जो आठ वर्षों से अधिक समय से मसौदा रूप में ही पड़ा है, जिससे कानूनी स्पष्टता के अभाव में इसका दुरुपयोग हो रहा है।आल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने बार-बार कहा है कि जीएसआर817(इ) पुराना हो चुका है और डिजिटल दवा वितरण की ज़मीनी हकीकत को समझने में विफल रहा है। आल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन सहित हितधारकों के सैकड़ों अभ्यावेदनों और आपत्तियों को नज़रअंदाज़ कर दिया गया है। अंतिम विनियमन के अभाव में, ई-फ़ार्मेसी प्लेटफ़ॉर्म निम्नलिखित बेचना जारी रखे हुए हैं। बिना डॉक्टर के पर्चे के आदत डालने वाली हैबिट फार्मिंग और मनोविकार पैदा करने वाली दवाएँ,कानून का उल्लंघन करने वाली अनुसूची एच 1 और एक्स की दवाएँ,डायवर्ट किया हुआ और बिना लाइसेंस , और पता न लगने वालावाला स्टॉक,बिना किसी गुणवत्ता आश्वासन या भौतिक सत्यापन के दवाएँ।जे ऐस शिंदे अध्यक्ष और राजीव सिंघल महासचिव एआईओसीडी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि 'निर्माता' की संक्षिप्त परिभाषा ही इस समस्या का मूल कारण है और सभी संबंधित विभागों को शामिल करते हुए एक समग्र और व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। एआईओसीडी ने अधिनियम, नियमों और संबंधित आदेशों में उपयुक्त संशोधन करने हेतु भी पूर्व में भेजे गए सुझावों पर भी अपनी राय व्यक्त की।

आसनसोल-हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन में 2 वातानुकूलित कुर्सीयान कोच के बदले 1 वातानुकूलित कुर्सीयान कोच के साथ चलाया जायेगा

धनबाद l 30.07.25 से आसनसोल से खुलने वाली गाड़ी संख्या 13513 आसनसोल–हटिया एक्सप्रेस एवं हटिया से खुलने वाली गाड़ी संख्या 13514 हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस में 2 वातानुकूलित कुर्सीयान कोच के स्थान पर 1 वातानुकूलित कुर्सीयान कोच के साथ चलाया जायेगा l जिसके परिणामस्वरूप इस ट्रेन में गैर-वातानुकूलित कुर्सीयान के 3 कोच, वातानुकूलित कुर्सीयान के 1 कोच, सामान्य श्रेणी के 6 कोच होंगे उक्त जानकारी कोयलांचल संवाद के ब्यूरो चीफ, आर एन चौरसिया को मोहम्मद इकबाल, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने दी l

अपर्णा पब्लिक स्कूल जूनियर विंग में धूमधाम से मनाया गया फाउंडेशन डे समारोह

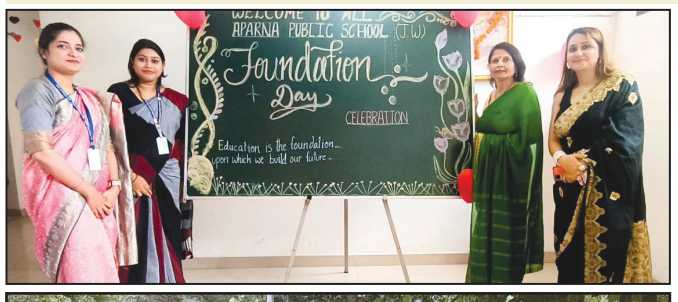

धनबाद, बुधवार को कुसुम विहार फेस एक स्थित अपर्णा पब्लिक स्कूल जूनियर विंग में फाउंडेशन डे समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तिरंगा झंडा लहराकर किया गया। तत्पश्चात दीपप्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। स्कूल के अंदर में बच्चों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की। फाउंडेशन डे में सीनियर विंग के डायरेक्टर के के सिंह, रेनू कौशल, प्रीति करुणेश कौशल और इंचार्ज अनुप्रिया के साथ दोनों विंग के सभी शिक्षक मौजूद थे।

जिले के 26 विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति और प्रधानमंत्री पोषण शक्ति व मध्याह्न भोजन योजना का सोशल ऑडिट

दुमका :जिला शिक्षा अधीक्षक दुमका के पत्रांक-1268 - 25 जुलाई के अनुसार जिले के कुल- छब्बीस विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति और प्रधानमंत्री पोषण शक्ति व मध्याह्न भोजन योजना का सोशल ऑडिट कराया जा रहा है।जिसके तहत बुधवार को रानीश्वर के पांच और काठीकुंड के दो विद्यालय में सोशल ऑडिट किया गया। सूत्रों के मुताबिक मौके पर योजना से जुड़े हर पहलू पर बारिकी से जांच की गई। रानीश्वर प्रखण्ड में रामवि बांसकूली, नप्रावि बांसकूली (बागती टोला), उमवि बोड़ाबाथान, उमवि भुस्कीपाहाड़ी और प्रावि बुधुडीह के अंकेक्षण किया गया। रानीश्वर प्रतिनिधि के अनुसार शिक्षक और ऑडिट में आये साधन सेवीओं के समन्वय से सुचारू रुप सेछ अंकेक्षण के डाटा लिया गया है। अब आगे रिपोर्ट के अनुसार प्रखण्ड समिति के जूरी द्वारा लिये गये निर्णय जिला समिति को भेजा जाएगा। प्रत्येक विद्यालय के लिए दो-दो साधन सेवी पहुंचे थे। साधन सेवी दल में त्रिलोकीनाथ पांडे, दीपेश राउत, मुन्ना माझी, अनुपम माझी, सुहागन कुमारी, अनुप कु सिंह, मोहन कु राय, वृंदावन मोदी, चंद्रशेखर यादव और दिवाकर कुमार शामिल थे।

जिला संयुक्त औषधालय धनबाद में महर्षि चरक जयंती समारोह मनाया गया

धनबाद, विश्व आयुर्वेद परिषद झारखंड इकाई द्वारा जिला संयुक्त औषधालय धनबाद के सभागार में महर्षि चरक जयंती समारोह मनाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ॰, कुमकुम तथा विशिष्ट अतिथि धनबाद जिला आयुर्वेद चिकित्सा पदाधिकारी डॉ॰ अमरेंद्र पाठक थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। अतिथियों व उपस्थित अन्य ने महर्षि

चरक की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किया। मुख्य अतिथि डॉ॰ कुमकुम ने कहा की चिकित्सा के क्षेत्र में महर्षि चरक के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व आयुर्वेद परिषद झारखंड इकाई के अध्यक्ष, आरएस तिवारी ने की। संचालन प्रदेश सचिव डॉ. टीके साहा तथा धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष, डॉ. बी के कश्यप ने किया। मौके पर डॉ. बीके गोस्वामी, डॉ॰ सीपी दुबे, डॉ॰ एन सी बिश्वास, डॉ॰संजय तिवारी, डॉ॰ योगेंद्र प्रसाद, डॉ॰ कुणाल, डॉ॰ डी के लाल, डॉ॰ आर के गोस्वामी, डॉ॰ मनीनाथ, डॉ॰ एम साहू, डॉ॰ विकास रमन, डॉ॰ जयश्री कुमारी, डॉ॰ कविता, डॉ॰ प्रियंका, डॉ॰ श्रुति, डॉ॰ रेणु, डॉ॰ नीरज पांडे, डॉ॰ अतुल पांडेय, डॉ॰ कलीम अहमद आदि मौजूद थे।

कार्यालय नगर निगम, गिरिडीह

ई–मेल: giridihmunicipalcorporation@gmail.com

आम सूचना

गिरिडीह नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत स्थित सभी ठेला/खोमचा/अस्थायी दुकान/सब्जी विक्रेताओं समेत सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान संचालकों को सूचित किया जाता है कि वे अपने–अपने दुकान के सामने दो डस्टबिन क्रमशः गीला कूड़ा के लिए हरा डस्टबिन एवं सूखा कूड़ा के लिए नीला डस्टबिन रखना सुनिश्चित करेंगे तथा कूड़े को डस्टबिन में संग्रहित कर निश्चित समय पर कूड़ा संग्रहित कर रही एजेन्सी के सफाई कर्मी को देना सुनिश्चित करेंगे। अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठान के आस–पास के परिसर को साफ–सूथरा रखने में सहयोग करेंगे। कूड़ा/गंदगी फैलाते हुए पाए जाने पर नगरपालिका अधिनियम, 2011 के तहत् जुर्माना अधिरोपित करते हुए दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ह०/–
प्रशासक,
नगर निगम, गिरिडीह

PR 358588 Urban Development(23-25).D

कार्यालय गिरिडीह नगर निगम

Email id(giridihmunicipalcorporation@gmail.com)

शुद्धि–पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि प्रकाशित पी0आर0नं0 356912 द्वारा प्रकाशित निविदा सं0 UDD/GMC/VII/01/2025-26 योजना वार्ड नं0 04 में मेन रोड आफताब अस्पताल से डंडियाडीह के अंत तकनाली निर्माण कार्य के SBD में आंशिक संशोधन किया जा रहा है, जोनिम्नवत् है :–

क्र0	पूर्वमें प्रकाशित निविदा के SBD	संशोधन की गयी SBD
01.	**APPENDIXto ITB** Clause Reference with respectto Section-I के क्रमांक 03 मेंThis annual financial turn over amount is Rs. 3,84,87,636.00 [C1.4.5A(a)](Twenty Crore Eighty-Two Lac Sixty-One Thousand Four Hundred Only) (150%ofwork Value all class of CivilEngineeringconstructionworkinlastfiveyears)	**APPENDIXto ITB** Clause Reference with respectto Section-I के क्रमांक 03 मेंThis annual financial turn over amount is Rs. 3,84,87,636.00 [C1.4.5A(a)](Three Crore Eighty-Four Lac Eighty Seven Thousand Six Hundred Thirty Six Only) (150%ofworkValueallclassofCivilEngineeringconstructionworkinlastfiveyears)
02.	**APPENDIXto ITB** ClauseReferencewithrespect to Section-I के क्रमांक 09 मेंLiquid assets and/or availability of credit facilities is Rs. 3,47,10,300.00[C1.4.2(h)](Rupees Three Crore Forty-Seven Lacs Ten Thousand Three Hundred Only)	**APPENDIXto ITB** ClauseReferencewithrespect to Section-I के क्रमांक 09 मेंLiquid assets and/or availability of credit facilities is Rs. 64,14,606.00[C1.4.2(h)](Rupees Sixty Four Lac Fourteen Thousand Six Hundred Six only).
03.	**APPENDIXto ITB** ClauseReferencewithrespect to Section-I के क्रमांक10मेंPricelevelofthefinancialyear2023-24[C1.4.7]	**APPENDIXto ITB** ClauseReferencewithrespect to Section-I के क्रमांक10कोDelete कियाजाताहै।
04.	**ANNEXURE-II**केListofKeyPersonaltobedeployedonContractWork**[ReferenceC1.4.5(B)(b)]**के क्रमांक 02मेंSiteEngineerमें**Qualification**B.E.Civil+10Years Exp.(5yearsinBuildingConstruction). Contract Package 02	**ANNEXURE-II**केListofKeyPersonaltobedeployedonContractWork**[ReferenceC1.4.5(B)(b)]**के क्रमांक 02मेंSiteEngineerमें**Qualification**B.E.Civil+10Years Exp.(5yearsinRoadConstruction). Contract Package 01
05.	**ANNEXURE-II**केListofKeyPersonaltobedeployedonContractWork**[ReferenceC1.4.5(B)(b)]**के क्रमांक 05मेंMEPEngineerमेंB.E. in Electrical or Mechanical Engineering+07Years'ExperienceinMEP designContract Package 01	**ANNEXURE-II**केListofKeyPersonaltobedeployedonContractWork**[ReferenceC1.4.5(B)(b)]**के क्रमांक 05मेंMEPEngineerमेंB.E. in Electrical or Mechanical Engineering+07Years'ExperienceinMEP designContract Package NIL.
06.	**CONTRACTDATA** के Clause Reference With respect to section 3 के क्रमांक 06मेंTheIntendedCompletionDateforthewholeoftheWorksis**24months**afterstartofwork with the following milestones: Milestone dates: [Cl.1.1,17&28] [C1.2.2&49.1]Physical works to be completed. 11MonthPeriodfromthestartdate Milestone 1 i.e 25.00 % of work 6 months Milestone2i.e50.00%ofwork 12months Milestone3i.e75.00%ofwork 18months Milestone4i.e100.00%ofwork 24months	**CONTRACTDATA** के Clause Reference With respect to section 3 के क्रमांक 06मेंTheIntendedCompletionDateforthewholeoftheWorksis**09months**afterstartofwork with the following milestones: Milestone dates: [Cl.1.1,17&28] [C1.2.2&49.1]Physical works to be completed. 11MonthPeriodfromthestartdate Deleted
07.	**CONTRACTDATA** के Clause Reference With respect to section 3 के क्रमांक 07मेंTheSiteislocatedatSeraikelaNagarPanchayat,Seraikela,Jharkhand.	**CONTRACTDATA** के Clause Reference With respect to section 3 के क्रमांक 07मेंTheSiteislocatedatGiridihMunicipal Corporation, GiridihJharkhand.
08.	**CONTRACTDATA** के Clause Reference With respect to section 3 के क्रमांक 08मेंThe name andidentificationnumberoftheContracts:[Cl.1.1] The work consists of CONSTRUCTION OF MULTICOMPLEXSHOPS(G+2)&BEAUTIFICATION OF EXISTINGPREMISESIN SARAIKELA DISTRICT, JHARKHAND;" the work shallinter alia, include the Civil,Interior,Electrical,Plumbing, Landscaping &Horticulture etc.asspecified or as directed: following, as specified, or as directed:	Clause Reference With respect to section 3 के क्रमांक 08मेंThenameandidentificationnumberoftheContracts:[Cl.1.1] The work consists of CONSTRUCTION OF DRAIN FROM MAIN ROAD AFTAB HOSPITAL TO END OF DANDIADIH AT WARD NO. 04, UNDER GMC JHARKHAND;" the work shallinter alia, includetheCivil as specified, or as directed:

पढ़ा जाय।अन्य शर्ते यथावत् रहेंगे।

प्रशासक,
गिरिडीह नगर निगम

PR 358577 (Urban Development)25-26*D

डीसी रेलवे लाइन बांसजोड़ा स्टेशन के समीप एक बड़ा हादसा टल गया

कोयला लदी मालगाड़ी अचानक स्टेशन के पास दो भागों में बंट गई

फाटक के पास खड़े राहगीरों और स्टेशन में बैठे यात्रियों में अचानक अफरा तफरी मच गई

रेलवे लाइन के इस पार से उस पार जाने वाले राहगीरों की लंबी कतार लग गई

लोयाबाद।डीसी रेलवे लाइन पर बुधवार शाम को करीब 6 बजे बांसजोड़ा रेलवे स्टेशन के समीप एक बड़ा हादसा टल गया।कतरास से मैथन पावर प्लांट जा रही कोयला लदी मालगाड़ी अचानक स्टेशन के समीप पोल संख्या DK 7/31 के पास दो भागों में बंट गई।घटना के वक्त फाटक बंद कर रेलकर्मी हरी झंडी दिखा रहे थे,तभी जोरदार आवाज सुनाई दी।फाटक के पास खड़े राहगीरों और स्टेशन में बैठे यात्रियों में अचानक अफरा-तफरी मच गई।मौके पर तैनात गेटमैन ने देखा कि मालगाड़ी के डिब्बे दो हिस्सों में बंट गए हैं।उसने तत्काल स्टेशन मास्टर को सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मालगाड़ी का अगला भाग करीब 100 मीटर दूर जाकर स्वतः रुक गया।आशंका जताई जा रही है कि ड्राइवर को गड़बड़ी का अंदेशा पहले ही हो गया था,जिससे ब्रेक लगाए गए।घटना के बाद गेटमैन ने तत्परता दिखाते हुए स्वयं कपलिंग को दोबारा जोड़ा।लगभग 40 मिनट की मशक्कत के बाद मालगाड़ी को बांसजोड़ा स्टेशन से रवाना किया गया।इस दौरान रेलवे लाइन के इस पार से उस पार जाने वाले राहगीरों की लंबी कतार लग गई।स्थानीय लोगों ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि मालगाड़ी का पिछला भाग खुद से न रुकता तो बड़ा हादसा हो सकता था।रेल प्रशासन से इस तरह की तकनीकी खामियों की जल्द पहचान कर सतर्कता बढ़ाने की मांग की गई है।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम की अंतिम तैयारियों की उपायुक्त और एसएसपी ने की समीक्षा

एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक रूट लाइन में बैरिकेडिंग और ड्रॉपगेट बनाने के निर्देश

कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, एंबुलेंस एवं अग्निशमन की व्यवस्था को लेकर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

धनबाद, राष्ट्रपति के आईआईटी, आईएसएम में निर्धारित कार्यक्रम की अंतिम तैयारियों को लेकर धनबाद उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार द्वारा संयुक्त रूप से समाहरणालय स्थित सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा एयरपोर्ट पर की गई सभी तैयारियों, रूट लाइन की तैयारी एवं कार्यक्रम स्थल पर चल रहे अंतिम तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान एयरपोर्ट में साफ सफाई, वॉल पेंटिंग, हेलीपैड, हाई मास्क लाइट, पायलट के रुकने के लिए व्यवस्था, एयरपोर्ट गेस्ट हाउस आदि की बारीकी से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक रूट लाइन की ट्राफिक मुवमेंट, साफ सफाई, बैरिकेडिंग, ड्रॉप गेट्स, वॉल पेंटिंग आदि की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारी को तय समय सीमा के अंदर कार्य को समाप्त करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मजिस्ट्रेट एवं फोर्स की तैनाती को लेकर एडीएम लॉ एंड ऑर्डर को महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। वही कार्यक्रम स्थल के मुख्य द्वार में सुरक्षा व्यवस्था, मंच की सुरक्षा, डी एरिया की सुरक्षा, ग्रीनहाउस की सुरक्षा, मेडिकल रूम, सीटिंग एरिया की सुरक्षा, मीडिया गैलरी की सुरक्षा, गेस्ट हाउस की सुरक्षा, सेफ हाउस की सुरक्षा समेत विभिन्न महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल में कंट्रोल रूम बनाने मेडिकल की टीम रखने, पार्किंग व्यवस्था की उचित व्यवस्था करने, सभी तरफ साइनऐज लगाने, सीसीटीवी से सुरक्षा व्यवस्था के मॉनिटरिंग करने समेत कई अन्य दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी, कपिल चौधरी, सिटी एसपी, ऋत्विक श्रीवास्तव, नगर आयुक्त, रवि राज शर्मा, अपर समाहर्ता, विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए, राजीव रंजन, एडीएम सप्लाई, जियाउल अंसारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, राम नारायण खालको, जिला परिवहन पदाधिकारी, दिवाकर सी द्विवेदी, डीएसपी सीसीआर, सुमित कुमार, डीएसपी मुख्यालय 1, शंकर कामती, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर, नौशाद आलम, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, सुनिल कुमार सिंह के अलावा पथ निर्माण वभाग, पीएचईडी 1 एवं 2, भवन प्रमंडल, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड, अग्निशमन सहित अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

राज्यपाल संतोष गंगवार की अध्यक्षता में

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की झारखंड राज्य की कार्यसमिति की बैठक का आयोजन राज भवन में संपन्न

धनबाद, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटीज, झारखंड राज्य की कार्यसमिति की बैठक राज्य समिति के अध्यक्ष, राज्यपाल संतोष गंगवार की अध्यक्षता में राजभवन में आयोजित की गई। बैठक में राज्य के जिलों के भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटीज के राज्य स्तरीय समिति के नामित सदस्य उपस्थित थे। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटीज धनबाद के तरफ से कार्यकारिणी समिति के सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार सह नामित सदस्य राज्य हेतु कुमार मधुरेन्द्र सिंह उपस्थित थे। बैठक में राज्य में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटीज को और जिम्मेवार एवं सक्षम बनाने पर चर्चा की गई। साथ ही इसके लिए राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव, सह राज्य स्तरीय उपाध्यक्ष, भारतीय रेडक्रास समिति झारखंड डॉ० नितिन मदन कुलकर्णी ने सभी समितियों की सहभागिता बढाने को लेकर दिशा-निर्देश दिए हैं।कुल 24 जिले ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

बाँसजोड़ा अग्नि प्रभावित क्षेत्र का जरेडा की टीम ने किया निरीक्षण

लोयाबाद।बांसजोड़ा कोलियरी के 12 नंबर क्षेत्र में बुधवार को झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण जरेड़ा की टीम ने निरीक्षण किया।टीम का नेतृत्व कर रहे बीसीसीएल के खनन प्रबंधक रमेश महतो ने क्षेत्र के बदतर हालातों का जायजा लिया और लगभग एक घंटे तक इलाके का निरीक्षण किया।निरीक्षण के बाद रमेश महतो ने स्थानीय लोगों को झरिया मास्टर प्लान के तहत प्रस्तावित पुनर्वास योजना की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि जिन लोगों के पास जमीन नहीं है, उन्हें 80 वर्गफुट का मकान और 2.5 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।वहीं,जिन्हें मकान उपलब्ध नहीं कराया जा सकेगा,उन्हें एकमुश्त 5 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी ताकि वे किसी अन्य स्थान पर स्वेच्छा से स्थानांतरित हो सकें।प्रबंधन के अनुसार,नए मास्टर प्लान के तहत अगले तीन वर्षों में सभी प्रभावित परिवारों को पुनर्वासित किया जाना है।पहले चरण में बांसजोड़ा 12 नंबर के 77 परिवारों को पुनर्वासित किया जाएगा,जिनके लिए बेलगड़िया में बसाने का प्रस्ताव रखा गया है।हालांकि,इस प्रस्ताव पर कांग्रेस नेता राजकुमार महतो और असलम मंसूरी ने विरोध जताया।उन्होंने कहा कि बेलगड़िया में बसना स्थानीय लोगों को मंजूर नहीं है क्योंकि यह क्षेत्र रोजगार के लिहाज से अनुकूल नहीं है।नेताओं ने सभी प्रभावित परिवारों को तेतुलमारी,मोहलीडीह और निचितपुर टाउनशिप जैसे क्षेत्रों में बसाने की मांग रखी है,जहां मूल रूप से लोग अपने रोजगार से जुड़े रहे हैं।दोनों कांग्रेस नेताओं ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीसीसीएल और केंद्र सरकार को विस्थापितों के रोजगार के मुद्दे को हल्के में नहीं लेना चाहिए।यहां के अधिकांश लोग किसी न किसी रूप में अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। पुनर्वास के साथ-साथ रोजगार की गारंटी भी आवश्यक है।स्थानीय लोगों की इस आपत्ति के बाद पुनर्वास योजना को लेकर जमीनी हकीकत सामने आई है।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन मांगों को कितनी गंभीरता से लेता है।इस मौके पर जरेडा के खनन प्रबंधक रमेश महतो,मन्नू शर्मा,एम आई हक,देवेन्द्र कुमार, सिजुआ एरिया के अशोक कुमार,आदि मौजूद थे।

यूनियन क्लब, धनबाद में 2 अगस्त को तेरे बगैर साजन, सावन मजा ना देगा, कार्यक्रम का होगा शानदार आयोजन

धनबाद, हीरापुर के लुबी सर्कुलर रोड स्थित यूनियन क्लब में 2 अगस्त गुरुवार को तेरे बगैर साजन, सावन मजा ना देगा कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया है। इस संदर्भ में कार्यक्रम की अध्यक्ष, साधना सूद ने बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के वरिष्ठ पत्रकार, आर एन चौरसिया से बातचीत के दौरान बताया की साजन के बिना सावन मजा ना देगा की थीम पर यह रोचक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। साथ ही उन्होंने आगे बताया की यह कार्यक्रम बहुत ही शानदार और यादगार होगा। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से मेहंदी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गेम्स, झूला सेल्फी पॉइंट समेत अन्य व्यवस्थाएं रखी गई है। मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्ष, साधना सूद, सीमा सिंह, सुनीता सहाय, सुमन मित्तल, रेनू सिंह, नीलू अग्रवाल, नीतू श्रीवास्तव, संगीता सिंघल आदि मौजूद थी।

बिना पहचान पत्र आईआईटी, आईएसएम में नहीं करने दिया जाएगा किसी को भी प्रवेश

धनबाद, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के आगामी 1 अगस्त 2025 को आईआईटी, आईएसएम के 45 वें दीक्षांत समारोह में आगमन को लेकर आज देर शाम उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार ने समारोह स्थल पर सभी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारियों को कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर बिना पहचान पत्र के किसी को भी प्रवेश करने नहीं दिया जाएगा। सभी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी निर्धारित समय पर अपने-अपने स्थान पर मौजूद रहेंगे।उपायुक्त ने सभी मजिस्ट्रेट एवं

पुलिस पदाधिकारी को अपने निर्धारित स्थान का भ्रमण कर लेने और आपसी समन्वय बनाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रपति का अभूतपूर्व स्वागत कर उनके धनबाद भ्रमण कार्यक्रम को यादगार बनाना है। साथ ही राज्य सरकार का अच्छा संदेश देना है इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर लैंडिंग, समारोह स्थल तथा कार्यक्रम को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी को अपने स्थान की पहचान करने, वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सड़क की ओर नहीं देखने, कट व ड्रॉप गेट पर कड़ी निगरानी रखने, समारोह स्थल पर छात्र, अभिभावक तथा अतिथियों को उनके गेट के अनुसार ही प्रवेश करने देने, कार्यक्रम समाप्ति तक प्रतिनियुक्त स्थल पर मौजूद रहने सहित सुरक्षा को लेकर अन्य दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त, आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त, सादात अनवर, ग्रामीण एसपी, कपिल चौधरी, सिटी एसपी, ऋत्विक श्रीवास्तव, अपर समाहर्ता, विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए, राजीव रंजन, डीएसपी, धीरेन्द्र नारायण बंका, सुमित कुमार, शंकर कामती, अरविन्द कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक, आयुष कुमार के अलावा सभी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया आईएसएम का भ्रमण अंतिम चरण की तैयारियों का किया निरीक्षण

धनबाद । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने बुधवार को आईआईटी, आईएसएम पहुंचकर मुख्य समारोह स्थल पर चल रही अंतिम चरण की तैयारियों का निरीक्षण किया। आगामी 1 अगस्त 2025 को आईआईटी, आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। उनके साथ विशिष्ट अतिथि में राज्यपाल, संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन, भारत सरकार के शिक्षा मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान के अलावा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।सर्व प्रथम उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने आईआईटी, आईएसएम के लोअर ग्राउंड स्थित मुख्य समारोह स्थल पर एग्जिबिशन एरिया, फोटोशूट गैलरी, डी एरिया, ग्रीन रूम, स्टेज, सेफ हाउस, मीडिया गैलरी, माननीय राष्ट्रपति के प्रवेश व निकास द्वार, माननीय राष्ट्रपति के वाहन के लिए निर्धारित पार्किंग सहित अंतिम चरण की अन्य तैयारियां का निरीक्षण किया। इसके बाद उपायुक्त ने राष्ट्रपति के स्वागत के लिए तैयार प्रेसिडेंट सुइट, राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य अतिथियों के लिए तैयार किए गए आवासन, ग्रीन रूम, कार्यक्रम स्थल तक निर्धारित मार्ग, कार्यक्रम स्थल का प्रवेश एवं निकास द्वार का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उपायुक्त, आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी, कपिल चौधरी, सिटी एसपी, ऋत्विक श्रीवास्तव, आईआईटी, आईएसएम के रजिस्ट्रार, प्रबोध पांडेय, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, डीएसपी मुख्यालय 2, धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर, नौशाद आलम, सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा के अलावा अन्य प्रशासनिक तथा पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित थे ।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▮ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।